

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, शनिवार, 18 जुलाई 2026



DR. ABHIMANYU'S AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL

PAIN | PANCHKARMA | PILES | PEDIA | GYNAE | SKIN



छत्तीसगढ़ में पहली बार



आयुर्वेद मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल

गुणवत्ता, सुरक्षा और भरोसे के अंतरराष्ट्रीय मानकों पर
खरा उतरने वाला छत्तीसगढ़ का पहला
पूर्ण NABH मान्यता प्राप्त आयुर्वेद अस्पताल

समस्त हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों
से इलाज के बाद
REIMBURSEMENTS
की सुविधा उपलब्ध

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
प्रदेश के समस्त शासकीय अधिकारी/कर्मचारी एवं उनके परिवार के आश्रित सदस्यों के उपचार उपरांत प्रतिपूर्ति
(MEDICAL REIMBURSEMENTS)
हेतु छ.ग. शासन से मान्यता प्राप्त

उपलब्ध सुविधाएँ

पंचकर्म

- वमन
- शिरोधारा
- स्वेदन
- बस्ति
- विरेचन
- अभ्यंग
- नस्य

दर्द निवारण

- घुटने का दर्द (संधि वात)
- गठिया वात
- कमर दर्द
- ए.वी.एन.
- गुधरी (सायटिका)
- गर्दन दर्द
- आमवात (आर.ए.)

नेत्र रोग

- पास या दूर का न दिखना
- आँखों में दर्द/जलन
- आँखों का सूखापन
- धुंधला दिखना
- आँखों से पानी आना
- चश्मे का नम्बर कम या ज्यादा होना

मल द्वारा संबंधित

- पाइल्स (बवासीर)
- फिशर (विदर)
- फिस्टुला (भगन्दर)
- पिलोनिडल साइनस

स्त्री रोग

- माहवारी संबंधित रोग
- PCOD, PCOS
- सफेद पानी का जाना
- बांझपन

मनोरोग

- अवसाद (डिप्रेशन)
- पार्किंसंस
- अनिद्रा
- स्मृति भ्रम

पेट संबंधित बीमारियाँ

- पाचन संबंधित समस्त विकार
- कब्ज
- भूख न लगना
- पेट फूलना

बच्चों के रोग

- Cerebral Palsy
- Hyperactivity
- शारीरिक विकास
- बिस्तर गीला करना
- Immunity
- Autism

चर्म रोग

- सोरायसिस
- कील-मुहाँसे
- बालों का सफेद होना व झड़ना
- दाद, खाज, खुजली
- सफेद दाग

जीवन शैलीगत रोग

- डायबिटीज
- ब्लड प्रेशर
- थायरॉइड
- मोटापा

हमारी विशेषज्ञ चिकित्सक टीम



Dr. Avinash Bais
Chief Medical Officer, MD
(RAV Guru)
29 Years of Experience



Dr. M. Faizan Khan
Senior Orthopedic
Physiotherapist and Manual
Therapist MPT Orth (New Delhi),
17 Years of Experience



Dr. Damini Sahu
BAMS, Anorectal Specialist
Ksharsutra Specialist (Hubli,
Karnataka), Prakriti Analyst
(NIA, Jaipur),
5 Years of Experience



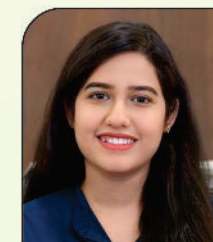
Dr. Gaurav Dewangan
BAMS, Ex-RAV (Delhi)
5 Years of Experience



Dr. Aastha Sanadhya
BAMS Skin Specialist
(Maharashtra)
3 Years of Experience



Dr. Devyani Rathore
BAMS CCPT Panchakarma Specialist
(Maharashtra)
3 Years of Experience



Dr. Samiksha Rathore
BAMS CCPT Panchakarma &
Pain Specialist (Kerala)
3 Years of Experience



Dr. Khyati Patel
BAMS Pain Consultant
2 Years of Experience



Dr. Abhimanyu Sahu
B.A.M.S. Pain Consultant (Bengaluru), Agnikarma Specialist (Bengaluru)
Chiropractor (Bengaluru), Pancha karma Specialist (Kerala)
Dorn Specialist (Germany), 10 Years of Experience | Reg. No. 03858A



NABH (नेशनल एक्रिटिडेशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल्स एंड हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स)

द्वारा प्रदत्त यह मान्यता हमारे समर्पण, उत्कृष्ट सेवाओं, मरीजों की सुरक्षा, स्वच्छता,
संक्रमण नियंत्रण, प्रशिक्षित टीम एवं पारदर्शी प्रक्रियाओं का प्रमाण है।



डॉ. अभिमन्यु आयुर्वेद मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल

📍 सेक्टर-7B कमल विहार, रायपुर (छ.ग.)

☎ 95224-66664,
62622-22003

📍 सिटी सेन्टर-कृष्णा टॉकीज के सामने,
समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.)

☎ 98264 46666

📍 भिलाई सेन्टर-नेहरू नगर (पूर्व),
एसबीआई बैंक के पास, भिलाई (छ.ग.)

☎ 95224 66605



हॉस्पिटल
की लोकेशन हेतु स्कैन करें

सरकारी विभाग सोलर से होंगे रेशन, नया रायपुर के लिए सरकार की रेस्को मॉडल को मंजूरी

हरिभूमि न्यूज: रायपुर

प्रदेश में भी सोलर से बिजली का उत्पादन करने का काम अब तेजी से करने की तैयारी चल रही है। क्रेडा कई योजनाओं पर काम कर रहा है। नया रायपुर को सोलर सिटी भी बनाने की तैयारी है। इसके लिए क्रेडा ने 18 विभागों के लिए 2370 किलोवाट की योजना तैयार की है। इस योजना को प्रदेश सरकार से मंजूरी भी मिल गई है। पहले 10 मेगावाट बिजली के उत्पादन का 65 करोड़ का प्रस्ताव प्रदेश सरकार के पास भेजा था, लेकिन इसको नामंजूर करके क्रेडा को हर विभाग के लिए अलग-अलग योजना बनाकर देने के लिए कहा गया है। अब क्रेडा ने हर विभाग के लिए अलग-अलग योजना तैयार कर प्रस्ताव भेजा, तो इसको राज्य सरकार ने रेस्को मॉडल में पूरा करने के लिए कहा है।

देश में लगातार बढ़ती बिजली की मांग को देखते हुए अब केंद्र सरकार ने सोलर बिजली की तरफ रुख किया है। इसके लिए देश के कई राज्यों में भी

क्रेडा ने बनाई अलग-अलग विभागों के लिए योजना, राज्य सरकार से मिली मंजूरी



काम हो रहा है। जहां एक तरफ केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना पर काम चल रहा है, वहीं राज्यों में बड़े-बड़े सरकारी और निजी सोलर प्लांट भी लगाने का काम हो रहा है। आवासीय कॉलोनियों के लिए भी रेस्को मॉडल में काम हो रहा है।

18 विभागों के लिए योजना नया रायपुर में अभी पूरी बसाहत नहीं हुई है, लेकिन यहां पर मंत्रालय, सरकारी और कई निजी संस्थानों के साथ मुख्यमंत्री, मंत्रियों के बंगले भी हैं। क्रेडा ने अब 18 विभागों के लिए अलग-अलग योजना तैयार की है। इसमें सबसे ज्यादा 500 किलोवाट की योजना अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की है। इसी के साथ रिटेल कॉम्प्लेक्स के लिए 400 किलोवाट, सीएसआईडीसी मेला स्थल के लिए 250 किलोवाट, ऑफिस कॉम्प्लेक्स के लिए 200

किलोवाट, आदिवासी संग्रहालय के लिए 200 किलोवाट, कर्मशियल कॉम्प्लेक्स के लिए 100 किलोवाट, स्वास्थ्य सेवा निदेशालय के लिए 90 किलोवाट, राज्य योजना आयोग के लिए 90 किलोवाट, इंस्टिट्यूट होटल मैनेजमेंट के लिए 80 किलोवाट, लोक निर्माण विभाग डिवाजन 3 के लिए 70 किलोवाट, छत्तीसगढ़ चुनाव आयोग के लिए 60 किलोवाट, डेबलपमेंट कमिश्नर ऑफिस के लिए 55 किलोवाट, सचिव स्टेट इनफार्मेशन कमीशन के लिए 50 किलोवाट, सचिव राज्य चुनाव आयोग के लिए 45 किलोवाट सहित अन्य विभागों में 30-30 किलोवाट की योजना तैयार की है।

रेस्को मॉडल में लगाने की अनुमति

नया रायपुर को सोलर सिटी बनाने लिए अलग-अलग विभागों की योजना बनाकर प्रदेश सरकार को प्रस्ताव भेजा गया था, राज्य सरकार ने रेस्को मॉडल में इस योजना की पूरा करने की अनुमति दी है।

- भूपेंद्र सक्नी, अध्यक्ष, क्रेडा

महतारी वंदन से 1.55 लाख नाम कटे

महतारी वंदन योजना में ईकेवाईसी नहीं होने पर भुगतान रोकने पर सदन में हंगामा

हरिभूमि न्यूज: रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा में प्रश्नकाल में महतारी वंदन योजना को लेकर सदन में जमकर हंगामा हुआ। योजना से 1.55 लाख महिलाओं के नाम हटने और लाभार्थियों की संख्या 70.09 लाख से घटकर 68.54 लाख होने के मुद्दे पर कांग्रेस ने सरकार को घेरा। मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने बताया कि नाम, मूल्य, ई-केवाईसी नहीं होने, आयकरदाता बनने और अपात्र होने जैसी वजहों से हटाए गए हैं। जवाब से अस्तित्व कांग्रेस विधायकों ने नारेबाजी की और सदन से वॉकआउट कर दिया।

प्रश्नकाल में कांग्रेस विधायक उमेश पटेल ने कहा, 1 लाख 55 हजार 655 लोगों को महतारी

पोर्टल कब खुलेगा इसकी चिंता कांग्रेस के लोग ना करें, जवाब से अस्तित्व विपक्ष का वॉकआउट

वंदन का लाभ नहीं मिल रहा है। कुल 55 हजार



नाम काटे गए हैं। मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा, जिनको पैसा नहीं मिल रहा है, उसमें कुछ मृत हैं। कुछ का केवायसी नहीं हुआ है, इस कारण पैसा नहीं दिया जा रहा है। विधायक ने पूछा कि 1 लाख

लोगों को जिनको पैसा नहीं मिल रहा है, वे कौन लोग हैं। मंत्री ने कहा, पहली किस्त के बाद, जो अपात्र मिले उनका भुगतान रोक़ा गया। विधायक धरमलाल कौशिक ने पूछा कि जो महिलाएं महतारी वंदन योजना से वंचित हैं, उसके लिए सरकार क्या करेगी। मंत्री लक्ष्मी रजवाड़े ने कहा, महतारी वंदन योजना के लिए जल्द पोर्टल खोला जाएगा और उन महिलाओं को भी लाभ दिया जाएगा जो छूट गई हैं। कांग्रेस विधायक उमेश पटेल ने पूछा कि महतारी वंदन जब से शुरू हुआ है, तब से यह पोर्टल बंद है। सरकार के दाईं साल पूरे हो गए हैं। जो नए लोग हैं, उनका नाम कब जोड़ा जाएगा। मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा, पोर्टल कब खुलेगा, इसकी चिंता कांग्रेस के लोग ना करें। मंत्री के जवाब पर सदन में विपक्ष ने नारेबाजी की। महिलाओं के साथ अन्याय करना बंद करें के नारे लगा रहे विपक्ष के विधायकों ने सदन से वॉकआउट कर दिया।

कांग्रेस का स्मार्ट मीटर बदलो अभियान, हर उपभोक्ता से भरवाया जाएगा फार्म नहीं मिले छात्र, इग्नू ने 31 जुलाई तक बढ़ाई प्रवेश तिथि

हरिभूमि न्यूज: रायपुर

प्रदेशभर में स्मार्ट मीटर को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। सोशल मीडिया में स्मार्ट मीटर के कारण ज्यादा बिल आने की बात लगातार सामने आ रही है। इसी के साथ थोक को उपभोक्ता बिजली दफ्तरों में भी शिकायतें लेकर पहुंच रहे हैं। इस मामले को लेकर कांग्रेस ने भी लंबे समय से मोर्चा खोल रखा है। अब तो कांग्रेस ने प्रदेश के सभी उपभोक्ताओं से स्मार्ट मीटर को लेकर फार्म भरवाने की योजना तैयार की है। जिन भी उपभोक्ताओं के घर या संस्थानों में स्मार्ट मीटर लगे हैं, उनसे इसको बदलने के लिए पॉवर कंपनी के नाम से कांग्रेस द्वारा आवेदन भरवाया जाएगा। इसके बाद सभी आवेदन पॉवर कंपनी को देकर स्मार्ट मीटर हटाने की मांग की जाएगी।

केंद्र सरकार की योजना के तहत प्रदेश भर में वर्ग के उपभोक्ताओं के पुराने मीटरों को बदलकर स्मार्ट मीटर लगाने का काम किया जा रहा है। अब तक प्रदेश में 40 लाख से ज्यादा

माह के अंत से प्रदेशभर में घर-घर चलो अभियान चलेगा

उपभोक्ताओं के मीटरों को बदलकर स्मार्ट मीटर लग दिए गए हैं। स्मार्ट मीटर लगने के बाद इस बार गर्मी में सभी तरफ ज्यादा बिल आने को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। थोक में उपभोक्ता शिकायत कर रहे हैं कि उनका बिल स्मार्ट मीटर लगने के बाद से ही डबल से भी ज्यादा आ रहा है। इस मामले को लेकर कांग्रेस लगातार आंदोलन कर रही है।

कांग्रेस ने अब स्मार्ट मीटर को लेकर एक फार्म तैयार किया है। पूरे प्रदेश में यह फार्म लेकर कांग्रेस के नेता घरों के साथ संस्थानों में भी जाएंगे और उपभोक्ताओं से फार्म भरवाया जाएगा। इस फार्म में उपभोक्ता की पूरी जानकारी रहेगी और इसमें उपभोक्ता अपना स्मार्ट मीटर बदलकर पुराना मीटर लगाने की मांग करेंगे। इस फार्म को भरवाने के बाद उपभोक्ता खुद से ही अपने क्षेत्र के बिजली दफ्तर में

जमा करेंगे या फिर कांग्रेस के नेताओं को देंगे। कांग्रेस के नेता प्रदेश भर से फार्म लेकर पॉवर कंपनी के अधिकारियों को देकर स्मार्ट मीटर हटाने की मांग करेंगे। इस फार्म में उपभोक्ता स्मार्ट मीटर लगने से पहले के बिल और स्मार्ट मीटर लगने के बाद के बिल भी पूरी जानकारी भर कर देंगे, ताकि साफ हो सके कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद किस तरह से ज्यादा बिल आ रहा है।

हर वार्ड के लिए भी अलग-अलग फार्म

रायपुर शहर कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीकुमार मेमन ने बताया स्मार्ट मीटर हटाओ अभियान के लिए राजधानी रायपुर के सभी 70 वार्डों के लिए अलग-अलग फार्म तैयार किए जा रहे हैं। हर वार्ड के हिसाब से इसमें कांग्रेस के पार्षदों के साथ वहां के कांग्रेस नेताओं के नंबर भी रहेंगे ताकि उपभोक्ता को किसी भी तरह की परेशानी हो तो वे हमारे नेताओं से संपर्क करके जानकारी ले सकेंगे। उन्होंने बताया जल्द ही इस अभियान का प्रारंभ पार्टी से निर्देश मिलते ही किया जाएगा।

निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज: रायपुर

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंह देव ने शुक्रवार को समीक्षा बैठक ली। इस बैठक में गृह निर्माण मंडल के अधिकारियों सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए 50 से अधिक ठेकेदार भी शामिल हुए। इस दौरान अध्यक्ष ने कार्यों की गुणवत्ता, समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने ठेकेदारों को निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि ठेकेदार समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करेंगे, तो उनके देयकों का समय-सीमा में भुगतान भी होगा।

अनुराग सिंह देव ने बताया कि विगत डेढ़ वर्षों में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल द्वारा लगातार मंडल के कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए लगातार समीक्षा की जा रही है। इसी कड़ी में मंडल के कार्यरत सभी ठेकेदारों के साथ

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंह देव ने अधिकारी-ठेकेदारों के साथ की बैठक

बैठक कर चर्चा की। उन्होंने बताया कि बैठक का मुख्य उद्देश्य मंडल के कार्य क्षेत्र के विस्तार, घर निर्माण के साथ नगर विकास योजनाएं, री-डेवलपमेंट योजना, सड़क, पुल-पुलिया का निर्माण जैसी बड़ी योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी दी गई, साथ ही इन योजनाओं के सुचारू संपादन के लिए सुझाव भी लिए गए। उन्होंने कहा कि मंडल के अधिकारियों एवं ठेकेदारों को यह विशेष रूप से ध्यान रखना होगा कि हितग्राहियों के घर निर्माण में उसकी गुणवत्ता निर्धारित मापदण्ड के अनुसार उसी स्तर का होना चाहिए जिस स्तर पर आप अपने स्वयं के घर के निर्माण के समय ध्यान रखते हैं।

अध्यक्ष ने बताया कि आवास एवं पर्यावरण मंत्री

ओपी चौधरी ने छत्तीसगढ़ गृह निर्माण के कार्यों को विस्तारित करते हुए गृह निर्माण के साथ अधोसंरचना विकास की योजनाओं के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी भी मंडल को दी है। इसके लिए निर्माण एजेंसी एवं ठेकेदारों की प्रतिभागिता और अधिक बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने, ठेकेदारों से अपील किया कि मंडल ने इन हाउस योजनाएं, पीपीपी आधार पर री-डेवलपमेंट योजनाएं एवं बीओटी के माध्यम भी योजनाएं संचालित की जा रही है। मंडल अपनी सुदृढ़ वित्तीय स्थिति एवं तकनीकी दक्षता के साथ इन योजनाओं के क्रियान्वयन की महति भूमिका का निर्वहन कर रहा है। उन्होंने कहा की ठेकेदार मंडल की निर्माण एजेंसी होने के कारण उसका हिस्सा है। अतः सभी ठेकेदार इन

आवेदन स्वीकार किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय ने ऐसे सभी पात्र अभ्यर्थियों से 31 जुलाई तक आवेदन प्रक्रिया पूरी करने की अपील की है, जिन्होंने अभी तक जुलाई 2026 तक के लिए पंजीकरण नहीं कराया है।

स्नातक पाठ्यक्रमों के अलावा विश्वविद्यालय कई ऑनर्स और विशेषीकृत स्नातक पाठ्यक्रम भी संचालित करता है। इग्नू की लचीली शिक्षा प्रणाली छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ नौकरी या अन्य जिम्मेदारियों को निभाने की सुविधा देती है। इन पाठ्यक्रमों को इस तरह तैयार किया गया है कि विद्यार्थी अपनी नौकरी या अन्य कार्यों के साथ पढ़ाई भी जारी रख सकें। डिग्री कार्यक्रमों के अलावा इग्नू कई डिप्लोमा, एडवांस्ड डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स भी संचालित करता है।

राशिफल

	मन प्रसन्न रहेगा। परिवार में सुख-शान्ति रहेगी। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। भवन के रख-रखाव एवं साज-सज्जा के कार्यों पर खर्च बढ़ेगा।
मेघ	
	आत्मविश्वास में कमी रहेगी। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय हो सकती
वृष	
	मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु फिर भी आत्मसंयत रहें। रहन-सहन भी अव्यवस्थित रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ का ध्यान रखें।
मिथुन	
	पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ बढ़ेगी। कारोबार के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। भाइयों का सहयोग रहेगा। यात्रा के योग बन रहे हैं।
कर्क	
	व्यर्थ के क्रोध से बचे। बातचीत में सन्तुलित रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। व्यवधान आ सकते हैं। आय में कमी आ सकती है।
सिंह	
	अपनी भावनाओं को दश में रखें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा।
कन्या	
	पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी।
तुला	
	व्यर्थ के क्रोध से बचे। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं।
वृश्चिक	
	मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। संयत रहें। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद-परिणाम मिलेंगे। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।
धनु	
	आत्मसंयत रहें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी और आय के साधन भी बनेंगे। खर्च भी बढ़ेगा। रुचि बढ़ेगी।
मकर	
	मन शान्त तो रहेगा। फिर भी वैयशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है।
कुंभ	
	मन अशान्त तो हो सकता है। वाणी में मधुरता भी रहेगी। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती
मीन	

बार्एँ से दाएँ

- निर्यंत्रण,घोड़े की रास-3
- पानी से सरबोर-5
- अंधकार-3
- आक्रमण-3
- दम, सुट्टा-2
- समय, वक्त-2
- कहानी लेखक-5
- अपराधी, गुंडा-4
- आलोकित होना-4
- उद्देश्य, मंजिल-2
- छाती, सिलना-2
- जागरण-4
- सफल, उत्तीर्ण-4
- पत्नी का नाना-2,3
- मार्ग, यस्ता-2
- जग, थोड़ा-2
- वैमनस्य-3
- पाजेब-3
- जरुस्तमंद-3,2
- गदर, क्रांति-3

ऊपर से नीचे

- उत्साह-3
- वोट, राय-2
- हथियार, गोला-बारूद-4
- सनसनी, रेगमॉक-4
- एक विदेशी शराब-2
- आफत, मुसीबत-2
- उपपत्नी-3
- बलिदानी-3
- कार्य करने वाला-3
- सिगरेट का सुट्टा
- मासना-2,3
- पानी, जल-2
- निर्माण करने वाला-5
- प्रकार-3
- उम्मीद, आशा-2
- भिखारी-3
- ख्यात,प्रसिद्ध-4
- मंदिरापान-4
- मदद,आराम-3
- इससे कच्ची

शराब बनती है-3

- उस समय-2
- नागालैंड की एक जाति-2
- अधर, होट-2

शब्द पहेली- 6289 का हल

का	व	क	ना	वा	स	का	झ	वा	र
म	र	ह	म	म	द	व	म		म
र	त		ची	हो		व	गो		
का	स	का	का	ता	ई	वा	गो		
ना	ता	या	क	त्वा	म	ता	उ	न	
घ	न	घा	क	या	का	व	वी	र	
व	र	वा	ना	ना	उ	र	र	हि	
न			म	वा		ता	न		
उ	आ	स	घ	ता	ह	र	व		
व	ल	वा	र	व	क	व	न		

सूझो कु नववाला - 6300

			4				3		
		6		2		4			
		8			5				
	3						7		
7				4				9	
	9						5		
			2			1			
	1		7		6				
5					3				

7	8	5	4	2	9	6	3	1
3	6	4	1	5	7	8	9	2
9	2	1	6	3	8	7	4	5
6	5	3	2	8	4	9	1	7
1	7	2	3	9	6	4	5	8
4	9	8	7	1	5	2	6	3
2	4	7	5	6	1	3	8	9
5	3	9	8	4	2	1	7	6
8	1	6	9	7	3	5	2	4

बिलासपुर डूबा!

36 घंटे में 48 सेमी बारिश



छत्तीसगढ़, मध्याप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी



मौसम विभाग का अलर्ट

बिलासपुर में जारी रहेगा

मारी बारिश का दौर

रायपुर। बुधवार देर रात से प्रारंभ हुई भारी बारिश बिलासपुर शहर के लिए आफत बनकर सामने आई। न्यायाधानी को फिलहाल राहत मिलने की अधिक उम्मीद नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में हल्की से भारी बारिश का दौर अगले 24 घंटों तक जारी रहेगा। इस दौरान भारी बारिश का क्षेत्र बिलासपुर संगम सहित छत्तीसगढ़ का उत्तरी हिस्सा रहेगा। राजधानी सहित मध्य भाग में अपेक्षाकृत कम तथा दक्षिण भाग में सबसे कम बारिश होगी। भारी बारिश के अलावा कुछ स्थानों के लिए वज्रपात की भी चेतावनी जारी की गई है। गंगोटिक पश्चिम बंगाल और उससे लगे झारखंड तथा उत्तर ओडिशा के ऊपर बने एक निम्न दाब का क्षेत्र के प्रभाव से यह स्थिति निर्मित हुई है। भारी बारिश के बाद भी प्रदेश में सब डिविजनल वर्षा सामान्य से 27% कम है। पूर्व में यह कमी 30% से अधिक थी। जुलाई के दूसरे पखवाड़े में हुई बारिश के बाद इसकी कुछ भरपाई हो सकी है।

स्कूलों की छुट्टी, रेलवे ट्रैक डूबे, कई ट्रेनें रद्द

हरिभूमि न्यूज ►► बिलासपुर

पिछले डेढ़ दिनों से हुई बारिश ने बिलासपुर में बाढ़ के हालात ला दिए। 10 से अधिक मोहल्लों में नाव चलाकर लोगों के निकालने की नौबत आ गई। बारिश ऐसी हुई कि शहर और जिले का हर हिस्सा जलमग्न हो गया। 4 हजार से अधिक लोगों को सामुदायिक भवन, स्कूल और राहत कैंपों में रखा गया है। कई जगह से ट्रांसफार्मर डूबने से ब्लैकआउट की स्थिति रही तो जिला प्रशासन ने स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी। रेलवे ट्रैक डूबने से 5 मेमू ट्रेनें रद्द और 3 ट्रेन का रूट बदला गया ►►शेष पेज 6 पर



अरपा चेक डैम की नहर टूटी कई गांवों में घुसा पानी

मूसलाधार बारिश ने बिलासपुर में हालात बिगाड़ दिए हैं। 1993-94 के बाद सबसे भीषण बारिश का असर देखने को मिल रहा है। रात 11 बजे से जारी तेज बारिश के बीच अरपा चेक डैम की नहर मानिकपुर के पास टूट गई, जिससे पानी तेजी से देवरीखुर्द, मानिकपुर समेत आसपास के इलाकों में घुस गया। कई घर जलमग्न हो गए हैं और बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। नहर टूटने से लोगों में दहशत का माहौल है। प्रशासन प्रभावित क्षेत्रों पर लगातार नजर बनाए हुए है और राहत एवं बचाव कार्य में जुटा हुआ है।

साय सरकार के खिलाफ विपक्ष ने पेश किया अविश्वास प्रस्ताव, मैराथन चर्चा

अविश्वास पर बोले महंत- ये सरकार की नाकामी के दस्तावेज, डिप्टी सीएम ने कहा-विपक्ष पलायनवादी

घोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव

18 कैरेट रेट (75.00%)	= ₹107252/-
22 कैरेट रेट (91.60%)	= ₹130990/-
24 कैरेट रेट (99.99%)	= ₹142988/-

सोने का भाव प्रति 10 ग्राम | GST Extra

ANAND Jewels
Pandri, Raipur

खबर संक्षेप

राष्ट्रपति मुर्मू 19 से कई देशों का करेगी दौरा

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मोल्दोवा, उत्तरी मकदूनिया और रोमानिया के साथ द्विपक्षीय संबंधों को प्रगाढ़ करने के लिए 19 से 25 जुलाई तक इन तीन देशों की राजकीय यात्रा करेंगी। राष्ट्रपति मुर्मू मोल्दोवा की राष्ट्रपति माया संदू के निमंत्रण पर 20 जुलाई को इस पूर्वी यूरोपीय देश का दौरा करेंगी। पूर्व किसी भारतीय राष्ट्रपति का मोल्दोवा का पहला दौरा होगा।

अमेरिका ने कड़े किए वीजा नियम

वाशिंगटन। अमेरिका ने विदेशी छात्रों, विनिमय कार्यक्रम के तहत आने वाले लोगों और पत्रकारों के लिए वीजा नियमों को सख्त कर दिया है। इस कदम से बड़ी संख्या में भारतीयों पर असर पड़ने की संभावना है। इस नियम के तहत, 'एफ' श्रेणी के वीजा धारकों के लिए स्नातक के बाद देश छोड़ने, स्कूल बदलने या अपनी वीजा स्थिति में बदलाव करने के लिए मिलने वाली समय-सीमा को 60 दिनों से घटाकर 30 दिन कर दिया गया है।

एंडी बर्नहैम होंगे ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री

लंदन। एंडी बर्नहैम के ब्रिटेन की सत्तारूढ़ लेबर पार्टी के नवनिर्वाचित नेता बनने की पुष्टि हो गई, जिससे वह अगले सप्ताह 10 डाउनिंग स्ट्रीट का कार्यभार संभालने के लिए मनोनीत प्रधानमंत्री बन गए हैं। लेबर पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की अध्यक्ष शबाना महमूद ने लंदन में पार्टी के एक विशेष सम्मेलन में यह घोषणा की। उन्होंने कहा, 'सिर्फ एक ही नामित संसद था इसलिए इस मुकामले में कोई खास रोमांच या सरप्राइज नहीं था।'

जाली नोट के अंतरराज्यीय गिराव का भंडाफोड़

नयी दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने महाराष्ट्र और राष्ट्रीय राजधानी के बीच सक्रिय जाली नोट के अंतरराज्यीय गिराव का भंडाफोड़ करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है जिनमें इसका सरगना भी शामिल है। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने 299 जाली नोट बरामद किए हैं और नवी मुंबई में एक प्रिंटिंग यूनिट का पता लगाया है।

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

साय सरकार को अब तक 136 हफ्ते हो गए हैं। ये अविश्वास प्रस्ताव किसान, महिलाओं, युवाओं के खिलाफ रचे गए हर हफ्ते के षड्यंत्र का दस्तावेज है। हर हफ्ते का एक पाप, हर हफ्ते का एक धोखा, हर हफ्ते की नाकामी का पूरा दस्तावेज पेश कर रहे हैं। चर्चा के दौरान उप मुख्यमंत्री एवं गृह, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा ने विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यह प्रदेश का पहला ऐसा विपक्ष है जो महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने के बजाय सदन से पलायन करता है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में बहस से भागना विपक्ष की कमजोरी की दशांत है।

परबुधिया पर गरमाई
राजनीति: नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत ने कहा कि 1963 में जब आचार्य जेपी कृपलानी ने नेहरू सरकार के विरुद्ध लोकसभा में पेश किया था, तब खुद नेहरू जी ने उसका स्वागत ►►शेष पेज 6 पर

अहंकार में डूबी सरकार

कोरिया जिले में 29 वर्षीय महिला का बलात्कार कर उसे जिंदा जला दिया गया। थाने पहुंचे एक फरियादी को पीट-पीट कर मार डाला गया। राखी के दिन मुख्यमंत्री के क्षेत्र में एक बहन का रेप कर मार दिया। इसे जंगलराज ना कहें, तो क्या कहें। मुख्यमंत्री, मंत्रिमंडल, प्रशासनिक अधिकारी एक भी आलोचना को बर्बाद नहीं कर सकते। अहंकार में डूबी सरकार है। पंचायत, मन्त्रेणा में चल रहे पिछले सरकार के कार्यकाल के काम तक को रोक दिया गया। जनहित के नाम पर सरकार सिर्फ अपनी जेब भर रही है।



किसानों को खून के आंसू रोना पड़ा

राज्य में भू माफिया बढ़ गए हैं। ये पुश्तानी जमीन छीन रहे हैं। आदिवासियों का क्या होगा? अबहुमामा में क्या हो रहा है? वहाँ के जंगलों की कटाई शुरू हो गई है? कौन सा अंतराज्यीय गिराव वहाँ काम कर रहा है? हमारी इज्जत धान का कटोरे से है लेकिन धान के उत्पादन में किसानों को खून के आंसू रोना पड़ा है। बुजुर्ग कहते हैं कि अंग्रेजों के जमाने में तो नहीं हुआ वो सरकार ने किया है। घरों में जाकर जांच हो रही है। धान खरीदी में गड़बड़ी हो रही है। जशपुर जिले के पचास हजार पंजीकृत किसानों में से आठ हजार किसान अपना धान नहीं बेच पाये।

पीएम मोदी ने जीद से दिखाई हरी झंडी

ऐतिहासिक पल, भारत में पहली हाइड्रोजन ट्रेन शुरू



हाइड्रोजन ट्रेन शुरू करने वाला दुनिया का पांचवां देश बना हिंदुस्तान

हरिभूमि न्यूज ►► नई दिल्ली

भारत में पहली हाइड्रोजन ट्रेन की शुरुआत हो गई है। शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को जीद से हरी झंडी दिखाई। इसके साथ ही भारत हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन शुरू करने वाला दुनिया का पांचवां देश बन गया। इससे पहले जर्मनी, फ्रांस, स्वीडन और चीन में हाइड्रोजन ट्रेनें चल रही हैं। इस अवसर पर पीएम मोदी ने कहा- यह ट्रेन दुनिया की सबसे ताकतवर हाइड्रोजन ट्रेन है। इस ►►शेष पेज 6 पर

‘मेक इन इंडिया’ का सफल उदाहरण

ट्रेन को इंडी दिखाते के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने हाइड्रोजन चालित ट्रेन को 'मेक इन इंडिया' अभियान का एक सफल उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि आज भारतीय रेलवे ने एक बड़ा कदम उठाया है और जीद से सोनीपत के बीच चलने वाली यह हाइड्रोजन ट्रेन दुनिया की सबसे शक्तिशाली हाइड्रोजन चालित ट्रेन है। यह कदम रेलवे क्षेत्र में स्वच्छ और टिकाऊ परिवहन व्यवस्था को अपनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

संकट में भी नहीं रुकी विकास की रफ्तार

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को होमलु जलडमरूमध्य के रास्ते बड़ी मात्रा में पेट्रोल, डीजल, एलपीजी गैस और उर्वरकों की आपूर्ति होती है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन-चार महीनों से यह मार्ग लगातार संघर्ष का क्षेत्र बना हुआ है। मोदी ने कहा कि युद्ध और तेल संकट के बावजूद भारतीय रेल और देश के विकास की रफ्तार नहीं रुकी है।

एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट की दो टूक

‘वोटर लिस्ट में नाम नहीं होने से खत्म नहीं होती नागरिकता’

हरिभूमि न्यूज ►► नई दिल्ली

वोटर लिस्ट के स्पेशल रिवीजन के दौरान वोटर लिस्ट से नाम हटाए जाने के बाद लोगों ने नागरिकता को लेकर भ्रम की स्थिति बन गई है। इसे लेकर अब सुप्रीम कोर्ट ने दो टूक कहा है कि वोटर लिस्ट में नाम नहीं होने से नागरिकता अपने आप खत्म नहीं हो जाती। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा है कि इसके लिए अलग प्रक्रिया है। सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी शुक्रवार को पश्चिम बंगाल में एसआईआर से जुड़ी याचिका पर ►►शेष पेज 6 पर

याचिका में की गई यह मांग

याचिका में पश्चिम बंगाल एसआईआर के विधानसभा क्षेत्र के आधार पर जनकारी मांगने की अपील की गई है। सुप्रीम कोर्ट इस याचिका पर अगली सुनवाई अब 25 अगस्त को करेगा। सुप्रीम कोर्ट पहले भी यह साफ कर चुका है कि नागरिकता तय करना चुनाव आयोग का काम नहीं है। वोटर लिस्ट और एसआईआर का नागरिकता से कोई सीधा नाता नहीं है।

शोफाली के घर से 30 लाख रुपए मिले थे, उसके बाद ईडी ने कसा शिकंजा

शोफाली से दूसरे दिन भी पूछताछ की चर्चा

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

महादेव सट्टा एप का प्रमोशन करने वाली जि स टी वी एंकर, होस्ट तथा टेलीग्राम में चैनल चलाने वाली शोफाली बग्गा के साथ ईडी ने पूछताछ की है, उनके दिल्ली स्थित आवास पर ईडी ने 30 मई को छापा मारा था। पड़ताल के दौरान उनके निवास से ►►शेष पेज 6 पर



जांच में सहयोग करने कहा गया

शोफाली को पूछताछ करने जब जरूरत पड़ेगी, आने के लिए कहा गया है। साथ ही बगैर सूचना देते से बाहर नहीं जाने की हिदायत दी गई है। पूछताछ के बाद शोफाली ईडी कार्यालय से गुरुवार देर रात लौटी, तब वह मीडिया के सवालों का जवाब देने से बचती नजर आई।

सट्टेबाजों ने सेलिब्रिटी को एप का चेहरा बनाया

ऑनलाइन महादेव सट्टा एप सहित अन्य सट्टा एप संचालित करने वाले प्रमोटरों ने सट्टा संचालित करने सेलिब्रिटी तथा चर्चित फैंस को अपना चेहरा बनाया। उन लोगों ने सेलिब्रिटी को आगे कर अपने सट्टे का प्रमोशन (कमरने का काम किया। इस कारण देश में महादेव सहित अन्य ऑन लाइन बेटिंग एप का तेजी से प्रचार हुआ। इसी क्रम में जिन चर्चित सेलिब्रिटी ने ऑनलाइन महादेव सट्टा एप का प्रचार किया।

वैदिक मंत्रोच्चार, हवन, रुद्राभिषेक और रामार्चन किया जा रहा, 10 दिन चलेगा अनुष्ठान

राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी को लेकर प्रायश्चित पूजन शुरू

हरिभूमि न्यूज ►► अयोध्या

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी की घटना के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने प्रायश्चित पूजन शुरू कर दिया है। ट्रस्ट के पदाधिकारियों मानते हैं कि मंदिर में दान की चोरी व्यवस्था में हुई चूक के कारण हुई है। इस अपराध के लिए ट्रस्ट ने विधि विधान से शुद्धिकरण के बाद क्षमा याचना के लिए विशेष अनुष्ठान का आयोजन शुरू कर दिया है। मंदिर परिसर के अंदर और बाहर कुल 70 वैदिक आचार्य इस पूजन में शामिल हैं।

मंदिर की पवित्रता बनाने पूजन

राम मंदिर में के गमंगुह और परकोटा सहित मंदिर मंदिर परिसर के कई स्थानों पर यह 10 दिवसीय प्रायश्चित पूजन एक साथ चल रहा है। इसमें शामिल आचार्य वैदिक मंत्रोच्चार, हवन, रुद्राभिषेक और रामार्चन कर रहे हैं। मान्यता है कि किसी भी प्रकार की अपवित्रता या चोरी जैसी घटनाएं होने पर मंदिर की पवित्रता बनाए रखने के लिए प्रायश्चित पूजन किया जाता है।



राम मंदिर परिसर में 10 दिवसीय अनुष्ठान

अयोध्या के राम जन्मभूमि मंदिर में कथित चढ़ावे की चोरी से श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की भारी बढनमी हुई है। इससे देश-विदेश के श्रद्धालुओं को ठेस पहुंची है। ट्रस्ट के पदाधिकारी भी इस घटना से आहत हैं। उन्होंने वैदिक परंपरा का पालन करते हुए इस घटना के लिए प्रायश्चित शुरू किया है।

शंकराचार्य ने उठाए पूजन पर सवाल

शंकराचार्य स्वामी अद्वैतेश्वरानंद सरस्वती ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे की चोरी की घटना के बाद शुरू किए गए प्रायश्चित पूजन पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि प्रायश्चित क्या होता है, पहले इस पर स्पष्टता होनी चाहिए। प्रायश्चित उस व्यक्ति का होता है, जिसे अपने पाप का बोध हो जाय और वह स्वीकार करे कि 'मैंने यह पाप किया है, मुझे इसके दंड से बचाइए।' सबसे पहले यह पता चलना चाहिए कि किस व्यक्ति को अपने पाप का बोध हुआ है और वह पाप क्या है।

चिंतन

हाइड्रोजन ट्रेन भारत की नई उम्मीदों का प्रतीक

भारत को मिली पहली हाइड्रोजन ट्रेन असल में ट्रांसपोर्ट से अधिक आधुनिक तकनीक का उत्कृष्ट नमूना है। दुनिया में अब तक जो भी हाइड्रोजन ट्रेनें चल रही थीं, वे कम दूरी की छोटी ट्रेनें थीं, लेकिन हरियाणा के जींद से सोनीपत के बीच 89 किलोमीटर के सफर में 2600 यात्री क्षमता वाली यह ट्रेन दुनिया की सबसे ताकतवर हाइड्रोजन ट्रेनों में गिनी जाएगी। बता दें कि इससे पहले जापान, चीन, जर्मनी और अमेरिका में हाइड्रोजन ट्रेनें चल रही थीं। ऐसी उपलब्धि हासिल करने वाला भारत दुनिया का पांचवां देश बन गया है। यह भारत की तकनीकी क्षमता, ऊर्जा नीति और हरित विकास के प्रति बढ़ती प्रतिबद्धता का भी प्रतीक है। जिस समय पूरी दुनिया जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करने और स्वच्छ ऊर्जा के नए विकल्प तलाशने में जुटी है, उस समय भारत का इस दिशा में इतना बड़ा कदम भविष्य की ऊर्जा व्यवस्था का संकेत देता है।

यह उपलब्धि बताती है कि भारत अब केवल नई तकनीकों का उपभोक्ता नहीं, बल्कि उन्हें विकसित और अपनाने वाले अग्रणी देशों की श्रेणी में भी तेजी से स्थान बना रहा है। भारतीय रेलवे पहले ही दुनिया के सबसे बड़े विद्युतीकृत रेल नेटवर्क में शामिल हो चुका है। देश के ब्रॉड गेज नेटवर्क का लगभग 99.6 प्रतिशत विद्युतीकरण पूरा हो चुका है और 25 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में शत-प्रतिशत विद्युतीकरण हासिल किया जा चुका है। जहां कुछ कार्य शेष है, उसे भी जल्द पूरा करने की तैयारी है। ऐसे में स्वच्छ ऊर्जा आधारित ट्रेनों की दिशा में बढ़ावा गया यह कदम रेलवे के आधुनिकीकरण की आगली कड़ी माना जा सकता है। हरित हाइड्रोजन तैयार करने के लिए पहले बिजली की आवश्यकता होती है, फिर उसी हाइड्रोजन से ऊर्जा बनाकर ट्रेन संचालित की जाती है। इसलिए इसकी लागत पारंपरिक ईंधन या सीधे विद्युत संचालन की तुलना में अधिक दिखाई देती है। दूसरी ओर, हाइड्रोजन का उपयोग उर्वरक उद्योग, इस्पात उत्पादन तथा अनेक औद्योगिक क्षेत्रों में भी होता है। अब तक बड़े पैमाने पर प्रयुक्त हाइड्रोजन का अधिकांश उत्पादन पारंपरिक तरीकों से होता रहा है, जिससे कार्बन उत्सर्जन और प्रदूषण बढ़ता है। इसलिए हरित हाइड्रोजन की दिशा में बढ़ना केवल परिवहन सुधार नहीं, बल्कि संपूर्ण औद्योगिक परिवर्तन का आधार बन सकता है। हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी चुनौतियों में सुरक्षित भंडारण और आपूर्ति व्यवस्था को माना जाता है। भारत ने हाइड्रोजन ट्रेन के सफल विकास के साथ यह संकेत भी दिया है कि वह इस चुनौती का समाधान विकसित करने की क्षमता रखता है। किसी भी नई ऊर्जा प्रणाली की सफलता केवल उत्पादन पर नहीं, बल्कि उसके सुरक्षित भंडारण, परिवहन और उपयोग की विश्वसनीय व्यवस्था पर निर्भर करती है। सरकार का अणुना लक्ष्य सौर ऊर्जा जैसे अवैकल्पणीय स्रोतों से हरित हाइड्रोजन का उत्पादन बढ़ाना है। यदि ऐसा होता है तो न केवल प्रदूषण में कमी आएगी, बल्कि देश की ऊर्जा सुरक्षा भी मजबूत होगी। वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संकट, तेल-गैस की कीमतों में उतार-चढ़ाव और भू-राजनीतिक तनावों के दौर में भारत जैसे विशाल देश के लिए ऊर्जा की स्वदेशी और स्वच्छ स्रोतों विकसित करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। कुल मिलाकर, हाइड्रोजन ट्रेन का संचालन केवल रेलवे की उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत के वैज्ञानिक आत्मविश्वास, हरित विकास और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक निर्णायक कदम है। यह भारत की ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में मील का पथर साबित होगा। असल में यह हाइड्रोजन ट्रेन देश की नई उम्मीदों का प्रतीक है।

आर्थिकी

सोनम लववंशी



विदेशी बाजारों में खारिज होते भारतीय उत्पाद

कि सी भी देश की आर्थिक ताकत उसके उत्पादन से नहीं, बल्कि इस बात से तय होती है कि दुनिया उसके उत्पादों पर कितना भरोसा करती है। निर्यात केवल विदेशी मुद्रा अर्जित करने का माध्यम नहीं होता, वह किसी राष्ट्र की गुणवत्ता, विश्वसनीयता और वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रमाण भी होता है। इसलिए जब विदेशी बाजार किसी देश के उत्पादों को गुणवत्ता संबंधी खामियों के कारण लौटाते लगे या उन पर प्रतिबंध लगाने लगे, तो यह व्यापारिक नुकसान ही नहीं , देश की साख पर लगा गंभीर धब्बा भी होता है। दुर्भाग्य से आज भारत इसी चुनौती से जूझ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय मसाले, आम, मिर्च और चावल जैसे उत्पाद लगातार अंतरराष्ट्रीय जांच और प्रतिबंधों का सामना कर रहे हैं। हाल ही में चीन ने भारत से भेजी गई मिर्च की खेप को यह कहते हुए रोक दिया कि उसमें खतरनाक कीटनाशक मेथामिडोफॉस की मात्रा तय सीमा से अधिक थी। इससे पहले चीन गैर-बासमती चावल की लगभग 70 खेप भी लौटा चुका है। दूसरी ओर, जापान ने भारतीय आमों के अयात पर रोक लगा दी, क्योंकि निरीक्षण के दौरान फ्यूमिगेशन प्रणाली में गंभीर कमियां मिलीं। इतना ही नहीं, हांगकांग ने लोकप्रिय भारतीय मसालों में एंथिलोन ऑक्सैड के मौजूदगी पर सवाल उठाए, जिसके बाद सिंगापूर सहित कई देशों ने भारतीय मसालों पर प्रतिबंध, रिकॉल अथवा जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी। ये घटनाएं एक खतरनाक प्रवृत्ति का संकेत हैं। सबसे बड़ी चिंता यह है कि भारत की वैश्विक पहचान गुणवत्ता से नहीं, गुणवत्ता पर उठ रहे सवालों से बनने लगी है। दुनिया के सबसे बड़े कृषि उत्पादक देशों में शामिल होने के बावजूद वैश्विक कृषि व्यापार में भारत की हिस्सेदारी आज भी तीन प्रतिशत से कम है। वर्ष 2024-25 में कृषि निर्यात लगभग 51 अरब डॉलर तक जरूर पहुंचा, फिर भी हमारी क्षमता और संसाधनों की तुलना में यह बेहद सीमित है। ऐसे समय में, जब भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का प्रमुख केंद्र बनने का दावा कर रहा है, गुणवत्ता संबंधी ऐसी घटनाएं हमारे प्रयासों को ही कमजोर कर रही हैं। जापान का फैंसला विशेष रूप से इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वह दुनिया के सबसे सख्त और भरोसेमंद आयातक देशों में गिना जाता है। वर्ष 1986 में भी फ्रूट-फ्लाई की आशंका के कारण उसने भारतीय आमों पर प्रतिबंध लगाया था। लगभग बीस वर्षों की मेहनत, बेहतर क्वार्टंटीन व्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय मानकों के पालन के बाद 2006 में भारतीय आमों को फिर जापानी बाजार मिला। इस वर्ष निरीक्षण में देबारा खामियां मिलने के बाद वही बाजार भारत के लिए बंद हो गया। यह केवल एक व्यापारिक निर्णय नहीं, हमारी गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली पर अविश्वास का संकेत है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में सबसे मूल्यवान चीज उत्पाद नहीं, भरोसा होता है। एक बार यदि कोई देश भारतीय उत्पादों पर संदेह करने लगे, तो उसका असर दूसरे बाजारों पर भी पड़ता है। जापान द्वारा गुणवत्ता पर सवाल उठाने के बाद यूरोपीय संघ, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देश भी भारतीय कृषि उत्पादों की जांच और कड़ी कर देते हैं। परिणामस्वरूप हमारे प्रतिस्पर्धी देश पाकिस्तान, वियतनाम, थाईलैंड और ताइवान उन बाजारों में तेजी से अपनी जगह बना लेते हैं। महाराष्ट्र के अल्फांसो उत्पादक हों या गुजरात के केसर आम उगाने वाले किसान, ये पहले ही मौसम की मार झेल रहे हैं। ऐसे समय में निर्यात रुकने से प्रीमियम गुणवत्ता वाले उत्पाद घरेलू बाजार में औने-पौने दाम पर बिकते हैं और किसानों की आय पर सीधा प्रहार होता है। यदि विनिर्मित और कृषि उत्पाद भी वैश्विक बाजार में भरोसा खोने लगेंगे, तो तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य और कठिन हो जाएगा। सवाल यह है कि जिन खामियों का पता विदेशी प्रयोगशालाएं लगा रही हैं, वे भारत से उत्पाद भेजने से पहले हमारी जांच प्रणाली को क्यों नहीं दिखाई देती? यदि विदेशी एजेंसियां ही हमारे उत्पादों की गुणवत्ता का प्रमाणपत्र देंगी, तो 'मेड इन इंडिया' की विश्वसनीयता कभी मजबूत नहीं हो सकेगी। खेत से लेकर प्रयोगशाला, प्रसंस्करण केंद्र, पैकेजिंग और निर्यात तक पूरी व्यवस्था को 'जिरो एर' की संस्कृति अपनानी होगी। भारत आज दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का सपना देख रहा है। यह सपना केवल उत्पादन बढ़ाने से पूरा नहीं होगा। वैश्विक बाजार सस्ता मान नहीं, भरोसेमंद माल खरीदता है। अब समय आ गया है कि गुणवत्ता को औपचारिकता नहीं, राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया जाए। दुनिया में सबसे महंगा बिकने वाला उत्पाद मसाला, आम या चावल नहीं, विश्वसनीयता होती है। यदि हम उसे खो देंगे, तो विदेशी बाजार ही नहीं, भारत की आर्थिक महत्वाकांक्षाएं भी धीरे-धीरे हमारे हाथों से फिसलती चली जाएंगी।

(लेखिका शशीश्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)



विक्रम-1 रॉकेट

महेंद्र तिवारी



भारत के अंतरिक्ष अन्वेषण के इतिहास में 18 जुलाई का दिन एक ऐसे स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होने जा रहा है, जो देश की वैज्ञानिक और तकनीकी यात्रा की दिशा को हमेशा के लिए बदल देगा। श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से भारतीय स्पेस टेक स्टार्टअप स्काईरूट एयरोस्पेस का स्वदेशी रूप से विकसित विक्रम-1 रॉकेट अपनी पहली कक्षीय उड़ान भरने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह केवल एक रॉकेट का प्रक्षेपण नहीं है, बल्कि यह उस नए और आत्मनिर्भर भारत का उद्घोष है, जहां निजी क्षेत्र अब अंतरिक्ष की अनंत गहराइयों को नापने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस रॉकेट का नाम भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक डॉ. विक्रम साराभाई के सम्मान में रखा गया है

चरित्र गटन की विशाल त्यायामशाला है संसार



संकलित

दर्शन

संसार न तो अच्छा है, ना बुरा। प्रत्येक मनुष्य अपने लिए अपना-अपना संसार बना लेता है। हमारी मानसिक अवस्था के अनुसार ही हमें यह संसार भला या बुरा प्रतीत होता है। अगिन स्वयं में अच्छी है न बुरी। जब यह हमें गर्म रखती है, तो हम कहते हैं यह कितनी अच्छी है, जब हमारी अंगुली जल जाती है, तो हम इसे दोष देते हैं। यही हाल संसार का है। संसार स्वयं पूर्ण है। पूर्ण का अर्थ यह है कि इसमें अपने सभी प्रयोजन पूर्ण करने की क्षमता है। हमें जान लेना चाहिए कि हमारे बिना भी यह संसार बड़े मजे से चलता जाएगा। हमें उसकी सहायता करने के लिए माथापच्ची करने की आवश्यकता नहीं। परंतु फिर भी हमें सदैव परोपकार करते ही रहना चाहिए। यदि हम सदैव यह ध्यान रखें कि दूसरों की सहायता करना एक सौभाग्य है, तो परोपकार करने की इच्छा एक सर्वोत्तम प्रेरणा शक्ति है। एक दाता के ऊंचे आसन पर खड़े होकर और अपने हाथ में दो पैसे लेकर यह मत कहो, 'ऐ भिखारी, ले, मैं तुझे यह देता हूँ। तुम स्वयं इस बात के लिए कृतज्ञ हो जाओ कि इस संसार में तुम्हें अपनी दयालुता का प्रयोग करने और इस प्रकार पूर्ण होने का अवसर प्राप्त हुआ। धन पाने वाला नहीं, देने वाला होता है। भलाई के सभी कार्य हमें शुद्ध और पूर्ण बनाने में सहायता करते हैं। यह संसार न तो तुम्हारी सहायता का भूखा है और ना मेरी। परंतु फिर भी हमें निरंतर कार्य करते रहना चाहिए, परोपकार करते रहना चाहिए। क्योंकि इससे हमारा ही भला है।



संकलित

प्रेरणा

अंतर्मन



करंट अफेयर

यूरोप में भीषण गर्मी से इस साल 10 हजार लोगों की मौत

यूरोप ने इस साल अग्रत्याशित रूप से भीषण गर्मी का सामना किया और पूरे महाद्वीप से संकलित आंकड़ों के मुताबिक तापमान में बेतहाशा वृद्धि से जुड़ी घटनाओं में सामान्य से कहीं अधिक करीब 10 हजार लोगों की जान गई है। अध्ययनकर्ताओं के अनुसार जून के आखिर में इसमें तेजी से तब वृद्धि हुई जब यूरोप के कुछ हिस्सों में तापमान ने रिकॉर्ड तोड़ दिया। जानकारों का कहना है कि पूरी स्थिति समझने में समय लगता है और गर्मी से होने वाली कई मौतों को आधिकारिक तौर पर उस तरह दर्ज नहीं किया जाता। उदाहरण के लिए, भीषण गर्मी से दिल का दौरा पड़ सकता है, खासतौर पर उन लोगों को जो उम्रदराज हैं और पहले से किसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त हैं। लेकिन उनकी मौत होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र में मौत की वजह दिल का दौरा लिखा जा सकता है। अध्ययनकर्ताओं के मुताबिक गर्मियों की शुरुआत चिंताजनक रही है। पिछले कुछ सालों में यूरोप में कई बार भीषण गर्मी पड़ी जिसकी वजह से हजारों लोगों की मौत हुई है। फिर भी, गर्मी के कारण यूरोप में 2003 का साल सबसे ज्यादा जानलेवा रहा, जिसमें लगभग 70,000 लोगों की मौत हुई थी।



डर्मिस में समा जाते हैं। डर्मिस सतह के नीचे की एक परत है जहां शरीर उन्हें आसानी से नहीं कर सकता है। यह वह परत है जिसमें टेट पिगमेंट रहते हैं। इसी तरह की एक दुर्लभ घटना क्रिसियासिस है, जिसमें सोने का त्वचा में जमाव होता है। अतीत में पहले कभी सूजन संबंधी विकारों के लिए सोने पर आधारित उपचार किए जाते थे। कुछ मामलों में, इन उपचारों के बाद रोगियों में एक विशेष भूरा या भूरा-बैंगनी रंग का विजन विकसित हुआ, जो आंगिरिया की तरह, आसानी से टीक नहीं किया जा सकता था।

आँखों का सफेद भाग भी घुसूर रंग का हो गया था। ये मामले आंगिरिया नामक स्थिति के उदाहरणों को दर्शाते हैं, जिसमें शरीर में चांदी के कण जमा हो जाते हैं। चांदी कभी अपने रोगाणुरोधी गुणों के कारण चिकित्सा उपचारों में मुख्य आधार थी। लेकिन आधुनिक साक्ष्य दर्शाते हैं कि बहुत अधिक मात्रा में इसके सेवन या अवशोषण से व्यक्ति की त्वचा में पड़े परितर्तन हो सकते हैं जो शायद ही कभी फीके पड़ते हैं। आंगिरिया में, चांदी के आयन रक्तप्रवाह के माध्यम से प्रसारित होते हैं और त्वचा की ऊपरी सतह

विचार हरिभूमि

अंतरिक्ष में निजी क्षेत्र की ऊंची उड़ान

भारत के अंतरिक्ष अन्वेषण के इतिहास में 18 जुलाई का दिन एक ऐसे स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होने जा रहा है, जो देश की वैज्ञानिक और तकनीकी यात्रा की दिशा को हमेशा के लिए बदल देगा। श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से भारतीय स्पेस टेक स्टार्टअप स्काईरूट एयरोस्पेस का स्वदेशी रूप से विकसित विक्रम-1 रॉकेट अपनी पहली कक्षीय उड़ान भरने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह केवल एक रॉकेट का प्रक्षेपण नहीं है, बल्कि यह उस नए और आत्मनिर्भर भारत का उद्घोष है, जहां निजी क्षेत्र अब अंतरिक्ष की अनंत गहराइयों को नापने के लिए पूरी तरह से सक्षम हो चुका है।

दशकों तक भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम पूर्ण रूप से सरकारी नियंत्रण और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो के कुशल मार्गदर्शन में पलता और बढ़ता रहा है। इसरो ने सीमित संसाधनों के बावजूद दुनिया की अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है और मंगल ग्रह से लेकर चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव तक तिरंगा फहराया है। अब समय बदल रहा है और वैश्वक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए निजी क्षेत्र की भागीदारी अनिवार्य हो गई है। इसी आवश्यकता को समझते हुए भारत सरकार ने अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने का जो ऐतिहासिक निर्णय लिया था, यह प्रक्षेपण उसी नीतिगत बदलाव का सबसे बड़ा और प्रत्यक्ष परिणाम है। जब हम स्काईरूट एयरोस्पेस और उसके महत्वाकांक्षी रॉकेट विक्रम-1 की बात करते हैं तो हमें इसके पीछे के तकनीकी चमत्कार और वर्षों का अथक मेहनत को समझना होगा। इस रॉकेट का नाम भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक डॉ. विक्रम साराभाई के सम्मान में रखा गया है जो अपने आप में एक बहुत बड़ा प्रतीकात्मक संदेश है। विक्रम-1 कोई साधारण लॉन्च वाहन नहीं है, बल्कि यह अत्याधुनिक तकनीकों का एक अद्भुत संगम है। इस रॉकेट की सबसे बड़ी विशेषता इसके निर्माण में श्रीडी प्रिंटिंग तकनीक का व्यापक उपयोग है। पारंपरिक निर्माण विधियों की तुलना में श्रीडी प्रिंटिंग से रॉकेट के पुर्जे बनाने में लगने वाला समय और लागत दोनों काफी कम हो जाते हैं। इसके अतिरिक्त रॉकेट का बाहरी ढांचा कार्बन फाइबर कंपोजिट से बनाया गया है, जो इसे बेहद हल्का लेकिन इस्पात से भी अधिक मजबूत बनाता है। अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में उप कक्षीय और कक्षीय उड़ानों के बीच एक बहुत बड़ा तकनीकी अंतर होता है, जिसे समझना यहां बेहद प्रासंगिक है। नवंबर 2022 में स्काईरूट एयरोस्पेस ने ही अपना पहला रॉकेट विक्रम एस लॉन्च किया था, जो एक उप कक्षीय उड़ान थी। उप कक्षीय उड़ान का अर्थ



है। इसमें रॉकेट के इंजनों को कई बार चालू और बंद करना पड़ता है और इसकी नैविगेशन प्रणाली को बिल्कुल अचूक होना पड़ता है। अगर स्काईरूट की टीम इस चुनौती को सफलतापूर्वक पार कर लेती है तो यह भारतीय निजी क्षेत्र की तकनीकी क्षमता का विश्व स्तर पर सबसे बड़ा प्रमाण होगा। आर्थिक और रणनीतिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो इस प्रक्षेपण के मायने बहुत गहरे और दूरगामी हैं। आज पूरी दुनिया में संचार मौसम पूर्वानुमान कृषि निगरानी और नैविगेशन के लिए छोटे उपग्रहों की मांग में बेतहाशा वृद्धि हो रही है। पारंपरिक रूप से बड़े रॉकेटों के जरिए इन उपग्रहों को लॉन्च करने में बहुत समय लगता है क्योंकि सरकारी एजेंसियों के पास अपने स्वयं के बड़े मिशन होते हैं और छोटे उपग्रहों को उन बड़े मिशनों के साथ सह यात्री के रूप में भेजा जाता है। इस प्रक्रिया में कई बार निजी कंपनियों और विश्वविद्यालयों को अपने उपग्रह लॉन्च करने के लिए वर्षों तक इंतजार करना पड़ता है। स्काईरूट जैसी कंपनियां इसी समस्या का समाधान लेकर आई हैं। विक्रम-1 जैसे रॉकेट ऑन डिमांड लॉन्च की सुविधा प्रदान करते हैं। इसका मतलब है कि जब भी किसी

ग्राहक को अपना उपग्रह लॉन्च करना हो, यह रॉकेट कुछ ही हफ्तों की तैयारी के साथ उड़ान भरने के लिए तैयार हो सकता है। यह लचीलापन और कम लागत भारतीय अंतरिक्ष उद्योग को वैश्विक कमर्शियल मार्केट में एक बहुत बड़ा प्रतिस्पर्धी लाभ प्रदान करेगा। वर्तमान में वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी बहुत कम है लेकिन विक्रम-1 की सफलता इस हिस्सेदारी को कई गुना बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त करेगी और एलन मस्क की स्पेसएक्स जैसी दिग्गज अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को सीधे चुनौती देने की नींव रखेगी। इस निजीकरण और तकनीकी विकास का एक और महत्वपूर्ण पहलू रोजगार सृजन और आतिषा पलायन को रोकना है। भारत में एयरोस्पेस इंजीनियरिंग डीप टेक और उन्नत विनिर्माण के क्षेत्र में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। लेकिन अतीत में उचित अवसर और निजी क्षेत्र में निवेश न होने के कारण हमारी कई बेहतरीन प्रतिभाएं विदेशों का रुख कर लेती थीं। स्काईरूट एयरोस्पेस जैसी स्वदेशी कंपनियों का उदय इन युवा इंजीनियरों और वैज्ञानिकों को अपने ही देश में विश्व स्तरीय परियोजनाओं पर काम करने का अवसर दे रहा है। इससे देश में एक मजबूत अंतरिक्ष इकोसिस्टम तैयार हो रहा है। रॉकेट निर्माण के लिए आवश्यक कल पुर्जे सॉफ्टवेयर विकास परीक्षण सुविधाएं और ग्राउंड स्टेशन ऑपरेशंस जैसे क्षेत्रों में हजारों नए रोजगार पैदा हो रहे हैं।

यह पूरी प्रक्रिया मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के सपनों को सही मायनों में साकार कर रही है। सरकार द्वारा स्थापित नोडल एजेंसी इन स्पेस का समर्थन और इसरो द्वारा प्रदान की जा रही तकनीकी और बुनियादी ढांचागत सहायता यह दर्शाती है कि भारत में अब सार्वजनिक और निजी क्षेत्र एक दूसरे के प्रतिस्पर्धी नहीं बल्कि एक दूसरे के पूरक बनकर काम कर रहे हैं। विक्रम-1 की उड़ान केवल एक कंपनी की व्यावसायिक सफलता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे देश की उम्मीदों और आकांक्षाओं का प्रतीक है। अठारह जुलाई को जब विक्रम-1 के इंजन आग उगलते हुए आसमान का सीना चीरेंगे तो वह केवल एक मशीन की उड़ान नहीं होगी बल्कि वह एक नए भारत के आत्मविश्वास की उड़ान होगी। यह उड़ान उन तमाम छोटे और मझोले स्टार्टअप के लिए एक प्रेरणा है जो नवाचार के क्षेत्र में कुछ नया करने का सपना देखते हैं। यह प्रक्षेपण आने वाली पीढ़ियों को यह याद दिलाएगा कि आज सपने बड़े होते हैं और हासिले बुलंद होते हैं तो आसमान की कोई सीमा नहीं होती और सितारों भी हमारी पहुंच में होते हैं।

(लेखक स्वर्ण संस्कृत हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

अपने रूप, रंग या गुण पर घमंड ना करें

एक समय की बात है एक बार दांत और जीभ में भयंकर युद्ध छिड़ गया। दांत ने जीभ से कहा: अरे! तुम सिर्फ माँस के लोथड़े हो। तुममें तो कोई भी खुबी नहीं है। न ही तुम्हारा कोई रूप है और न ही कोई रंग। हमारे सभी दांत को देख रहे हो कैसे मोतियों की भाँति चमक रहे हैं। जीभ बेचारी ने कुछ भी नहीं कहा और वह चुप रही। दिन बीतते गये, समय अपनी रस्मत के साथ आगे बढ़ता गया और देखते ही देखते कई माह और वर्ष बीत गये। अब उम्र ढलने के साथ-साथ, धीरे-धीरे करके एक-एक दांत गिरते गये लेकिन हकना कथा था जीभ वही ज्यो की त्वा बनी रही। अब कुछ बचे हुए दाँत जब गिरने को हुए, तब जीभ ने दाँत से कहा: भैया बहुत दिन पहले आपने मुझसे कुछ कहा था। आज उन सबका उत्तर दे रही हूँ। ईंसान के मुँह में आप सब दाँत मुझसे बहुत बाद में आए हैं। मैं तो जन्म के साथ ही पैदा हुई हूँ। अब आयु मैं भी तुम मुझसे छोटे हो लेकिन छोटे होने के बावजूद भी एक-एक करके तुम सब मुझसे पहले विदा हो रहे हो! इसका कारण होता है? दाँत ने जीभ से अब विनम्र भाव से बोला: दीदी अब तक तो नहीं समझते थे पर अब बात समझ में आ गई। तुम कोमल और मूलायम हो और हम कठोर हैं। कठोर होने का दंड ही हमें मिला है। आपके कार्य दूसरों को सुख ही प्रदान करें। अपने रूप रंग या किसी भी गुण के दम पर कभी भी घमंड ना करें। किसी का भी अनादर न करें चाहे कोई आपसे कम में छोटा हो या फिर बड़ा।



पर्यावरण संरक्षण

प्रधानमंत्री मोदी का 'एक पेड़ गां के नाम' अभियान आज पूरे देश में पर्यावरण संरक्षण का पर्यय बन रहा है। इसी दिशा में, 'सामूहिक वृक्षारोपण अभियान' के जरिए गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र को 'ग्रीन लोकसभा' में बदलने का संकल्प लिया गया है और इस एप का काम चल रहा है।

- अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री



जन आरोग्य मंदिर

आज शकुलपुर में 45 नए आयुष्मान जन आरोग्य मंदिरों का उद्घाटन किया गया। हमारा संकल्प है कि दिल्ली के हर निवासी को उनके घर और कॉलोनी के पास ही बेहतरे स्वास्थ्य सेवाएं मिलें।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली



कोटि-कोटि नमन

1971 की लड़ाई ने हमन के जहाजों के परखचे उड़ाने के लिए परमवीर चक्र से सम्मानित पलाड़वा ऑफिसर निरमल जॉित सिंह सेखों जी की जयंती पर, मैं उन्हें कोटि-कोटि नमन करता हूँ। आज देश का हर बच्चा उनके बलिदान से प्रेरित है। जय हिंद।

- अखिलेश यादव, पूर्व सीएम, नई दिल्ली



धार्मिक संपत्ति

जिन बीजेपी सदस्यों और उनके साथियों ने भगवान के खजाने में हाथ डालने और 'धार्मिक संपत्ति' तक धुलने की हिम्मत की, वे किसी पुजारी या इशान का क्या सम्मान करेगे? यह बेहद निन्दनीय है। कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।

- अखिलेश यादव, सांसद, सपा



हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय

रिंग रोड नं. 2, गोरखपुर, बिलासपुर
फ़ोन : 401050,271016,फ़ैक्स-271018
ई-मेल : haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

बिलासपुर

शनिवार 18 जुलाई 2026

आषाढ़, शुक्ल पक्ष पंचमी
वर्ष : 26, अंक : 117
पृष्ठ : 12+6 = 18 मूल्य : 4.00***

मौसम

अधि. 32.2
न्यून. 26.0



haribhoomi.com

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी



रोहित को संख्या को लेकर अटकलें तेज, लॉर्ड्स में खेलने का आखिरी वनडे ?

विचार पेज

अंतरिक्ष में निजी क्षेत्र की ऊंची उड़ान

इंदौर से शुरू हो चुकी आबुधाबी की सीधी फ्लाइट, रायपुर से अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों की बरसों से चर्चा ही उड़ रही

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

पड़ोसी राज्य मप्र के इंदौर एयरपोर्ट से अबुधाबी की सीधी फ्लाइट शुरू हो चुकी है। मगर छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के विमानतल से अब तक कोई भी इंटरनेशनल फ्लाइट उड़ान नहीं भर पायी है। छत्तीसगढ़ से हर महीने औसतन 2 हजार यात्री दूसरे देशों की यात्रा करते हैं। इसके बावजूद रायपुर से अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें शुरू किए जाने का दो साल से आशासन ही मिल पाया है। रायपुर से दुबई, बैकाक, सिंगापुर जैसे देशों के लिए सीधी विमान सेवा शुरू करने की यहाँ काफी जरूरत है। स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट को भले ही अंतर्राष्ट्रीय विमानतल का दर्जा दिया जाता ►►**शेष पेज 6 पर**

छत्तीसगढ़ से हर महीने औसतन 2 हजार यात्री करते हैं दूसरे देशों का सफर

कागों हब की डिमांड भी ठंडी

करीब दो साल पहले केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ने रायपुर से इंटरनेशनल फ्लाइट शुरू करने पर सहमति जताई थी। इसके साथ ही रायपुर को कागों हब बनाने पर भी सहमति बनी थी। यहां से कोई भी इंटरनेशनल फ्लाइट उड़ान नहीं भर पाई है, वहां कागों सेवा डोमेस्टिक फ्लाइट तक सीमित है। यात्री विमानों के जरिए रायपुर से कुछ चुनिंदा शहरों के लिए आवश्यक सामान का आयात-निर्यात किया जाता है। रायपुर को केंद्रीय कागों हब में विकसित करने से कुछ और बागवानी उत्पादों के परिवहन को बढ़ावा मिलेगा।



दूसरे शहरों के भरोसे सफर

वैसे तो छत्तीसगढ़ से अन्य देशों की यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या अधिक है। सीधी फ्लाइट नहीं होने की वजह से उन्हें दूसरे बड़े एयरपोर्ट के भरोसे रहना पड़ता है। अपनी विदेश यात्रा शुरू करने उन्हें दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद के विमानतलों का सहारा लेना पड़ता है। इसके लिए उन्हें ज्यादा सफर के साथ अतिरिक्त पैसे और समय खर्च करना पड़ता है। सीधी फ्लाइट शुरू होने से यात्रियों की इस समस्या का समाधान हो जाएगा।

इसका कहना

काफ़ी जरूरत

यात्रियों की संख्या को देखते हुए रायपुर से इंटरनेशनल फ्लाइट शुरू करने की काफी जरूरत है। यहां से बैकाक, दुबई, सिंगापुर जैसे देशों की विमानन कंपनियों को अच्छा ट्रैफिक मिलेगा। संभावनाओं के आधार पर विमानन कंपनियों को इस संबंध में सुझाव भेजा जाता रहा है।
- रमन जादवाणी, संचालक, अजय टैवन्स एवं पूर्व वैयरमैन सीजी टैवल एजेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया'

विमानन कंपनियों

को प्रस्ताव

बैठक में अंतर्राष्ट्रीय फ्लाइट शुरू करने विभिन्न कार्य पूरे करने चर्चा की जाती है। एयरपोर्ट प्रबंधन को निर्देशित किया गया है कि वह विमानन कंपनियों को इंटरनेशनल फ्लाइट शुरू करने प्रस्ताव भेजे। इसके अलावा देश के अन्य शहरों के लिए भी फ्लाइट शुरू करने पर चर्चा की जाती है।
- मोतीलाल साहू, विधायक एवं सदस्य विमानतल सलाहकार समिति

लगातार छठी रात ईरान पर एयरस्ट्राइक की अमेरिकी सेना ने, पुलों, विद्युत उपकरणों पर अटैक

अमेरिका ने भारत के निवेश वाले चाबहार पोर्ट को बनाया निशाना, गिरा आइकॉनिक टॉवर

भारत के लिए रणनीतिक रूप से अहम है यह पोर्ट, खतरे में अरबों रुपए और रणनीतिक निवेश

ईरान ने भी पलटवार करते हुए कतर, जार्डन में अमेरिकी बेस पर किए मिसाइल हमले

हरिभूमि न्यूज ►► नई दिल्ली

अमेरिका ने शुक्रवार को लगातार छठी रात ईरान पर एयरस्ट्राइक की। इस दौरान भारत के निवेश वाले चाबहार पोर्ट को भी निशाना बनाया गया। हमले में इस पोर्ट का आइकॉनिक मैरीटाइम ट्रैफिक कंट्रोल टावर ध्वस्त हो गया। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कंट्रोल टावर के क्षतिग्रस्त होने की तस्वीर भी शेयर की है। ईरानी समाचार एजेंसी मेहर ने चाबहार पोर्ट और कंट्रोल टावर पर अमेरिकी हमले की पुष्टि की है। पिछले एक हफ्ते में इस टावर पर यह तीसरा हमला है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने बताया कि फाइटर जेट, ड्रोन और युद्धपोतों से ईरान के कई सैन्य ठिकानों पर हमला किया गया। सेंटकॉम ने कहा कि हमलों में तटीय निगरानी केंद्र, एयर डिफेंस सिस्टम, ►►**शेष पेज 6 पर**

अमेरिका ने शुक्रवार तड़के ईरान के खिलाफ अपने हवाई हमलों का दायरा बढ़ाते हुए और अधिक पुलों, विद्युत उपकरणों को निशाना बनाया तथा एक प्रमुख ईरानी बंदरगाह पर स्थित टावर को ध्वस्त कर दिया। इन हमलों में ओमान की खाड़ी पर स्थित भारत के निवेश वाले चाबहार बंदरगाह पर एक टावर भी ढह गया। इसके जवाब में ईरान ने पश्चिम एशिया में कतर, जार्डन समेत अमेरिका के सहयोगी देशों पर फिर मिसाइल हमले किए और चेतावनी दी कि उसके हमले आगे और तेज होंगे।

चाबहार का भारत और दुनिया के लिए महत्व

चाबहार पोर्ट भारत के लिए रणनीतिक रूप से अहम है। भारत ने इसके विकास में निवेश किया है और इसका संचालन भारतीय कंपनी इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड (आईपीजेएल) कर रही है। यह बंदरगाह भारत को पाकिस्तान को बायपास कर अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक व्यापारिक पहुंच उपलब्ध कराता है। चाबहार तेहरान का मुख्य समुद्री गेटवे है जो होर्मुज स्ट्रेट से होकर नहीं गुजरता है। चाबहार का ट्रैफिक कंट्रोल तबाह होने से शिपिंग में रुकावट आ सकती है।



भारत ने किया है 11 अरब का निवेश

चाबहार में भारत 120 मिलियन डॉलर यानी कि लगभग साढ़े 11 अरब रुपये का तमड़ा निवेश कर चुका है। 2024 में इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड ने ईरान के साथ 10 वर्ष का संचालन समझौता किया था, जिसके तहत लगभग 37 करोड़ डॉलर (370 मिलियन डॉलर) तक के निवेश और विकास की योजना बनाई गई थी। चाबहार पोर्ट में दो टर्मिनल हैं। शाहिद बेहेश्ती और शाहिद कलतरी। इन टर्मिनल में कई बर्थ और कागों संभालने की आधुनिक सुविधाएं हैं। भारत सरकार की कंपनी इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड (आईपीजीएल) 2018 से शाहीद बेहेश्ती टर्मिनल का कामकाज संभाल रही है।

शाहिद बेहेश्ती पोर्ट टर्मिनल पूरी तरह सुरक्षित: जायसवाल

अमेरिका के ईरान पर किए गए मिसाइल हमलों में भारत के भारी-भरकम निवेश से बनाए गए चाबहार बंदरगाह से जुड़े 'शहिद बेहेश्ती' पोर्ट टर्मिनल को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है और वह पूरी तरह से सुरक्षित है। वहीं, बंदरगाह के विकास को लेकर दो नई अमेरिका की छूट की समयसीमा भी अब समाप्त हो गई है। जिसे देखते हुए मामले को आगे बढ़ाने के लिए भारत सभी संबंधित पक्षों से विचार-विमर्श कर रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को हुई मीडिया ब्रीफिंग में यह जानकारी दी है।

भारत की असली चिंता

भारत के लिए असली चिंता प्रत्यक्ष वित्तीय नुकसान से ज्यादा रणनीतिक नुकसान है। चाबहार भारत की उस योजना का केंद्र है, जिसके जरिए वह पाकिस्तान को बायपास कर अफगानिस्तान, मध्य एशिया और रूस तक पहुंच बनाना चाहता है।

वांगचुक का नया वीडियो आया सामने

‘20 जुलाई तक संसद मार्च के लिए तो जिंदा रहूंगा ही’



20 दिन से हैं हड़ताल पर

बता दें कि सोनम वांगचुक और कांक्रोच जनता पार्टी के सदस्य पेपर लोक मामले को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के साथ-साथ कई और पार्टियों ने वांगचुक को समर्थन दिया है। वांगचुक पिछले 20 दिनों से भूख हड़ताल पर हैं, जिसकी वजह से उनका वजन लगातार घट रहा है। शुक्रवार को डॉ. जतीश लांबा ने कहा, यह भूख हड़ताल का 20वां दिन है। उनका वजन 56.55 किलोग्राम है, जिसमें पिछले 24 घंटों में 350 ग्राम की कमी आई है। शरीर में पानी का स्तर ठीक है, हालांकि मामूली डिहाइड्रेशन देखा गया है। डॉक्टरों की टीम लगातार वांगचुक पर नजर बनाए हैं। अहम बात यह है कि उन्हें ऑर्गन फेल होने की चेतावनी भी दी गई थी।

नई दिल्ली। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान सहित कई मांगों को लेकर पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक पिछले 20 दिनों से भूख हड़ताल पर हैं। वांगचुक का सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया गया है, जिसमें उन्होंने कहा कि मैं 20 जुलाई तक जिंदा रहूंगा। जिससे आप सभी के साथ संवाद तक मार्च कर सकूँ। अगर 20 जुलाई को हमारा मार्च सफल नहीं रहा तो फिर भूतकर बनकर वापस आऊंगा।' वांगचुक ने यह बात मजाकिया अंदाज में कही।

जैश-ए-मोहम्मद के 5 संदिग्ध गिरफ्तार

गुजरात एटीएस का बड़ा एवशन

एजेंसी ►► अहमदाबाद



गुजरात एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) को पाकिस्तानी आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेएम) के नेटवर्क के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। पहले आठ संदिग्ध आतंकियों की गिरफ्तारी के बाद अब जांच के दौरान उनके संपर्क में रहे पांच और आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, ये सभी पिछले छह महीने से एक-दूसरे के संपर्क में थे और गुजरात समेत देश के विभिन्न हिस्सों में आतंकी हमलों की साजिश रच रहे थे। जांच एजेंसियां इस पूरे नेटवर्क की गहराई से पड़ताल कर रही हैं। जांच में सामने

अब स्लीपर सेल की खोज

एटीएस का मानना है कि यह नेटवर्क गुजरात में सक्रिय होकर आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की तैयारी कर रहा था। एजेंसी अब यह पता लगाने में जुटी है कि इन आरोपियों के संपर्क देश और विदेश में किन-किन लोगों से थे और उन्हें किस तरह का सहयोग मिल रहा था। गौरतलब है कि 3 जुलाई को गुजरात एटीएस ने गुजरात और उसके सटे मध्य प्रदेश के अलग-अलग इलाकों से जैश-ए-मोहम्मद के आठ कथित सदस्यों को गिरफ्तार किया था। उस समय पुलिस ने दावा किया था कि ये लोग गुजरात में एक सक्रिय आतंकी नेटवर्क खड़ा करने की कोशिश कर रहे थे। शुरुआती जांच में इनके पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े होने के संकेत मिले थे। इसके बाद जांच का दायरा लगातार बढ़ाया गया और उसी कड़ी में अब पांच और गिरफ्तारियां की गई हैं।

एटीएस ने सभी आरोपियों को मेहसाणा जिले की कोर्ट में न्यायिक मजिस्ट्रेट अर. एम. माटिया के सामने पेश किया। अदालत ने पूछताछ के लिए सभी आरोपियों को 24 जुलाई तक एटीएस की रिमांड पर भेज दिया है। अभियोजन पक्ष ने अदालत को बताया कि मामले में कई महत्वपूर्ण सबूत अभी बरामद होने बाकी हैं।

डीएमके ने भी दिया कांग्रेस को झटका

‘परिसीमन बिल का विरोध प्रस्ताव देखकर तय करेंगे’

चेन्नई। परिसीमन (डिलिमिटेशन) के मुद्दे पर प्रस्तावित बिल का बदला हुआ ड्राफ्ट इस मॉनसून सत्र में पेश हो सकता है। इस बिल के प्रस्ताव का विरोध विपक्षी दलों ने शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा है कि सदन में भी वे इस बिल का विरोध करेंगे। वहीं एनसीपी के बाद डीएमके के ऑर्गनाइजेशनल सेक्रेटरी आरएस भारती ने भी कहा कि डीएमके, बिल देखने के बाद ही कोई फैसला लेगी। खास बात है कि कांग्रेस ने डीएमके से बिल का विरोध करने को कहा था। यह बिल भाजपा सरकार



द्वारा संसद के आने वाले मॉनसून सत्र में पेश किए जाने की संभावना है, जो 20 जुलाई से शुरू हो रहा है। भारती ने स कहा कि हमने परिसीमन बिल को एक बार हराया था। जब बिल पेश किया जाएगा, तो हम उसकी सामग्री देखेंगे। अगर यह तमिलनाडु और दक्षिणी राज्यों के हितों के

खिलाफ हुआ, तो डीएमके इसका विरोध करेगी। अगर भाजपा सरकार डीएमके की सिफारिशों को शामिल करती है, तो डीएमके को इसका विरोध करने की जरूरत नहीं है।

कांग्रेस ने डीएमके पर साधा निशाना

सीनियर कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम और कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने डीएमके से कहा है कि वह प्रस्तावित परिसीमन बिल का विरोध जारी रखे। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर डीएमके ने अपना रुख बदला, तो उस उसके अपने पिछूतों के साथ धोखा होगा।

सीबीएसई ऑन-स्क्रीन मार्किंग पर केंद्र से मांगी स्टेटस रिपोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली को लेकर उठे सवालों पर गंभीर चिंता जताई है। अदालत ने कहा कि डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली से छात्रों को परेशानी होने की आशंका है और इस संबंध में केंद्र सरकार से विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली में कुछ ऐसी समस्याएं दिखाई दे रही हैं। जिनकी गहराई से जांच की आवश्यकता है। सुप्रीम कोर्ट ने सॉलिडिटर जनरल तुषार मेहता से मामले में सहायता करने को कहा और केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रणाली में कथित कमियों को दूर करने के लिए उठाए गए कदमों की विस्तृत रिपोर्ट अदालत में दाखिल करे। इस मामले की अगली सुनवाई अगले सप्ताह होगी।

10 और 20 रुपये के नोटों से होगी शुरुआत

सूत्रों का कहना है कि शुरुआती चरण में 10 और 20 रुपये के पॉलीमर नोट जारी किए जा सकते हैं। ये दोनों मूल्यवर्ग आम लोगों के दैनिक लेनदेन में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होते हैं। इसलिए इनके जरिए नई तकनीक की व्यवहारिकता को परखा जाएगा। यदि पालाट सफल रहता है तो बाद में अन्य मूल्यवर्गों के नोट भी पॉलीमर सबस्ट्रेट पर छोपा जा सकते हैं।



कागजी नोट बंद नहीं होंगे

आरबीआई ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि बाजार में चल रहे सभी वैध कागजी नोट पहले की तरह कानूनी मुद्रा बने रहेंगे और उनका इस्तेमाल जारी रहेगा। प्लास्टिक नोट फिलहाल एक अतिरिक्त विकल्प के रूप में सिस्टम में शामिल किए जाएंगे। रानी लोगों को अपने पुराने नोट बदलवाने की कोई तत्काल जरूरत नहीं होगी और दोनों तरह की करेंसी कुछ समय तक साथ-साथ चल सकती हैं।

एडवांस सुरक्षा फीचर्स होंगे शामिल

प्लास्टिक नोटों में इनमें पारदर्शी विंडो, विशेष होलोग्राम, माइक्रो प्रिंटिंग, रंग बदलने वाली स्ट्राइ और मशीन से आसानी से पहचाने जाने वाले सेफ्टी फीचर शामिल हो सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि पॉलीमर नोटों की नकल करना पारंपरिक कागजी नोटों की तुलना में कहीं अधिक कठिन होता है। इससे नकली मुद्रा के कारोबार पर प्रभावी रोक लगाने में मदद मिल सकती है और बैंकिंग प्रणाली की विश्वसनीयता भी बढ़ेगी।

वैश्विक टेंडर जारी 18 अगस्त तक आवेदन

इस परियोजना को लागू करने के लिए आरबीआई ने ग्लोबल टेंडर जारी किए हैं। इसके तहत अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को भारत के लिए प्लास्टिक नोटों का बेस मॉटीरियल उपलब्ध करने के लिए आमंत्रित किया गया है। बोली जमा करने की अंतिम तिथि 18 अगस्त तक की गई है।

दुनिया के कई देशों में पहले से सफल प्रयोग

ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, ब्रिटेन, न्यूजीलैंड और सिंगापुर जैसे देशों में पॉलीमर नोट पहले से प्रचलन में हैं और वहां इनका प्रदर्शन काफी बेहतर माना गया है। ये नोट पानी से जल्दी खरब नहीं होते, गंदगी कम पकड़ते हैं और सामान्य कागजी नोटों की तुलना में कई गुना अधिक समय तक चलते हैं।

एफआईआर



हत्या की साजिश

रायगढ़ से प्रतीक मिश्रा

मा मला संदिग्ध लगने पर पुलिस ने पोस्टमार्टम की वीडियोग्राफी कराई। डॉक्टरों ने जिन स्थानों पर सुई के निशान मिले थे, वहां अंदरूनी अंगों में गंभीर क्षति पाई। विशेष रूप से हृदय पर चोट और आंतरिक रक्तस्राव के कारण मौत होने की पुष्टि हुई। इसके बाद थाना प्रभारी अमित तिवारी ने वरिष्ठ अधिकारियों को पूरी जानकारी दी। एसएसपी सदानंद कुमार के निर्देश पर एसडीओपी दीपक मिश्रा की निगरानी में विशेष जांच और साइबर टीम गठित की गई। इस मामले में जांच आगे बढ़ी तो सबसे ज्यादा संदेह मृतक की पत्नी प्रिया विश्वास पर गया। पुलिस ने उसका मोबाइल खंगाला तो बड़ी मात्रा में डिलीट किया गया डेटा मिला। साइबर टीम ने उसे रिकवर किया, जिसमें घटना से पहले और बाद की बातचीत तथा गतिविधियों ने पुलिस के शक को और मजबूत कर दिया। लगातार पूछताछ के बाद प्रिया टूट गई और उसने पति की हत्या की पूरी साजिश कबूल कर ली। पूछताछ में सामने आया कि कुछ महीने पहले राजेश लीवर की बीमारी के इलाज के लिए रायपुर के बालाजी अस्पताल में भर्ती था। वहीं प्रिया की पहचान ट्रामा स्टाफ नर्स फिरीज यादव उर्फ कृष पिता उर्फ बब्लू उर्फ त्रिस यादव पिता बालेश्वर यादव (24), निवासी गोपाल भौना थाना कोसीर से हुई। सोशल मीडिया पर खुद को डॉक्टर बताने वाला फिरीज कथित रूप से लोधीपारा इलाके में फर्जी क्लिनिक भी संचालित करता था।



घरेलू प्रताड़ना से त्रस्त होकर करवाई हत्या : उसने पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में बताया कि पति की शराब की लत और रोजाना घरेलू प्रताड़ना से परेशान प्रिया अपनी परेशानियां फिरीज से साझा करती थी। उसने फिरीज को अपने पति से छुटकारा पाने की भी बात कही थी। इसी दौरान प्रिया की पड़ोसन और करीबी सहेली पायल उर्फ मोनी विश्वास पति संजय विश्वास (28), निवासी धरमजयगढ़ कॉलोनी भी फिरीज के संपर्क में आ गई। बाद में चारों ने मिलकर राजेश को रास्ते से हटाने की साजिश रची।

हार्ट अटैक का भ्रम, सीने पर छह निशान... पत्नी की खामोशी ने खोला इंजेक्शन से किए गए कत्ल का राज

एनेस्थिसिया का ओवरडोज देकर हत्या करने बनाई योजना

राजेश की पत्नी प्रिया ने अपने प्रेमी फिरीज सहित अन्य साथियों के साथ मिलकर राजेश को एनेस्थिसिया का ओवरडोज देकर हत्या करने की योजना बनाई, ताकि मौत हार्टअटैक जैसी दिखाई दे। इस योजना के तहत 14 जनवरी की रात फिरीज बस से धरमजयगढ़ पहुंचा। उसके ठहरने की व्यवस्था पायल उर्फ मोनी विश्वास ने नकद और फोन-पे से ऐसे देकर कराई। शेख मुईन राजा पिता शेख अकरम परचेज (20), निवासी बेहरापाड़ा धरमजयगढ़ ने अपनी पहचान का इस्तेमाल करते हुए होटल सीएम पार्क में फर्जी नाम से कमरा बुक कराया। इसके बाद चारों आरोपी व्हाट्सएप कॉल के जरिए लगातार संपर्क में रहे और 15 जनवरी की रात तक राजेश की गतिविधियों पर नजर रखते रहे।



वैज्ञानिक साक्ष्यों और तकनीक ने दिया मात

पुलिस ने इस मामले में हत्या, साक्ष्य मिलाने और आपराधिक षड्यंत्र की धाराओं 302, 201 और 120-बी के तहत अपराध दर्ज कर मृतक की पत्नी प्रिया विश्वास, उसकी सहेली पायल विश्वास, शेख मुईन खान और फिरीज यादव उर्फ कृष को गिरफ्तार कर लिया। प्रिया और पायल को धरमजयगढ़ से मुईन खान को छल-हाटी रोड पर घेरबंदी कर तथा रायपुर में छिपे फिरीज यादव को रायपुर पुलिस की मदद से दबोचा गया। सूक्ष्म जांच, वैज्ञानिक साक्ष्यों और साइबर तकनीक के दम पर धरमजयगढ़ पुलिस ने एक ऐसी हत्या का पर्दाफाश किया, जिसे बेहद शांति तरीके से प्राकृतिक मौत साबित करने की कोशिश की गई थी।

गहरी नींद में दिया वारदात को अंजाम

15 जनवरी की देर रात जब राजेश शराब पीकर गहरी नींद में सो गया, तब प्रिया और पायल ने फिरीज और मुईन को घर बुलाया। पायल बाहर निगरानी करती रही, जबकि प्रिया ने पति के पैर और मुईन ने उसके हाथ मजबूती से पकड़ लिए। इसी दौरान फिरीज ने पहले से तैयार एनेस्थिसिया के तीन ओवरडोज इंजेक्शन राजेश के सीने में लगा दिए। करीब 15 मिनट बाद उसकी मौत हो गई। फिरीज ने नब्ज जांचकर मौत की पुष्टि की और चारों आरोपी मौके से निकल गए। उन्हें पूरा भरोसा था कि यह हत्या प्राकृतिक मौत समझी जाएगी, लेकिन अपराधियों की यह चाल पुलिस की बारीक नजर के सामने उजाड़ देर टिक नहीं सकी। सीने पर छिड़े छह छोटे निशानों से शुरू हुई जांच पोस्टमार्टम, वैज्ञानिक साक्ष्यों और साइबर विश्लेषण तक पहुंची। मोबाइल से रिकवर किए गए डिलीटेड डेटा और पूछताछ ने हत्या की पूरी साजिश उजागर कर दी।



छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में कुम्हारी थाना क्षेत्र के अंतर्गत गान कपसदा (गुरगुंदा/अकोला रोड) में 28-29 सितंबर 2022 में हुई एक बेहद दर्दनाक और सनसनीखेज हत्या की वारदात आज भी लोगों के दिल को दहला देती है। इसे कुम्हारी कपसदा हत्याकांड के नाम से जाना जाता है। इस घटना में आपसी घरेली विवाद के चलते आरोपी अपने सगे बड़े भाई, भाभी और उनके दो बच्चों को कुल्हाड़ी से काट डाला। इसके बाद उनके शव को बाड़ी और कगरे में अलग अलग जगह फेंक दिया था। अगली सुबह जब गानागौनों ने बाड़ी में चारों के शव खून से लथपथ देखे, तब इस खौफनाक वारदात का पता चला।



मिलाई से डॉ. संदीप उपाध्याय

युवक ने भाई, भाभी और दो बच्चों को उतार दिया मौत के घाट

सूचना मिलते ही कुम्हारी थाना पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंची। पूरे एरिया को सील किया गया। इसके बाद तत्कालीन एसपी अभिषेक पल्लव भी अपने मातहत अधिकारियों व फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे और कई घंटे खुद वहां रुककर मामले की तपतीश की। पुलिस को शुरूआती में तो मामला पूरी तरह से ब्लैक लगा, लेकिन कुछ गवाह और लोगों के बयान से पता चला कि भोलानाथ और उसकी पत्नी की उसके छोटे भाई किस्मत यादव और उसकी पत्नी से नहीं बनती है। उनके बीच अक्सर झगड़ा होता है। छोटा भाई पास में ही एक दूसरे व्यक्ति की बाड़ी को लेकर वहां रखवाली और मजदूरी करता है। पुलिस ने जब किस्मत के यहां जकर पूछताछ की और तलाशी ली तो उन्हें किस्मत के खून लगे कपड़े मिले। जिसके बाद कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया।



आज भी दिल को दहला देती है कपसदा की वारदात



हत्या की वजह: पुलिस जांच के अनुसार, दोनों भाइयों के बीच काफी समय से मनमुटाव और विवाद चल रहा था। दोनों के परिवारों (पत्नियों) के बीच भी आपसी झगड़े होते रहते थे। वारदात के दिन 16,000 रुपये की मांग को लेकर दोनों के बीच विवाद और बढ़ गया। इसके बाद किस्मत ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर पूरे परिवार को खत्म करने की मर्याद साजिश रच डाली। आरोपियों ने पहले चाकू और कुल्हाड़ी से हमला कर भोलानाथ और उसकी पत्नी को मौत के घाट उतारा और पकड़े जाने के डर से दोनों मासूम बच्चों को भी नहीं छोड़ा। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हत्या में इस्तेमाल हथियार बरामद किए और आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा।

पुलिस का खुलासा

दुर्ग पुलिस ने इस अंधे कत्ल की गुत्थी को सुलझाने के लिए कड़ी मशक्कत की। डॉ. गणेश स्वचायड, फॉरेंसिक एक्सपर्ट और आला अधिकारियों की जांच के बाद जो सब सामने आया, वह बेहद चौकाने वाला था। इस पूरे सामूहिक हत्याकांड का मुख्य सूत्रधार भोलानाथ का सगा छोटा भाई किस्मत यादव निकला। उसने अपने दो साथियों (आकाश और टीकम) के साथ मिलकर इस खूनी खेल को अंजाम दिया था।

इनको उतारा था मौत के घाट

भोलानाथ यादव (34) मूल रूप से ओडिशा का रहने वाला था और कपसदा में खेत की रखवाली व मजदूरी करता था नैना यादव (30) - भोलानाथ की पत्नी प्रमोद यादव - बेटा (स्कूली छात्र) मुक्ता यादव - बेटी (स्कूली छात्र)

दोस्ती की खातिर सब कुछ न्योछावर करने के कई किस्से पढ़ने और सुनने मिल जाते हैं, लेकिन कई बार ऐसा भी होता है कि दोस्त ही दोस्त का दुश्मन बन जाता है। जिसके घातक परिणाम भी सामने आते रहे हैं। ऐसा ही एक वाकिया डोंगरगढ़ क्षेत्र में हुआ। ग्राम मेढ़ा में एक लड़का मानसी बनकर अपने दोस्त से चेंटिंग करने लगा, साथ ही उसने अपने दोस्त से लाखों रुपए भी ऐंठ लिए।



राजनांदगांव से धन्य कुमार जैन

दोस्ती में दगाबाजी और खूनी अंत

लड़की बनकर मोबाइल से करता था दोस्त से बात

डोंगरगढ़ पुलिस को 5 अप्रैल 2024 को सूचना मिली कि ग्राम मेढ़ा नहर में एक युवक की लाश पड़ी है। घटना स्थल पर पुलिस ने पाया कि मृतक के गले पर किसी धारदार हथियार से वार किया गया था। ग्राम के मोषण साहू नामक व्यक्ति ने बताया कि मृतक उसके भाई का लड़का है। उसने यह भी बताया कि 3 अप्रैल 2024 को मृतक कमलेश साहू सुबह लगभग 10 बजे अपने दोस्त के साथ एक शादी में जाने के लिए मोटर साइकिल से घर से निकला था, लेकिन उसके बाद वह घर नहीं लौटा। काफी तलाश के बाद जब उसका पता नहीं चला तो परिजनों ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मृतक की पहचान होने और हत्या की आशंका को देखते हुए पुलिस ने आरोपी की तलाश के लिए आसपास गांव में लगे सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों के विश्लेषण तथा मृतक के बैंक खातों को खंगाला। पुलिस ने कुछ संदिग्ध लोगों से भी पूछताछ की। पुलिस को मृतक के मोबाइल की लोकेशन मेढ़ा में मिली। लोकेशन के आधार पर पुलिस जब उस व्यक्ति के पास पहुंची, जिसके पास मोबाइल था। उस व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि यह मोबाइल देवेंद्र सिन्हा ने उसे दिया था, जिसके बाद पुलिस ने गांव से ही देवेंद्र सिन्हा को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की।

पैसों से चुकाया कर्जा

आरोपी ने मृतक कमलेश के मोबाइल व बैंग में रखे एक लाख रुपयों को निकाल लिया। बैंग को टोलगांव रोड के खेत में जला दिया और जिस चाकू से मारा था, उसे वहीं झाड़ों में छुप दिया। एक लाख रुपए में से उसने 14,500 रुपए डीजे वाले कार और 10 हजार का एक अन्य कर्जा चुकाया। इसके बाद उसने मृतक के मोबाइल का चेंटिंग डिलिट कर भूपेन्द्र सिन्हा नामक व्यक्ति को दे दिया जो मेढ़ा का ही रहने वाला था। बाकी रुपए को उसने अपने घर में ही छुपाकर रख दिया।

कबूल किया गुनाह

पुलिस के पूछताछ करने पर आरोपी देवेंद्र सिन्हा ने हत्या करने की बात कबूल करते हुए पुलिस को बताया कि मृतक कमलेश साहू से पहले से उसकी जान पहचान थी। वह पिछले 8 महीने से मानसी बनकर उससे वॉट्सएप पर चेंटिंग कर रहा था। तीन अप्रैल को उसने वाट्सएप चेंटिंग पर कमलेश को पैसा लेकर मेढ़ा आने कहा था। सुबह लगभग 11 बजे मृतक कमलेश मेढ़ा आया और दोनों मेढ़ा पुल पर शाम 7 बजे तक बैठे रहे। कमलेश उस समय मानसी का इंतजार कर रहा था, इसी बीच जब उसने देवेंद्र का मोबाइल खंगाला तो पता चला कि मानसी बनकर वह ही उससे बात करता था। यह खुलासा होने पर कमलेश भड़क कर शिकायत दर्ज करने की बात करने लगा, जिससे देवेंद्र डर गया। उसकी बात सुनने के बाद देवेंद्र ने उसी समय कमलेश को मारने का प्लान बनाया। देवेंद्र ने उससे बोला कि वह उससे लिए पैसों को घर से लेकर आ रहा है। इतना कहकर देवेंद्र वहां से चला गया और घर से चाकू लेकर आ गया। शाम लगभग 7 बजे अंधेरा होने पर उसने कमलेश पर चाकू से हमला किया, जिससे कमलेश वहीं गिर गया और उसकी मौत हो गई। चाकू, रुपए बरामद: तत्कालीन एडिशनल एसपी लखनपाल पटेल ने बताया कि पुलिस ने आरोपी देवेंद्र सिन्हा को गिरफ्तार किया है। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त चाकू और आरोपी ने जो रुपए मृतक से लिए थे, उसे भी बरामद कर लिया।

पुरी। ओडिशा के पुरी में वार्षिक रथ यात्रा उत्सव के तहत भगवान जगन्नाथ और उनके भाई-बहनों के रथ शुक्रवार को गुंडिचा मंदिर पहुंचे। अधिकारियों ने बताया कि बृहस्पतिवार को 'पहंडी' की प्रक्रिया में देरी के कारण तीनों ने से कोई भी रथ 12वीं सदी के श्री जगन्नाथ मंदिर से लगभग 26 किलोमीटर दूर स्थित गुंडिचा मंदिर तक नहीं पहुंच पाया था। देवता रात भर रथों पर ही रहे। 'जय जगन्नाथ' के जयघोष के बीच शुक्रवार सुबह लाखों भक्तों ने तीनों देवताओं - भगवान बलभद्र, देवी सुमद्रा और भगवान जगन्नाथ के रथों को खींचना शुरू किया। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) का अनुमान है कि रथ यात्रा में 10 से 12 लाख श्रद्धालु शामिल हुए।

बिलासपुर, शनिवार 18 जुलाई 2026

haribhoomi.com

जय जगन्नाथ' के जयघोष के बीच आज फिर खींचे जाएंगे तीनों रथ

भगवान जगन्नाथ और उनके भाई-बहनों के मुख्य सेवक माने जाने वाले गजपति महाराजा दिव्यसिंह देव ने एक वीडियो संदेश में कहा, 'निर्धारित रथ यात्रा के अगले दिन रथ खींचने में कोई बुराई नहीं है। कई बार रथ तय समय पर अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच पाते थे और उन्हें अगले दिन खींचा जाता था। अंधेरा होने के कारण बृहस्पतिवार को रथ खींचने की प्रक्रिया रोक दी गई थी।'

समय अधिक होने पर दूसरे दिन खींचे जाते हैं रथ

खबर संक्षेप

झारखंड में 25 लाख का इनामी माओवादी गिरफ्तार

रांची। झारखंड के गिरिडीह जिले में 25 लाख रुपये के इनामी एक माओवादी को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारी के अनुसार,

गिरफ्तार माओवादी को पहचान अजय महतो उर्फ टाइगर के रूप में हुई है। वह विभिन्न जिलों में दर्ज 240 से अधिक आपराधिक मामलों में वांछित था। उन्होंने बताया कि महतो को बृहस्पतिवार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और झारखंड पुलिस के संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान हरलाडीह चौकी क्षेत्र में स्थित एक मकान से गिरफ्तार किया गया।

पाक सुरक्षा बलों ने 24 आतंकवादी किए डेर

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए कई अभियानों में 24 आतंकवादी मारे गए हैं। सेना के मीडिया प्रकोष्ठ ने एक बयान में कहा कि ये अभियान पिछले 24 घंटे के दौरान अशांत बन्नु जिले और उसके आसपास के इलाकों में चलाए गए। बयान में कहा गया है कि इन अभियानों के दौरान 24 आतंकवादी मारे गए। उनके पास से बड़ी मात्रा में हथियार व गोला-बारूद बरामद किया गया। बयान के अनुसार, मारे गए आतंकवादी कई आतंकी गतिविधियों और आम लोगों की हत्या के मामलों में शामिल थे।

जम्मू में ड्रग्स तस्करी की 1.40 करोड़ की संपत्ति कुर्क

जम्मू। जम्मू कश्मीर के उधमपुर जिले की पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ जारी अभियान के तहत पंजाब के एक कथित मादक पदार्थ तस्कर की 1.40 करोड़ रुपये मूल्य की चल और अचल संपत्तियां कुर्क की हैं। पुलिस के अनुसार, कुर्क की गई संपत्तियां पंजाब के अमृतसर जिले के नवीनपिंड गांव निवासी शरीफ की हैं। इनमें एक स्विफ्ट कार, एक कनाल, आठ मरला जमीन और हाल ही में निर्मित एक रिहायशी मकान शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि जांच में यह स्थापित हुआ है कि ये संपत्तियां मादक पदार्थों की अवैध तस्करी से अर्जित आय से खरीदी या निर्मित की गई थीं।

रिटायर होने के तीन दिन पहले चुराया दान, एसआईटी ने किया गिरफ्तार



बद्रीनाथ मंदिर दान चोरी मामला: एसआईटी की कार्रवाई

एजेंसी ►► चमोली

उत्तराखंड की चमोली पुलिस की एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम ने शुक्रवार को बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के एक रिटायर्ड कर्मचारी को मंदिर के दान कक्ष से कथित तौर पर नकदी चुराने के आरोप में गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में वह 30 जून को रिटायर होने से पहले तीन बार पैसे अपनी जेब में रखते हुए दिखे। पुलिस ने बताया कि कैमरा फुटेज में राजेंद्र चौहान 30 जून को रिटायर होने से पहले तीन बार पैसे अपनी जेब में रखते हुए दिखे। बद्रीनाथ पुलिस स्टेशन के स्टेशन हाउस ऑफिसर महादेव उनीयाल ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज में वह 22, 25 और 29 जून को तीन बार कैश अपनी जेब में रखते हुए पाए गए। पुलिस ने इस मामले में बीकेटीसी के सस्पेंड किए गए कर्मचारी प्रमोद नौटियाल को भी गिरफ्तार किया है, जो चेयरमैन चौहान के ऑफिस में पर्सनल असिस्टेंट के तौर पर काम कर रहे थे। पुलिस ने कहा कि शुरुआती सबूतों से पता चलता है कि दोनों आरोपियों ने मिलकर यह साजिश रची थी। हालांकि, उनकी भूमिका का पूरा पता लगाने के लिए हम उनसे और पूछताछ करेंगे।

चार दिन के सीसीटीवी फुटेज की जांच की- पुलिस ने बताया कि हमने दान की गिनती वाले चार दिनों 22 जून, 25 जून, 29 जून और 2 जुलाई के फुटेज की जांच की। आरोपी (नौटियाल) को चारों बार पैसे चुराते हुए देखा गया। उन्होंने आगे कहा कि पुलिस शनिवार को सेशन कोर्ट जाकर नौटियाल को पुलिस कस्टडी की मांग करेगी।

शुक्रवार को भी रातभर रथ पर ही रहे देवता

एसजेटीए के मुख्य प्रशासक अरविंद पादी ने बताया कि रथ खींचने की प्रक्रिया शुक्रवार सुबह साढ़े नौ बजे फिर शुरू हुई। तीनों देवता शुक्रवार रात भी रथों पर ही रहेंगे, जबकि गुंडिचा मंदिर में प्रवेश की शोभायात्रा शनिवार को आयोजित की जाएगी। धार्मिक मान्यता के अनुसार, गुंडिचा मंदिर को इन तीनों देवताओं का जन्मस्थान माना जाता है।



सरकार की बड़ी तैयारी, मॉनसून सत्र में पेश होंगे पांच नए बिल

संसद के मॉनसून सत्र से पहले केंद्र सरकार ने अपनी रणनीति को अंतिम रूप देने के लिए शुक्रवार को अहम बैठक की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की ऑफिस में हुई इस बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू, केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, जेडीयू के नेता लालन सिंह, टीडीपी के राम मोहन नायडू समेत एनडीए के कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। बैठक सुबह करीब 11:30 बजे शुरू हुई और एक घंटे से ज्यादा समय तक चली।



इन पांच बिलों को पेश करने की तैयारी

सरकार जिन पांच नए विधेयकों को संसद में पेश करने की तैयारी कर रही है, उनमें इनकम टैक्स (संशोधन) विधेयक, 2026, सुप्रीम कोर्ट (जजों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026, जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2026, राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026 और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) विकास संशोधन विधेयक, 2026 शामिल हैं। इनमें से इनकम टैक्स और सुप्रीम कोर्ट से जुड़े विधेयक अग्राधिकारों की जगह लाए जाएंगे।

पहले से लंबित दो विधेयक भी पेश किए जाएंगे

इसके अलावा सरकार दो पहले से लंबित विधेयकों को भी आगे बढ़ाएगी। इनमें विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026, जिसे 25 मार्च 2026 को लोकसभा में पेश किया गया था, और विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक, 2025, जिसे 15 दिसंबर 2025 को लोकसभा में पेश कर संयुक्त समिति को भेजा गया था, जो कि मौजूदा सत्र में पेश किए जाने वाले विधेयकों में शामिल हैं।

सरकार की इन विधेयकों पर होगी प्राथमिकता

माना जा रहा है कि मॉनसून सत्र में सरकार आर्थिक सुधार, न्यायिक व्यवस्था, शिक्षा और एमएसएमई क्षेत्र से जुड़े अहम विधेयकों को प्राथमिकता देगी। वहीं विपक्ष भी कई राष्ट्रीय और राजनीतिक मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी में है। ऐसे में आगामी मॉनसून सत्र के दौरान संसद में तीखी बहस और राजनीतिक टकराव देखने को मिल सकता है।

परिसीमन और 'एक राष्ट्र, एक चुनाव'

हालांकि सरकार की आधिकारिक विधायी सूची में परिसीमन बिल या 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' बिल शामिल नहीं है, लेकिन सत्र से पहले ये दोनों प्रस्ताव राजनीतिक चर्चा के सबसे बड़े विषय बन गए हैं। विपक्षी दलों का मानना है कि केंद्र सरकार इन कानूनों को पेश करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। कांग्रेस पहले ही साफ कर चुकी है कि अगर संसद में परिसीमन (delimitation) की प्रक्रिया का बिल लाया जाता है, तो वह इसका विरोध करेगी।

सुरक्षा कर्मियों की बंदूक छीनने वाले की गोली चलने से मौत

एजेंसी ►► जम्मू

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में गुरुवार रात को हुई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप के 3 जवान घायल हो गए। यह घटना उस समय हुई, जब एक व्यक्ति ने सुरक्षाकर्मियों से उनकी सर्विस राइफल छीनने की कोशिश की थी। घटना के बाद एक धार्मिक उपदेशक हिरासत में है। सुरक्षा बनाए रखने और हालात को देखते हुए डोडा शहर, भदरेवाह, भलेसा और थात्री सहित पूरे डोडा जिले में इंटरनेट सेवाएं निलंबित हैं। घटना के बाद भदरेवाह कस्बे में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। एहतियात के तौर पर इलाके में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल

कोशिश की थी। घटना के बाद एक धार्मिक उपदेशक हिरासत में है। सुरक्षा बनाए रखने और हालात को देखते हुए डोडा शहर, भदरेवाह, भलेसा और थात्री सहित पूरे डोडा जिले में इंटरनेट सेवाएं निलंबित हैं। घटना के बाद भदरेवाह कस्बे में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। एहतियात के तौर पर इलाके में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल

और पुलिस के अतिरिक्त कर्मियों को तैनात किया गया है। सुरक्षा बलों ने जाई क्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू किया है और संदिग्ध गतिविधि का पता लगाया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि इंटरनेट सुरक्षा जांच पूरा होने के बाद बहाल किया जा सकता है। यह सुरक्षा की दृष्टि से जरूरी बताया गया है।

देश-विदेश

हरिभूमि

3

बारिश के बावजूद नहीं टूटा श्रद्धालुओं का उत्साह

बारिश और उमस के बावजूद लाखों श्रद्धालु जय जगन्नाथ और हरि बोल के जयघोष के बीच रथ खींचते रहे। ग्रैंड रोड पर झांझ, नगाड़ों, रांछ और तुरहियों की गूंज के बीच श्रद्धालु नाचते-गाते नजर आए। बारिश का पानी जमा न हो, इसके लिए ग्रैंड रोड पर विशेष इंतजाम किए गए, ताकि रथयात्रा बिना रुकावट आगे बढ़ सके।

पहंडी प्रक्रिया में हुई एक घंटे की देर

एसजेटीए के मुख्य प्रशासक अरविंद पादी ने पत्रकारों को बताया, "अनुष्ठानों में बिल्कुल भी देरी नहीं हुई, लेकिन 'पहंडी' प्रक्रिया में एक घंटे से अधिक की देरी हुई। भगवान जगन्नाथ की प्रतिमा मुख्य द्वार पर करीब 40 मिनट तक आगे नहीं बढ़ सकी, जिसके कारण 'पहंडी' में देरी हुई।"

कल इन स्थानों पर रुक गए थे तीनों रथ

भगवान 'बलभद्र' का 'तालध्वज' रथ ग्रैंड रोड पर लगभग 700 मीटर की दूरी तय करने के बाद मार्केट चौक पर रुक गया था। अधिकारियों ने बताया कि इसी तरह देवी सुभद्रा का 'दर्पदलन' रथ लगभग 400 मीटर की दूरी तय करने के बाद मारिचकोटे छक पर रुक गया जबकि भगवान जगन्नाथ के नंदीघोष गज ही खींचा गया और वह मुख्य मंदिर के सिंहद्वार के पास ही रुका रहा।

रेप पीड़िता बच्ची की मौत पर तीखी टिप्पणी

तो आप अपने नाम से डॉक्टर हटा लो, सुप्रीम कोर्ट की डॉक्टरों को फटकार

एजेंसी ►► नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने आज गाजियाबाद में रेप पीड़िता चार साल की मासूम बच्ची को भर्ती करने से इनकार करने वाले दो निजी अस्पतालों को कड़ी फटकार लगाई है। डॉक्टर के पेशे में निहित संवेदनशीलता नहीं दिखाने को लेकर भी तीखी आलोचना की। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की बेंच ने अस्पतालों और डॉक्टरों को फटकार लगाते हुए कहा कि आपने उस बच्ची को इसलिए नजरअंदाज किया था क्योंकि वह गरीब थी। ऐसा करना मानवता को शर्मसार करने वाली आदत है और आपको अपने नाम से डॉक्टर शब्द ही हटा लेना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने अस्पतालों से कहा कि वे पीड़ित परिवार की मदद के लिए अपनी मर्जी से दान दें, वरना उन पर जुर्माना लगाया जाएगा। बता दें कि गाजियाबाद में रेप पीड़िता चार साल की बच्ची की मौत हो गई। उस बच्ची को प्राइवेट अस्पतालों ने एडमिट करने से मना कर दिया था और इस वजह से उसे मृत घोषित कर दिया गया।

पुलिस ने भी अपनी इयूटी सही नहीं निभाई : कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने अप्रैल में कहा था कि इस घटना की सबसे बड़ी बात यह है कि स्थानीय पुलिस ने भी परिजनों को महत्व नहीं दिया और कैसे दर्ज करने से इनकार करते रहे। इस मामले पर जब बवाल मचा तो पुलिस ने 17 मार्च को एफआईआर दर्ज की और 18 मार्च को आरोपी को गिरफ्तार किया गया। सबसे बड़ी बात ये है कि एफआईआर में पॉक्सो और सेक्शन 376 नहीं जोड़ा गया था।

अमेरिकियों को ठगने वाले सात गिरफ्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के एक पॉश इलाके में स्थित रिहायशी अपार्टमेंट से कथित रूप से संचालित किए जा रहे फर्जी कॉल सेंटर का पुलिस ने शुक्रवार को भंडाफोड़ किया। इस फर्जी कॉल सेंटर के जरिये अमेरिका के नागरिकों को निशाना बनाया जाता था। पुलिस ने इस मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है और बड़ी संख्या में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, इससे पहले एक जुलाई को अपराध शाखा ने राजधानी के गोमतीनगर इलाके स्थित समित बिल्डिंग से संचालित एक अन्य फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया था।

TRUE VALUE

खरीदे प्री-ओन्ड गाड़ी भरोसे के साथ, सिर्फ TRUE VALUE पर

CELEBRATING 60Lakh STORIES OF TRUST

True Value ऐप यहाँ डाउनलोड करें।

376 क्वालिटी चेक पॉइंट्स

वेरिफाइड कार हिस्ट्री*

1 साल तक की वारंटी और 3 फ्री सर्विस*

पूछताछ के लिए कॉल करें 1800 102 1800 | या जाएँ यहाँ www.marutisuzukitruevalue.com

BILASPUR: INDUSTRIAL AREA, SIRGITT: SATYA AUTO PVT. LTD.: 9425280148 | PARSADA, TRANSPORT NAGAR: M SQUARE MOTORS: 7000857522 | KORBA: SHED NO 10, RAJGAMAR ROAD, INDUSTRIAL AREA: SATYA AUTO PVT. LTD.: 9516014225 | RAIGARH: NH49, ODISHA ROAD, BANJIPALI, RAIGARH: SATYA AUTO PVT. LTD.: 9109194894 | AMBIKAPUR: MAHAMAYA AUTO CARS: 7583887512, 6261683314.

*नियम और शर्तें लागू। Verified Car History और Warranty केवल True Value प्रमाणित कारों पर लागू। नि:शुल्क सेवा केवल श्रम शुल्क पर लागू है। वाहन पर काला शीशा प्रकाश प्रभाव के कारण होता है। छवियों का इस्तेमाल केवल उदाहरण मात्र है।

मदद करने का झांसा एटीएम से 19 हजार पार रायपुर। एटीएम से पैसे निकालने गई महिला के साथ शांति ठगों ने मदद के बहाने एटीएम कार्ड बदलकर 19 हजार रुपए निकाल लिए। पीड़िता को घटना की भनक तब लगी, जब घर पहुंचने के बाद परिजनों ने खाते से रुपए निकलने की जानकारी दी। लीलावती यादव की शिकायत पर आरंग पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। महिला ने पुलिस को बताया कि वह एटीएम में पैसे निकालने गई थी। रकम नहीं निकलने पर उसने वहां मौजूद दो लड़कों से मदद मांगी। शांतिरं ने महिला की एटीएम बदलकर दूसरा एटीएम धमाकर रकम आहरित कर ली।

चाकू की नोक पर मजदूर से नकदी-मोबाइल लूटा रायपुर। काम से लौट रहे मजदूर के साथ तीन अज्ञात बदमाशों ने 12 सौ रुपए नकद के साथ मोबाइल लूट की घटना को अंजाम दिया है। घटना मंदिर हसौद थाना क्षेत्र की है। टाइटल्स लगाने का काम करने वाला मूलतः राजस्थान निवासी अमरजीत सिंह ने लूट की शिकायत दर्ज कराई है। मजदूर ने पुलिस को बताया कि वह बुधवार शाम अपने साथी के साथ काम खत्म करने के बाद पैदल अपने घर लौट रहा था। बाइक सवार तीन लड़के स्कार्फ बांधे हुए अमरजीत के करीब पहुंचे और चाकू की नोक पर धमकाते हुए उसके साथ लूट की।

साइबर ठगों ने बनाई एसएसपी की फर्जी फेसबुक प्रोफाइल

हरिभूमि न्यूज़

अबिकापुर

साइबर ठगों के हौसले किस कदर बुलंद है इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि अब अपराधी पुलिस अधीक्षक की फेक आईडी बनाने से भी बाज नहीं आ रहे हैं। ताजा मामला सरगुजा से सामने आया है जहां वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल का फर्जी फेसबुक आईडी बना लिया गया। इस मामले को खुलासा होने के बाद एसएसपी की ओर से साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है।

■ जानकारी सामने आने के बाद कराई गई साइबर सेल में शिकायत

बता दें कि सरगुजा में साइबर ठगी के मामले आए दिन सामने आते रहते हैं। कभी लोगों को एपीके फाइल भेजकर उनके मोबाइल को हैक किया जाता है तो कभी उनके नाम से फर्जी वाट्सएप अकाउंट बनाकर रुपयों

एसएसपी ने की शिकायत, मेटा को भी दी सूचना

साइबर ठगों द्वारा फर्जी आईडी बनाई गई और उसमें एसएसपी श्री अग्रवाल की फोटो और पुलिस विभाग के आला अधिकारियों की फोटो लगाकर लोगों को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजकर चैट में मोबाइल नंबर मांगा जा रहा है। इस बात की जानकारी लगने के बाद एसएसपी श्री अग्रवाल ने साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई है और मेटा कंपनी को भी इसकी सूचना दी गई है। एसपी ने लोगों से साइबर ठगों से सतर्क रहने और किसी भी प्रकार की ठगी होने पर तत्काल पुलिस से शिकायत करने की बात कही है।

राज्यपाल से मिले कांग्रेस नेता एवं नकटी गांव के पीड़ित

रायपुर। कांग्रेस नेताओं एवं नकटी गांव में प्रभावित 85 गकब परिवारों के प्रतिनिधिमेंडल ने राज्यपाल से मुलाकात कर अपनी पीड़ा और समस्याओं से अवगत कराया। इस दौरान राज्यपाल ने पीड़ित परिवारों की समस्याओं को अत्यंत संवेदनशीलता एवं सहानुभूतिपूर्वक सुना। पीड़ित महिलाओं की आपबीती सुनने के बाद उन्होंने प्रभावित परिवारों को आश्वास दिया कि उनके मामले पर गंभीरता से विचार किया जाएगा तथा नकटी गांव में ही उनके पुनर्व्यवस्थापन के संबंध में सकारात्मक पहल करने और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने की सहमति जताई। प्रतिनिधिमेंडल में पूर्व विधायक विकास उपाध्याय, पूर्व विधायक अनिता शर्मा, पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा, प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला, रायपुर शहर जिला अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन, रायपुर ग्रामीण जिला अध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे, पूर्व महापौर प्रमोद दुबे, पूर्व महापौर एजाज डेबर, पंकज शर्मा, प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष आकाश शर्मा, नगर निगम नेता प्रतिपक्ष शामिल थे।

अमृत भारत स्टेशन योजना, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सरोना, बालोद और चांपा स्टेशन का लोकार्पण

सरोना को मिली नई पहचान, यात्रियों ने उठाया आधुनिक सुविधाओं का लाभ, पीएम ने किया वर्चुअल लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज़

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जालंधर कैंट से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सरोना, बालोद और चांपा रेलवे स्टेशनों का वर्चुअल लोकार्पण किया। सरोना रेलवे स्टेशन में आयोजित लोकार्पण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल रमन डेका शामिल हुए। कार्यक्रम में सांसद बृजमोहन अग्रवाल, महापौर मीनल चौबे, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश सहित अनेक जनप्रतिनिधि व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। राज्यपाल रमन डेका ने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत छत्तीसगढ़ के पुनर्विकसित सरोना, बालोद और चांपा रेलवे स्टेशन विकसित भारत की उस नई सोच का प्रतीक है, जहां यात्रियों को अब विश्वस्तरीय सुविधाएं और बेहतर यात्रा अनुभव मिलेगा। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि रायपुर मुख्य रेलवे स्टेशन के साथ अब सरोना स्टेशन एक महत्वपूर्ण सहायक स्टेशन के रूप में विकसित होगा। इससे रायपुर और पूरे छत्तीसगढ़ के लाखों यात्रियों को बेहतर सुविधाएं तथा सुगम आवागमन का लाभ मिलेगा। इस अवसर पर मेरे शहर का स्टेशन विकसित भारत में कैसे होगा विषय पर आयोजित ड्राइंग, निबंध, नृत्य एवं सेलेफ़ी विद स्टेशन प्रतियोगिताओं के प्रतिभाशाली विजेताओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

यात्रियों ने किया स्टेशन का भ्रमण

लोकार्पण के बाद यात्रियों ने पूरे स्टेशन का भ्रमण कर वहां विकसित की गई सुविधाओं का अवलोकन किया और उनका उपयोग भी किया। अब एक प्लेटफॉर्म से दूसरे प्लेटफॉर्म तक जाने के लिए यात्रियों को भारी सामान लेकर सीढ़ियां नहीं चढ़नी पड़ेंगी, क्योंकि रेलवे ने लिफ्ट की सुविधा उपलब्ध कराई है। इसके अलावा स्वच्छ शौचालय, पेयजल, वेंटिंग हॉल और प्लेटफॉर्म की साफ-सफाई ने भी यात्रियों को प्रभावित किया।

फूलों और तिरंगे गुब्बारों से सजा स्टेशन

लोकार्पण के अवसर पर पूरे स्टेशन को फूलों और तिरंगे रंग के गुब्बारों से सजाया गया था। लगभग 14 करोड़ रुपये का लागत से विकसित सरोना स्टेशन की हाई-टेक सुविधाओं को देखकर यात्रियों ने भी सराहना की। यात्रियों का कहना था कि रेलवे ने पहले असुविधाओं वाले इस स्टेशन को अब राजधानी के रेलवे स्टेशन जैसी सुविधाओं से सुसज्जित कर दिया है। वर्षों से सरोना स्टेशन से यात्रा कर रहे यात्री वेदांत निषाद ने कहा कि वह 1986 में स्टेशन बनने के समय से यहां से सफर कर रहे हैं। अब यात्रियों को धूप और बारिश से बचते हुए यात्रा करने की सुविधा मिलेगी। वहीं छात्र साक्षी साहू ने कहा कि पूरे स्टेशन में बेटी विषय पर आधारित रंग-रोगन किया गया है।

विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को मिली नई मजबूती

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में रेल अधीनस्थता का व्यापक आधुनिकीकरण हो रहा है और इसका प्रत्यक्ष लाभ छत्तीसगढ़ को भी मिल रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के चांपा, बालोद एवं सरोना रेलवे स्टेशनों का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्चुअल लोकार्पण प्रदेश के रेल विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस जनहितकारी पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति शोशल मीडिया में पोस्ट कर आभार व्यक्त करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि केंद्र सरकार के निरंतर सहयोग से छत्तीसगढ़ में आधारभूत अधीनस्थता का तेजी से विकास हो रहा है, जिसका लाभ प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र और प्रत्येक नागरिक तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित इन रेलवे स्टेशनों के विकसित होने से यात्रियों को अधिक सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव मिलेगा।

परिवार का एक भी सदस्य सरकारी नौकरी में तो नहीं मिलेगी अनुकंपा नियुक्ति

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने अनुकंपा नियुक्ति से संबंधित एक मामले में स्पष्ट किया है कि यदि मृतक सरकारी सेवक के परिवार का कोई सदस्य पहले से सरकारी सेवा में है, तो अन्य सदस्य को अनुकंपा नियुक्ति नहीं दी जा सकती। अदालत ने यह भी कहा कि इस मामले में यह जांच नहीं की जा सकती कि सरकारी नौकरी में कार्यरत सदस्य परिवार को आर्थिक सहायता दे रहा है या अलग रह रहा है।

जस्टिस राकेश मोहन पांडे की एकल पीठ ने कृषि विकास अधिकारी के पुत्र द्वारा दायर याचिका को खारिज करते हुए कहा कि राज्य सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग की नीति और हाईकोर्ट की 'फुल बेंच' द्वारा निर्धारित कानूनी सिद्धांतों को सीधा ठहराया है। दुर्ग निवासी वीरमणि सोनवानी के पिता थान सिंह सोनवानी कृषि विभाग में कार्यरत थे और 19 अक्टूबर 2016 को निधन हो गया। इसके बाद याचिकाकर्ता ने

अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन किया, जिसे विभाग ने 7 मार्च 2020 को खारिज कर दिया, क्योंकि याचिकाकर्ता का भाई पहले से सरकारी नौकरी में था। याचिकाकर्ता ने हाई कोर्ट में दोबारा याचिका दायर की, जिसमें निर्भरता की जांच के निर्देश दिए गए। हालांकि, विभाग ने 12 अगस्त 2021 को आवेदन को फिर से निरस्त कर दिया। याचिकाकर्ता की ओर से तर्क दिया गया कि भाई अलग रहता है और परिवार को कोई सहायता नहीं देता। हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अनुकंपा नियुक्ति नीति के नियमों के तहत ही दी जा सकती है। जब नीति में स्पष्ट रूप से यह प्रतिबंध है, तो कोर्ट आर्थिक सहायता न मिलने की जांच का आदेश नहीं दे सकता।

6.35 लाख के गांजा के साथ अंतर्राज्यीय तस्क़र गिरफ्तार

जगदलपुर। नगरनार पुलिस ने दो अंतर्राज्यीय तस्क़रों को लाखों रुपए के गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। ओडिशा से गांजा लेकर यूपी जाने बस का इंतजार कर रहे थे

पदार्थ गांजा कीमत 6 लाख 35 हजार बरामद कर जब्त किया गया। आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ धारा 20 (ख) एनडीपीएस के तहत मामला दर्ज किया गया। आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया। त्वरित कार्रवाई में निरीक्षक संतोष सिंह के अलावा स्टाफ का योगदान रहा।

शर्मा निवासी ग्राम सरफदीनपुर थाना मलावा जिला हरदोई उत्तरप्रदेश व मोनू चौंसिया निवासी ग्राम थाना सुरसा जिला हरदोई उत्तरप्रदेश को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ धारा 20 (ख) एनडीपीएस के तहत मामला दर्ज किया गया। आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया। त्वरित कार्रवाई में निरीक्षक संतोष सिंह के अलावा स्टाफ का योगदान रहा।

चोरी मामले में दो नाबालिग समेत तीन गिरफ्तार

रायपुर। सूने मकान में पौने आठ लाख रुपए कीमत के सोने-चांदी के जेवर तथा नकदी चोरी करने वाले तीन चोरों को राजेंद्र नगर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों ने दो नाबालिग हैं। अमलीडीह बीएसएयूपी कॉलोनी निवासी बिरबम्बर महानंद की शिकायत पर पुलिस ने शांति नकबजन पवन मंडल तथा उसके दो अन्य नाबालिग साथियों को गिरफ्तार किया है।

कार्यालय नगर पालिक निगम जगदलपुर जिला बस्तर (छ.ग.)

मैनुअल पद्धति निविदा सूचना				
क्रमांक 1421/नपानि / भंडार / 2026-27		जगदलपुर दिनांक 15/07/2026		
नगर पालिक निगम जगदलपुर द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 (दर स्वीकृति दिनांक से 31 मार्च 2027 अवधि तक) हेतु दर अनुबंध निविदा प्रपत्र -सी- में प्रचार-प्रसार एवं प्रिटिंग (प्लैक्स-बैनर) एवं भोजन / जलपान व्यवस्था कार्य हेतु निविदा आमंत्रित है:-				
क्रमांक	कार्य विवरण	निविदा प्रपत्र शुल्क	अमानत राशि	अनुमानित लागत
1	प्रचार-प्रसार एवं प्रिटिंग (प्लैक्स बैनर) कार्य हेतु	750.00	20000.00	9.95 लाख
2	भोजन एवं जलपान व्यवस्था	750.00	20000.00	9.90 लाख

उपरोक्त कार्यों की निविदा प्रपत्र -सी- में न्यूनतम दर दिनांक 05/08/2026 को सांय 5.30 बजे तक स्पीड पोस्ट/पंजीकृत डाक से निविदा आमंत्रित की जाती है। प्राप्त समस्त निविदाये दिनांक 06/08/2026 को सांय 4.00 बजे खोले जावेंगे। इस हेतु कोरे निविदा प्रपत्र दिनांक 27.07.2026 को कार्यालयीन समय तक कार्यालय से निर्धारित शुल्क जमा कर आवेदन प्राप्त की जा सकती है। नियम एवं शर्तों कार्यालयीन अवधि में निगम कार्यालय या विभागिय वेबसाईट <http://uad.cg.gov.in> से एवं भंडार शाखा में देखी / प्राप्त की जा सकती है।

कार्यापालन अभियंता
नगर पालिक निगम, जगदलपुर

कार्यालय, नगर पालिक निगम कोरबा (छत्तीसगढ़)

फा.क. / संपदा/15/भवन /2026 /6536					कोरबा दिनांक 10/7/26			
लीज हस्तांतरण हेतु आम सूचना								
सर्व साधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित व्यक्ति के द्वारा आर्बिट्रेट भवन/भूखण्ड/दुकान के विकय/लीज हस्तांतरण के संबंध में किसी व्यक्ति / संस्था / निकाय को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति मध्य प्रमाण सहित इस आम सूचना प्रकाशन तिथि से 30 दिवस के भीतर नगर पालिक निगम कोरबा कार्यालय साकेत भवन में उपस्थित होकर अथवा अपने प्रतिनिधि के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। विवरण निम्नानुसार है :-								
क्र.	लीजकर्ता का नाम	लीज ग्रहिता का नाम	योजना का नाम	प्रकार/ क्रमांक				
भवन								
1	श्री उत्तम कुमार दत्ता आ.रव.के.पी. दत्ता एवं श्रीमती शुष्मन्ता दत्त पति श्री उत्तम कुमार दत्ता, निवासी एत.आई.जी. 190 महाराणा प्रताप नगर कोरबा, तहसील व जिला-कोरबा (छ.ग.)	श्री दीपक दुवारी आ.श्री अशोक दुवारी एवं श्रीमती रवेला दत्ता पति श्री दीपक दुवारी, निवासी एत.आई.जी. 190 महाराणा प्रताप नगर कोरबा, तहसील व जिला-कोरबा (छ.ग.)	महाराणा प्रताप नगर कोरबाकी कोरबा	एत.आई.जी. 190				
2	श्री त्रिदीप चक्रवर्ती पति रव. मयूजय चक्रवर्ती एवं श्रीमती नीता चक्रवर्ती पति श्री त्रिदीप चक्रवर्ती, निवासी एत.आई.जी. 39 एम.पी. नगर कोरबा, तहसील व जिला-कोरबा (छ.ग.)	श्री रोहित तेजवानी, पिता श्री मनोज तेजवानी, निवासी ई.डब्ल्यू. एस. 295 महाराणा प्रताप नगर कोरबा, तहसील व जिला कोरबा (छ.ग.)	महाराणा प्रताप नगर कोरबाकी कोरबा	एच.आई.जी. 130				
3	श्री तल्लित कुमार खर्गणकार एवं श्रीमती प्रेमलता खर्गणकार, निवासी एत.आई.जी. 93 डॉ. राजेंद्र प्रसाद नगर कोरबा, जिला-कोरबा (छ.ग.)	श्री जय कुमार सोनी पिता रव. फुलचंद सोनी एवं श्रीमती सोनी पति श्री जय कुमार सोनी, निवासी ई 247 सीएसडीबी कॉलोनी कोरबा, तहसील व जिला-कोरबा (छ.ग.)	डॉ. राजेंद्र प्रसाद नगर कोरबाकी कोरबा	एम.आई.जी. 93				
4	श्रीमती उषा जोशी पति रव. मंदेश कुमार जोशी, निवासी एत.ई. एम.पी. 502 एस.जी.मॉडल नेवर सिटी अमलीडीह, महवीर नगर रायपुर, तहसील व जिला-रायपुर (छ.ग.)	श्री प्रिंस कुमार मिश्रा आ.श्री खेम प्रसाद मिश्रा, निवासी एत.आई.जी. 24 हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी जमनीपाली, तहसील-दर्री, जिला-कोरबा (छ.ग.)	सरदार वल्लभ भाई नगर, पश्चिमी कोरबा	सीन.एम.आई.जी. ए/06				
भूखण्ड								
5	जागेश्वर प्रसाद प्रधान, पिता श्री भागवती प्रधान, निवासी -125 महामाया पारा, रतनपुर, जिला- बिलासपुर (छ.ग.)	दीपक कुमार डे, उम्र 38 वर्ष, पिता श्री सुनील डे, निवासी सुनार माली गांधी चौक कोरबा, तहसील व जिला-कोरबा (छ.ग.)	प. रविशंकर शुक्ल नगर कोरबा	एच.आई.जी. 28				
दुकान								
6	श्री राजबीर सिंह रतनपाल, पिता श्री सतवंत सिंह रतनपाल, निवासी 3ए 201, एस.एस.एम्बलेव पावर हाउस रोड कोरबा, तहसील व जिला-कोरबा (छ.ग.)	श्री भूपिंदर पाल सिंह रतनपाल पिता श्री सतवंत , सिंह रतनपाल, निवासी सी 02 नमन विहार आयुष्मान हस्पिटल के पास शारदा विहार कोरबा, तहसील व जिला-कोरबा (छ.ग.)	नेहरू चौक काम्पलेक्स	दुकान क्रमांक सी-06				
7	श्री सीरम अयाल पिता रव. बालवीर प्रसाद अग्रवाल, निवासी 27 अग्रसेन मार्ग कोरबा, तहसील व जिला-कोरबा (छ.ग.)	श्री अमन विश्वकर्मा पिता श्री परमेश्वर विश्वकर्मा, निवासी मकान नं. 1948 मिशन रोड कोरबा, तहसील व जिला-कोरबा (छ.ग.)	स्पोर्ट्स काम्पलेक्स	दुकान क्रमांक 01				
संपदा अधिकारी नगर पालिक निगम कोरबा (छ.ग.)								

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन विभाग क्र. 1, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ.ग.)

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: <https://eproc.cgstate.gov.in>
(द्वितीय आमंत्रण)

निविदा सूचना क्रमांक 03/व.ले.लि./ 2026-27 दिनांक 15.07.2026 निम्नलिखित कार्य के लिये दिनांक 03.08.2026 (17.30 बजे) तक ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है:-

स. क्र.	सिस्टम निविदा क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत
1	195449	कार्यपालन अभियंता जल संसाधन विभाग क्र0-1 अम्बिकापुर कार्यालय का जीर्णोद्धार कार्य।	रु. 378.35 लाख (जी.एस.टी. छोड़कर)

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट <https://eproc.cgstate.gov.in> पर दिनांक 22.07.2026 समये 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है। नोट: निविदा मे भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट <https://eproc.cgstate.gov.in> पर नामांकित/ पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकिकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन विभाग क्र. 1, अम्बिकापुर (छ.ग.)
कृते - मुख्य अभियंता हसनदेव गांगा कछार
जल संसाधन विभाग अम्बिकापुर, सरगुजा

जी.- 262702193/6

कार्यालय छत्तीसगढ़ माध्यस्थ्य अधिकरण
शहीद रवीनारायण सिंह परिसर, नगर घड़ी चौक, रायपुर (छ.ग.)
दूरभाष / फ़ैक्स नंबर 0771-2223411
ई-मेल arbitration.cg@gov.in

विज्ञापन
क्र. 396/स्था-16/छ.ग.मा.अ. / 26
रायपुर, दिनांक 17/07/2026

इस अधिकरण में अनुभवा अधिकाारी लेवल-10 का 01 पद रिक्त है, जिसे उक्त पद के समकक्ष पद से सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों द्वारा संविदा नियुक्ति के माध्यम से भरा जाना है।

इच्छुक अभ्यर्थी विज्ञापन प्रकाशित होने की तिथि से 07 दिवस के भीतर अपना आवेदन पत्र में कार्य अनुभव, अंतिम पदस्थापना का पदनाम आदि की जानकारीयों का उल्लेख करते हुए सेवा के अंतिम पाँच वर्षों की गोपनीय चरित्रावली संलग्न कर इस अधिकरण में डाक द्वारा अथवा उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। अंतिम तिथि के शाम 05:00 बजे के उपरांत प्राप्त होने वाले आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जावेगा। न्यायालय से सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी को प्राथमिकता दी जावेगी।

उक्त संविदा नियुक्ति छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (संविदा) नियम, 2012 के अधीन होगी।

(अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार)
रजिस्ट्रार
छ.ग. माध्यस्थ्य अधिकरण
रायपुर (छ.ग.)

जी.- 262702211/1

छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग
कार्यालय मुख्य अभियंता
महानदी परियोजना जल संसाधन विभाग रायपुर (छ.ग.)

ई. प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: <https://eproc.cgstate.gov.in>
निरस्तीकरण सूचना

इस कार्यालय द्वारा जारी निविदा सिस्टम क . 190716/निविदा सूचना क्र. 03/व.ले. लि./2026-27 दिनांक 15.05.2026 के द्वारा समतरी जिले के बांध सुरक्षा के अंतर्गत रविशंकर सागर जलाशय (गंगरेल बांध) में Epoxy grouting, Flexible shaft high pressure water jet से choked VPD का सफाई कार्य के निविदा के प्रथम आमंत्रण में कोई भी निविदाकार योग्य नहीं पाये जाने के कारण निविदा निरस्त की जाती है, जिसका सूचना प्रकाशन क्र. जी. नं. 262700779 है।

कार्यपालन अभियंता
जल प्रबंध संभाग रुद्री कोड नं. 38 (छ.ग.)
वास्ते मुख्य अभियन्ता
महा.परि. जल संसाधन विभाग रायपुर

जी.- 262702187/4

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भा/स) अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

निविदा आमंत्रण तिथि 16.07.2026
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

01. निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये Log in करें <http://eproc.cgstate.gov.in>
02. संबंधित संभाग-पथलगांव संभाग
03. स. क्र. 01 से 3 'द' वर्ग एवं ऊपर ठेकेदार
04. ऑनलाइन निविदा डालने की अंतिम तिथि- 06.08.2026

सरल क्र.	एनआईटी क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)
1	132	जिला जशपुर फरसाबहार में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी सह कृषि आदान सामग्री गोदाम हेतु नवीन भवन का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	54.02
2	133	जिला जशपुर पथलगांव में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी सह कृषि आदान सामग्री गोदाम हेतु नवीन भवन का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	54.02
3	134	जिला जशपुर पथलगांव में कृषि अनुविभागीय अधिकारी हेतु नवीन भवन का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	49.38

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

जी.- 262702200/5

आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा बोले- एक साक्षात्कार में

पश्चिम एशिया संकट, कमजोर मानसून देश की वृद्धि के लिए जोखिम: आरबीआई

एजेसी ►► नई दिल्ली

मल्होत्रा ने एक साक्षात्कार में कहा कि पिछले वित्त वर्ष में देश की वृद्धि दर 7.7 प्रतिशत रही जबकि सालपूर्व वित्त वर्ष के लिए आरबीआई ने विभिन्न चुनौतियों के बावजूद 6.6 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि का अनुमान लगाया है। उन्होंने कहा, मौद्रिक और राजकोषीय नीतियां मजबूत हैं, जिसके कारण हमारी वृद्धि दर उच्च बनी हुई है।”

महंगाई का अनुमान बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत

मुद्रास्फीति पर उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए महंगाई का अनुमान 4.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत कर दिया है। मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों की कीमतों बढ़ने से जून में खुदरा महंगाई बढ़कर 4.38 प्रतिशत हो गई जबकि खाद्य मुद्रास्फीति 5.32 प्रतिशत रही।

बैंक एआई की उन्नत प्रौद्योगिकी

का लाभ उठाए

कुत्रिम मेधा (एआई) के उपयोग पर उन्होंने कहा कि आरबीआई ने बैंकों को बाहक सेवा बेहतर करने, लागत घटाने और निर्णय क्षमता बढ़ाने के लिए इसका उपयोग बढ़ाने की सलाह दी। साथ ही साइबर सुरक्षा और डेटा गोपनीयता पर सतर्क रहने को कहा है। मल्होत्रा ने हफ्ते की शुरुआत में सार्वजनिक एवं चुनिंदा निजी बैंकों के प्रबंध विदेशों को एवं मुख्य कार्यालयात अधिकारियों (सीईओ) के साथ बैठक में भी एआई जैसी उन्नत प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाने के लिए कहा था।

हाइड्रोजन ट्रेन में 40% स्टील जिंदल स्टेनलेस का लगा

एजेसी ►► नई दिल्ली

जिंदल स्टेनलेस ने शुक्रवार को कहा कि उसने भारत की पहली हाइड्रोजन चालित ट्रेन में इस्तेमाल हुई कुल स्टेनलेस स्टील के करीब 40 प्रतिशत हिस्से की आपूर्ति की है। इस ट्रेन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

स्टेनलेस स्टील विनिर्माता कंपनी ने एक बयान में कहा कि इस उपलब्धि के साथ भारत उन चुनिंदा देशों के समूह में शामिल हो गया है जहां हाइड्रोजन आधारित ट्रेनें परिचालन में हैं। यह रेल क्षेत्र में स्वच्छ और टिकाऊ परिवहन को अपनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जिंदल स्टेनलेस के मुताबिक, इस ट्रेन के निर्माण में प्रीमियम ऑस्टेनिटिक स्टेनलेस स्टील ग्रेड का इस्तेमाल किया गया है। इसकी आपूर्ति कंपनी के जाजपुर और हिसार संयंत्रों की से गई। कंपनी के प्रबंध निदेशक अश्वयुद्ध जिंदल ने कहा, भविष्य का परिवहन उन्नत सामग्रियों पर आधारित होगा, जो उन प्रौद्योगिकियों को अधिक दक्ष, टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल बनाती हैं। कंपनी ने कहा कि जंग-रोधक क्षमता, उच्च मजबूती,

- ट्रेन के निर्माण में प्रीमियम ऑस्टेनिटिक स्टेनलेस स्टील ग्रेड का उपयोग



हल्के वजन, आग और झटकों से सुरक्षा तथा पुनर्चक्रण की सुविधा जैसे गुणों के कारण आधुनिक रेल डिब्बों में स्टेनलेस स्टील को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके हल्के वजन से ऊर्जा दक्षता भी बढ़ती है, जो हाइड्रोजन ट्रेनों जैसी नई प्रौद्योगिकी के लिए उपयुक्त है।

तीन दशकों से भारतीय रेल को आपूर्ति

यह हाइड्रोजन चालित ट्रेन जौद और सोनीपत के बीच 89 किलोमीटर की दूरी करीब दो घंटे में तय करेगी और मार्ग में 12 स्टेशनों पर रूकेगी। जिंदल स्टेनलेस पिछले तीन दशकों से भारतीय रेल को आपूर्ति करती रही है। इनमें वंदेभार स्लीपर ट्रेन और देश की पहली वंदे मेट्रो ट्रेन भी शामिल हैं।

आईटीआई को बीएसएनएल से मिला 856 करोड़ का ठेका



नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार उपकरण विनिर्माता आईटीआई लिमिटेड को भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के लिए पश्चिमी क्षेत्र में 4जी मोबाइल नेटवर्क तैनात करने का 856.39 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। आईटीआई लिमिटेड ने कहा कि

उसे हाल ही में बीएसएनएल से पश्चिम भारत में 4जी मोबाइल नेटवर्क विस्तार के लिए यह कार्यदेश प्राप्त हुआ है। इस क्षेत्र में महाराष्ट्र, गोवा, गुजरात, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और मुंबई लाइसेंस सेवा क्षेत्र शामिल हैं। इस परियोजना के तहत 7,613 स्थलों पर 4जी नेटवर्क की योजना बनाना, अभियांत्रिकी कार्य, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और चालू करना शामिल है, जिसे पूर्ण समाधान आधार पर पूरा किया जाएगा।

सरकार ने लौह अयस्क को प्रमुख बुनियादी उद्योग सूचकांक में जोड़ा

एजेसी ►► नई दिल्ली

सरकार ने लौह अयस्क को प्रमुख बुनियादी उद्योगों की सूची में शामिल किया है। इस कदम से अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन का और बेहतर आकलन करने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही प्रमुख बुनियादी उद्योगों की संख्या आठ से बढ़कर नौ हो गई है। वर्तमान में सरकार आठ प्रमुख क्षेत्रों कच्चा तेल, पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पाद, सीमेंट, बिजली, प्राकृतिक गैस, उर्वरक, तैयार इस्पात और कोयला के प्रदर्शन का मासिक आधार पर आकलन करती है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को बयान में कहा, ”औद्योगिक उत्पादन में लौह अयस्क के व्यापक उपयोग और औद्योगिक विकास में इसके महत्वपूर्ण योगदान को देखते हुए संशोधित बुनियादी उद्योग सूचकांक (आईसीआई) श्रृंखला में लौह



- इस कदम से अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन बेहतर आकलन में मदद मिलेगी

- प्रमुख बुनियादी क्षेत्रों की संख्या आठ से बढ़कर नौ हुई

अयस्क को शामिल किया गया है।मंत्रालय ने बताया कि नौ प्रमुख क्षेत्रों के आंकड़ों वाली नई श्रृंखला, जिसका आधार वर्ष 2022-23 होगा, इस साल 20 जुलाई को जारी की जाएगी। संशोधित श्रृंखला मौजूदा बुनियादी उद्योग सूचकांक श्रृंखला की जगह लेगी, जिसका आधार वर्ष 2011-12 है।

2011 में गैस और उर्वरक क्षेत्र शामिल किए गए थे

सरकार ने वर्ष 2011 में प्राकृतिक गैस और उर्वरक को दो नए क्षेत्रों के रूप में प्रमुख बुनियादी उद्योगों में शामिल किया था। मई में आठ प्रमुख बुनियादी क्षेत्रों की उत्पादन वृद्धि दर घटकर सात महीने के निचले स्तर 0.5 प्रतिशत पर आ गई थी। कोयला, कच्चे तेल और रिफाइनरी उत्पादों के उत्पादन में गिरावट के कारण इसकी कमी आई थी।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा है कि पश्चिम एशिया संकट और कमजोर मानसून की आशंका आर्थिक वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण जोखिम हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि मजबूत व्यापक आर्थिक आधार के चलते भारत ने पिछले कुछ वर्षों में सात प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर दर्ज की है।

भारत ने पिछले कुछ वर्षों में सात फीसदी से अधिक की वृद्धि दर्ज की

पिछले वर्ष देश की वृद्धि दर 7.7 प्रतिशत रही

चालू वित्त वर्ष में मौजूदा चुनौतियों के बावजूद 6.6 फीसदी का अनुमान



महंगाई टिकाऊ वृद्धि की आधारशिला

मल्होत्रा ने कहा कि आरबीआई मुद्रास्फीति पर नियंत्रण को प्राथमिकता देते हुए वृद्धि को भी समर्थन देता रहेगा। उन्होंने कहा, ”कम और स्थिर महंगाई टिकाऊ वृद्धि की आधारशिला है। ग्रहण वृद्धि के बारे में उन्होंने कहा कि जून में बैंक ग्रहण वृद्धि सालाना आधार पर करीब 18 प्रतिशत रही, जो मई के 17.5 प्रतिशत से अधिक है।

छाप की स्थिति सामान्य मानी जा सकती है

मल्होत्रा ने कहा, ”पश्चिम एशिया में युद्ध के बाद डॉलर मजबूत हुआ है। कई देशों की मुद्राएं कमजोर पड़ी हैं। अगर हम वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखें तो भारतीय रुपये की स्थिति सामान्य मानी जा सकती है।”

मल्होत्रा ने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) पर कहा कि पिछले वर्ष सकल एफडीआई लगभग 95 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर रहा, जबकि चालू वित्त वर्ष के पहले दो

महीनों में थुथुर एफडीआई करीब सात अरब डॉलर रहा है।

न्यायालय तहसीलदार बैकुण्ठपुर, जिला कोरिया (छ.ग.)

ईकोर्ट रा.प्र.क्र./अ-19(3)/2025-26

// इशतहार //

सर्व साधारण ग्राम बड़गांव प.ह.नं. 20 तहसील बैकुण्ठपुर जिला कोरिया (छ.ग.) तथा हितवद् पक्षकारों को सूचित किया जाता है, कि कार्यालय उप पीजीएफ एशु विक्तरिया सर्व बैकुण्ठपुर द्वारा कार्यालयीय पत्र क्रमांक 1197/प्रतिन/2026-27 बैकुण्ठपुर दिनांक 07.07.2026 के द्वारा शासकीय कुक्कूट पालन प्रश्नक बैकुण्ठपुर के पुर्ननिर्माण/पुनरावर्तन हेतु ग्राम बड़गांव में भूमि आवेदन हेतु आवेदन प्राप्त हुआ है आवेदन पत्र के साथ खसरा पट्टासाला की छायावर्ति संलग्न किया गया है।

अतः उक्त संबंध हित रखने वाले व्यक्तियों को यदि कोई आपत्ति हो, तो वे दिनांक 31/07/26 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभियन्तक के द्वारा इस न्यायालय में आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निम्न स्थिति के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार विमर्श नहीं किया जाएगा।

जारी दिनांक 17/07/26

तहसीलदार, बैकुण्ठपुर जिला कोरिया (छ.ग.)



छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल

पर्यावास भवन, सेक्टर-19, नवा रायपुर अटल नगर, जिला- रायपुर (छ.ग.)

// सर्व संबंधित को सूचना //

भारत सरकार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली की अधिसूचना दिनांक 14.09.2006 (स्था संशोधित) के तहत सर्व संबंधित को सूचित किया जाता है कि मेसर्स नचिकाया गॉवर एण्ड स्टील प्राइवेट लिमिटेड, ग्राम - सिलपहरी, सिलपहरी इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला- बिलासपुर (छ.ग.) में क्षमता विस्तार के तहत प्रस्तावित पैलेट्स क्षमता - 6,00,000 टन प्रतिवर्ष, पावर प्लांट क्षमता- 16 मेगावॉट से 56 मेगावॉट एवं टीएपीटी (रोलिंग मिल) क्षमता- 1,00,000 टन प्रतिवर्ष से 3,00,000 टन प्रतिवर्ष के पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु लोक सुनवाई बाबूट छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल में आवेदन किया गया है। उक्त प्रस्तावित परियोजना के संबंध में आपत्ति / सुझाव / टीका-टिप्पणी इस सूचना के जारी होने के दिनांक से 30 दिवस के अंदर क्षेत्रीय अधिकारी, क्षेत्रीय कार्यालय, छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल, व्यापार विहार, पं. दीनदयाल उपाध्याय पार्क के पास, बिलासपुर (छ.ग.) के कार्यालय में लिखित रूप से कार्यालयीन समय में प्रस्तुत की जा सकती है। इस परियोजना के पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु लोक सुनवाई दिनांक **20/08/2026 को प्रातः 11:00 बजे स्थल-ग्राम सिलपहरी, तहसील बोदरी, जिला- बिलासपुर (छ.ग.) नचिकेता गॉवर एवं स्टील प्लांट के मुख्य गेट के बाईं ओर स्थित शासकीय भूमि ख.नं. 18/1 रकबा 75.274 हेक्टेयर के लगभग 01 एकड़ में नियत की गई है।**

ई.आई.ए. अधिसूचना दिनांक 14.09.2006 (यथासंशोधित) के प्रावधानों के अनुसार ड्राफ्ट ई.आई.ए. रिपोर्ट, कार्यपालककारी प्रति (हिन्दी व अंग्रेजी में) एवं इसकी सी. डी. (सिंह पंडी पति स्वर्गीय श्री दर्शन सिंह पंडी एवं अश्वनी पंडी) जमापत्रकर्ता के अवलोकन / पठन हेतु डायरेक्टर, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन, मंत्रालय, भारत सरकार, इंदिरा पर्यावरण भवन, वायु विहार, जोरबाग रोड, नई दिल्ली, क्षेत्रीय निदेशक, एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, अरण्य भवन, नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर, कलेक्टर, कार्यालय कलेक्टर, जिला- बिलासपुर, आयुक्त, कार्यालय नगर पालिक निगम, बिलासपुर, जिला - बिलासपुर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी कार्यालय, जिला पंचायत - बिलासपुर, जिला- बिलासपुर, अनुविभागीय अधिकारी (रा.), कार्यालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) - बिल्हा, जिला- बिलासपुर, मुख्य महाप्रबंधक, कार्यालय मुख्य महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, बिलासपुर, जिला- बिलासपुर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, कार्यालय जनपद पंचायत, बिल्हा, जिला-बिलासपुर, सरपंच व सचिव कार्यालय ग्राम पंचायत / ग्राम - सिलपहरी, हरदीका (टोना), बरिय्या, पांडी, बननाकडीह, कोसी, धूमा, मारपुरउछला, तहसील - बिल्हा, जिला - बिलासपुर (छ.ग.), मुख्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, पर्यावास भवन, नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, नवा रायपुर अटल नगर, जिला - रायपुर (छ.ग.) एवं क्षेत्रीय अधिकारी, क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, व्यापार विहार, प. दीनदयाल उपाध्याय पार्क के पास, बिलासपुर में रखी गई है।

सत्यम सचिव

छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल,

नवा रायपुर अटल नगर, जिला- रायपुर (छ.ग.)

सरकार ने लौह अयस्क को प्रमुख बुनियादी उद्योग सूचकांक में जोड़ा

कार्यालय, नगर पालिका परिषद महासमुन्द (छ.ग.)

Telly Phone No- 07723-224985, Email ID- nppmahasamund@gmail.com

क्र. / 1246 / न.पा. / लो.नि.वि. / 2026-27 महासमुन्द, दिनांक 17-07-2026

// मैनुअल पद्धति निविदा आमंत्रण सूचना //

नगरपालिका परिषद महासमुन्द के अधीन निम्न निर्माण कार्य हेतु एकीकृत पंजीजन प्रणाली में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से मैनुअल निविदा प्रपत्र - "A" एवं "ABC" में छ.ग. लोक निर्माण विभाग में प्रचलित भवन एवं.ओ.आर. 01.01.2015, सड़क एवं.ओ.आर. 01.01.2025 प्रचलित दर अनुसूची के आधार पर प्रस्तावित दर पर आमंत्रित की जाती है:-

01. निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय- 07.08.2026समय 5.30 बजे

02. निविदा खोलने की तिथि एवं समय- 10.08.2026समय 4.00 बजे

क्र.	कार्य – विवरण	अनु. लागत (रु. लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मुख्य	समयावधि	एस.ओ. आर.
1	वाई क्र. 02 में मौना चन्द्राकर घर से मुन्ना भोंई घर तक सी.सी.रोड निर्माण कार्य। (राशि 4.03 लाख)	6.16	4700.00	750.00	03 माह	PWD Building SOR 01.01.2015 & Road SOR 01.01.2025
	वाई क्र. 27 में प्रेम एजेन्सी से इन्द्र कुमार चन्द्राकर प्लाट तक सी.सी.रोड निर्माण कार्य। (राशि 2.13 लाख)					
2	वाई क्र. 06 में बरगद चौक में इन्टरलाकिंग पेक्वर ब्लाक कार्य। (राशि 0.75 लाख)	8.79	6600.00	750.00	04 माह	PWD Building SOR 01.01.2015
	वाई क्र. 13 में श्री राम पाठशाला के सामने इन्टरलाकिंग कांक्रिट पेक्वर ब्लाक बिछाने का कार्य। (राशि 0.80 लाख)					
3	वाई क्र. 07 में अम्बेदर स्कूल में इन्टरलाकिंग कांक्रिट पेक्वर ब्लाक बिछाने का कार्य। (राशि 7.24 लाख)					
3	वाई क्र. 12 में धनश्याम विश्वकर्मा से तालाब जाने वाले मार्ग तक सी.सी.रोड (टॉप) मरम्मत कार्य। (राशि 2.54 लाख)	6.03	4600.00	750.00	03 माह	PWD Road SOR 01.01.2025
	वाई क्र. 06 में रिंतेरा बंसोड घर से नरेंद्री तक सी.सी.रोड (टॉप) मरम्मत कार्य। (राशि 4.03 लाख)					
4	वाई क्र. 27 में इन्द्र कुमार चन्द्राकर प्लाट से संधिप भवन तक सी.सी.रोड निर्माण कार्य। (राशि 4.26 लाख)	4.26	4300.00	750.00	03 माह	PWD Building SOR 01.01.2015 & Road SOR 01.01.2025
5	वाई क्र. 25 में हम्पर क्लिनिक फिटियाझार के सामने से पतेरापाली रोड तक आर.सी.सी. एवं बस स्लेब मरम्मत कार्य। (राशि 2.84 लाख)	7.41	5600.00	750.00	04 माह	PWD Road SOR 01.01.2025
	वाई क्र. 29 में संजय यादव से केन्द्रीय विद्यालय तक आर.सी.सी. गल्लो एवं आर.सी.सी. स्लेब निर्माण कार्य। (राशि 3.39 लाख)					
	वाई क्र. 26 में संतोष घर से करसप घर तक आर.सी.सी. गल्लो एवं आर.सी.सी. स्लेब निर्माण कार्य। (राशि 1.18 लाख)	4.99	4900.00	750.00	03 माह	PWD Road SOR 01.01.2025
6	वाई क्र. 29 में संजय यादव से केन्द्रीय विद्यालय तक सी.सी.रोड (टॉप) मरम्मत कार्य। (राशि 4.99 लाख)	3.04	3100.00	750.00	02 माह	PWD Building SOR 01.01.2015
7	वाई क्र. 11 में वृद्धाश्रम के पास इन्टरलाकिंग कांक्रिट ब्लाक (पेक्वर) निर्माण कार्य। (राशि 3.04 लाख)					

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें एवं जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। छत्तीसगढ़ नगरीय प्रशासन एवं विकास के वेब साइट <http://uad.gov.in> में देखी जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी

नगरपालिका परिषद महासमुन्द

खरीदारी से शेयर बाजार में रही तेजी, सेंसेक्स 965 अंक उछला

एजेसी ►► मुंबई

रिलायंस इंडस्ट्रीज, बैंक और आईटी शेयरों में खरीदारी आने से शुक्रवार को फेरल शेयर बाजार जोरदार तेजी के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 965 अंक उछल गया जबकि निफ्टी ने 262 अंक की छलांग लगाई।

विश्लेषकों ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बावजूद घरेलू स्तर पर प्रमुख कंपनियों के अनुकूल तिमाही नतीजों और आईटी कंपनियों में लिवाली आने से निवेशक धारणा को समर्थन मिला। हालांकि व्यापक बाजार में नकारात्मक रुझान रहा। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 964.58 अंक उछलकर 78,151.45 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,095.68 अंक चढ़कर



- रिलायंस, बैंक और आईटी शेयरों में रही खरीदारी

- निफ्टी ने 262 अंक की जोरदार छलांग लगाई

78,282.55 अंक तक पहुंच गया। इसी तरह निफ्टी भी 261.55 अंक बढ़कर 24,334.30 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के समूह में शामिल शेयरों में टेक मफ़िड़ा का शेयर अनुकूल तिमाही नतीजों के बाद करीब 3.91 प्रतिशत उछला। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज का भी शेयर तिमाही नतीजों की घोषणा के पहले करीब तीन प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ।

बैंक ऑफ इंडिया Bank of India BOI

आंचलिक कार्यालय, स्टार हाऊस, प्रथम तल, प्लॉट नंबर 48, सेक्टर-24, नया रायपुर, छत्तीसगढ़ 492101

ई-नीलामी सूचना मेगा ऑक्शन अंतर्गत

नविदिपति रिट (अर्बन) निम्न 2022 के निम्न 8 (8) व 1 के अर्धीन अलग संरिती की रिडिती की सूचना

उपचारकर्ता/ जमानतदार के नाम		ई.प्लॉट, डी. (लाख में) कोलौ सबोली (लाख में)	ब) कब्जा दिनांक	स)कब्जाया राशि(लाख में)
एशासी (रायपुर) शाखा:- उपचारकर्ता- मेसर्स सिलपहरी, मेसर्स सागर, प्रोप.- सुश्री पायल शर्मा	परिवर्तित प्लेट्डी फार्म भूमि, शेड्स एवं स्ट्रक्चर - खसरा नं 46/5, प.ह.नं. 15, भिभोरी, तिल्या रोड के पास, तहसील एवं जिला - रायपुर, क्षेत्रफल - 39288 वर्गफुट, मालिकाना हक- सुश्री पायल शर्मा पिता श्री नारायण शर्मा। सीमाएं- उत्तर- राम सिंह का प्लॉट, दक्षिण - विक्तेला भूमि, पूर्व - सड़क, पश्चिम - नर्मन का प्लॉट। (सांकेतिक कब्जा)	₹ 83.21 ₹ 8.32 ₹ 0.25	अ) 31.07.2024 ब) 01.10.2024	₹ 320.28 + ब्याज एवं अन्य खर्च
एशासी (रायपुर) शाखा:- उपचारकर्ता- मेसर्स सागर, प्रोप.- श्री सैफा कुमार रायपुरानी पति श्री लुधोमल सुबुवानी, श्रीमती सीमा सुबुवानी पति श्री सैफा सुबुवानी, श्री भीमसेन बंसानी पति श्री सारंगराम बंसानी	(अ) आवासीय फ्लैट - फ्लैट नंबर 302, तीसरी मंजिल श्री. बनाना, हंसा विहार कोलौनी, खसरा नं 638/53, 638/60, 638/61, 638/66, प.ह.नं 22, शीट नं 8/5, प्लॉट नं 275, वार्ड नं 14, विनोबा नगर वार्ड, मौजा - जुना बिलासपुर, आरएसएम - बिलासपुर (छ.ग.) में क्षेत्रफल- 1174.50 वर्गफुट पर स्थित फ्रीहोल्ड संपत्ति, मालिकाना हक- श्री सैफा कुमार सुबुवानी पिता श्री लुधोमल सुबुवानी। सीमाएं- उत्तर- फ्लैट नंबर 301,दक्षिण - फ्लैट नंबर 303,पूर्व - मार्ग,पश्चिम-आसमान की ओर खुला। (सांकेतिक कब्जा)	अ ₹ 51.21 ₹ 5.12 ₹ 0.25	अ) 26.08.2025 ब) 25.11.2025	₹ 199.00 + ब्याज एवं अन्य खर्च
हक- श्री भीमसेन बंसानी पति श्री सारंगराम बंसानी	(अ) आवासीय भूमि एवं भवन - प्लॉट नंबर 611, खसरा नं 414/23, प.ह.नं 22, शीट नं 10/06, मौजा-जुना बिलासपुर, आरएसएम-बिलासपुर, आरएसएम एवं जिला- बिलासपुर (छ.ग.) में क्षेत्रफल- 872 वर्गफुट पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक- श्री भीमसेन बंसानी पति श्री सारंगराम बंसानी (सांकेतिक कब्जा) सीमाएं- उत्तर- सड़क,दक्षिण- रामाहेनार की भूमि,पूर्व- केरवानी की भूमि,पश्चिम- पिछले मालिक की भूमि। (सांकेतिक कब्जा)	अ ₹ 72.72 ₹ 7.27 ₹ 0.25	अ) 26.08.2025 ब) 25.11.2025	₹ 199.00 + ब्याज एवं अन्य खर्च
एशासी (रायपुर) शाखा:- उपचारकर्ता- मेसर्स सागर, प्रोप.- श्री सैफा कुमार रायपुरानी पति श्री लुधोमल सुबुवानी, श्रीमती सीमा सुबुवानी पति श्री सैफा सुबुवानी, श्री भीमसेन बंसानी पति श्री सारंगराम बंसानी	सूना प्लॉट - भूखण्ड नं 10/39, खसरा नं 1361/90 (1362/91, 1366/88, 1372/91/01), मौजा-तोरावा, प.ह.नं 22/34, शीट नं 20, ब्लॉक नं 12, विवेकानन्द नगर वार्ड, ब्लॉक- बेल्हा, जिला- बिलासपुर (छ.ग.) में क्षेत्रफल- 2320 वर्गफुट पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक- श्रीमती कृष्णा चौधरी पति श्री तुलसीदास चौधरी सीमाएं- उत्तर-विनोद सिंह का प्लॉट,दक्षिण - सड़क, पूर्व - शिमेद सिंह का प्लॉट,पश्चिम- अन्य का प्लॉट। (सांकेतिक कब्जा)	₹ 18.76 ₹ 1.87 ₹ 0.25	अ) 04.06.2021 ब) 03.02.2022	₹ 43.06 + ब्याज एवं अन्य खर्च
एशासी (रायपुर) शाखा:- उपचारकर्ता- श्री भीमसेन बंसानी पति श्री सारंगराम बंसानी	आवासीय संपत्ति- खसरा नं 392/22, 394/22, 395/22, इस्तरा नं 14/2, खंड नं 97, वनखण्ड कोलौनी, कस्बा नगर वार्ड 04, मौजा-कुण्डल, बिलासपुर, में क्षेत्रफल -1100.00 वर्गफीट पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक- श्रीमती जानकी मूलदावानी (सीमाएं- उत्तर- के.डी. युदयरा का मकान, दक्षिण - लुधवंत खुटे का मकान, पूर्व- सरकार की भूमि,पश्चिम- मिंस्तारी रोड। (सांकेतिक कब्जा)	₹ 56.10 ₹ 5.61 ₹ 0.25	अ) 22.07.2025 ब) 10.10.2025	₹ 42.13 + ब्याज एवं अन्य खर्च
एशासी (रायपुर) शाखा:- उपचारकर्ता- मेसर्स सागर, प्रोप.- श्री सैफा कुमार रायपुरानी पति श्री लुधोमल सुबुवानी, श्रीमती सीमा सुबुवानी पति श्री सैफा सुबुवानी, श्री भीमसेन बंसानी पति श्री सारंगराम बंसानी	आवासीय फ्लैट - फ्लैट नंबर डी-401, चौथी मंजिल, जिसेस हाउस, कौलिनगाना, होशियार नगर, खसरा नं 1068/10 प्लॉट 106/11, प.ह.नं 38/24, सड़क नं 22, तहसील एवं जिला- राजनगनगंवा, क्षेत्रफल - 962.50 वर्गफुट, मालिकाना हक- श्रीमती प्रेमलता साठवा पति स्वर्णमणि हरिप्रकाश साठवा। सीमाएं- उत्तर- फ्लैट नंबर 404, दक्षिण-आसमान की ओर खुला, पूर्व - आसमान की ओर खुला, पश्चिम- फ्लैट नंबर 402। (सांकेतिक कब्जा)	₹ 17.50 ₹ 1.75 ₹ 0.25	अ) 09.04.2025 ब) 04.07.2025	₹ 328.16 + ब्याज एवं अन्य खर्च
एशासी (रायपुर) शाखा:- उपचारकर्ता- मेसर्स सागर, प्रोप.- श्री सैफा कुमार रायपुरानी पति श्री लुधोमल सुबुवानी, श्रीमती सीमा सुबुवानी पति श्री सैफा सुबुवानी, श्री भीमसेन बंसानी पति श्री सारंगराम बंसानी	आवासीय भूमि एवं भवन - खसरा नं 943/2, प.ह.नं 21/36, प्लॉट नं 43/5, शीट नं 31, ब्लॉक नं 100, मौजा-मणाला, तहसील एवं जिला- बिलासपुर (छ.ग.) में क्षेत्रफल -10470.00 वर्ग फुट पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक- श्री रवीप्रकाश सिंह पति श्री श्री नरेशपाल चौधरी, श्री रीतिका सिंह पति श्री श्री नरेशपाल सिंह पति श्री श्रीमती निमल कोर पति श्री सीमाएं- उत्तर-बीहाना का मकान एवं अन्य का प्लॉट, दक्षिण- गली, पूर्व - सड़क, पश्चिम- टंडन जी का मकान। (सांकेतिक कब्जा)	₹ 233.75 ₹ 23.37 ₹ 0.50	अ) 19.06.2025 ब) 10.10.2025	₹ 58.79 + ब्याज एवं अन्य खर्च
एशासी (रायपुर) शाखा:- उपचारकर्ता- मेसर्स सागर, प्रोप.- श्री सैफा कुमार रायपुरानी पति श्री लुधोमल सुबुवानी, श्रीमती सीमा सुबुवानी पति श्री सैफा सुबुवानी, श्री भीमसेन बंसानी पति श्री सारंगराम बंसानी	श्री राजपाल सिंह पति श्रीमती स्वर्णिनी का दर्शन सिंह पति श्रीमती श्रीमती निमल कोर पति श्री सीमाएं- उत्तर- बीहाना का मकान एवं अन्य का प्लॉट, दक्षिण- गली, पूर्व - सड़क, पश्चिम- टंडन जी का मकान। (सांकेतिक कब्जा)	₹ 27.50 ₹ 2.75 ₹ 0.25	अ) 17.01.2025 ब) 07.08.2025	₹ 146.12
एशासी (रायपुर) शाखा:- उपचारकर्ता- मेसर्स सागर, प्रोप.- श्री सैफा कुमार रायपुरानी पति श्री लुधोमल सुबुवानी, श्रीमती सीमा सुबुवानी पति श्री सैफा सुबुवानी, श्री भीमसेन बंसानी पति श्री सारंगराम बंसानी	(अ) फेडरटी भूमि- फ्रीहोल्ड फेडरटी भूमि स्थित भूखण्ड नंबर 2, खसरा नं 145/1, प.ह.नं 42/14, मौजा - जाली, आरएसएम - रनगपुर, ब्लॉक - कोलौ, जिला- बिलासपुर (छ.ग.) में क्षेत्रफल -3,409 वर्गफुट, मालिकाना हक- मेसर्स कृष्णानंद मिल्क एंड डेअरी प्राइवेट लिमिटेड, निदेशक। (अ) सीमाएं- उत्तर- सुरेंद्र व अन्य की भूमि,दक्षिण - सरकारी भूमि, पूर्व - गुलाब व अन्य की भूमि,पश्चिम - मालिक व सरकारी की भूमि। (सांकेतिक कब्जा)	अ ₹ 106.50 ₹ 10.65 ₹ 0.50	अ) 30.04.2024 ब) 05.08.2024	₹ 99.00
एशासी (रायपुर) शाखा:- उपचारकर्ता- मेसर्स सागर, प्रोप.- श्री सैफा कुमार रायपुरानी पति श्री लुधोमल सुबुवानी, श्रीमती सीमा सुबुवानी पति श्री सैफा सुबुवानी, श्री भीमसेन बंसानी पति श्री सारंगराम बंसानी	(ब) खुला प्लॉट- खसरा नं 993/23, 994/23, भूखण्ड प्लॉट नंबर 15, शीट नंबर 48, गली नं 15, प.ह.नं 22, व्याखनद, मौजा-भीमसागर, बदनसेन नं - 487, आरएसएम- बिलासपुर, ब्लॉक- बेल्हा, तहसील व जिला - बिलासपुर (छ.ग.) में क्षेत्रफल - 1560 वर्गफुट पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक- सरवंत सिंह विजय सिंह एवं अजयसिंह बिल्लियार, पाटदार - श्री दलजीत सिंह कौली, सीमाएं- उत्तर- राम सिंह का प्लॉट, दक्षिण- प्लॉट नं 14, पूर्व- प्लॉट नंबर 16, पश्चिम- सड़क। (सांकेतिक कब्जा)	अ ₹ 22.50 ₹ 2.25 ₹ 0.25	अ) 18.09.2025 ब) 09.12.2025	₹ 24.84 + ब्याज एवं अन्य खर्च
एशासी (रायपुर) शाखा:- उपचारकर्ता- मेसर्स सागर, प्रोप.- श्री सैफा कुमार रायपुरानी पति श्री लुधोमल सुबुवानी, श्रीमती सीमा सुबुवानी पति श्री सैफा सुबुवानी, श्री भीमसेन बंसानी पति श्री सारंगराम बंसानी	आवासीय फ्लैट - फ्लैट नंबर एल-204, प.ह.नं 22/36/29, सांकेतिक कब्जा, कोलौ रोड, तहसील कोलौ, असेनस रोड के पास, जुना बिलासपुर, खसरा नं. 622/5 (भाग), खसरा नं 272/1, तहसील एवं जिला- बिलासपुर, क्षेत्रफल - 1350 वर्गफुट पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक- श्री सुभाषिणी कुमार शर्मा। सीमाएं- उत्तर - कोलौ रोड, दक्षिण - सड़क, पूर्व- सेंट बैप्टिस्ट, पश्चिम- फ्लैट नं.एल-203, (सांकेतिक कब्जा)	₹ 49.84 ₹ 4.98 ₹ 0.25	अ) 18.09.2025 ब) 09.12.2025	₹ 24.84 + ब्याज एवं अन्य खर्च
एशासी (रायपुर) शाखा:- उपचारकर्ता- मेसर्स सागर, प्रोप.- श्री सैफा कुमार रायपुरानी पति श्री लुधोमल सुबुवानी, श्रीमती सीमा सुबुवानी पति श्री सैफा सुबुवानी, श्री भीमसेन बंसानी पति श्री सारंगराम बंसानी	आवासीय फ्लैट - खसरा नं 80/6,80/5,80/7,80/8, प.ह.नं 19/23, फ्लैट नंबर 101, प्रमथ तल, मेसर्स ई.एन. गंधी रोड, आरएसएम - आर.विहार, भंसे-2, मौजा-बोलीवाल, क्षेत्रफल- 105 वर्गफुट, मालिकाना हक- श्री सैफा कुमार रायपुरानी पति श्री लुधोमल सुबुवानी, श्रीमती सीमा सुबुवानी पति श्री सैफा सुबुवानी, श्री भीमसेन बंसानी पति श्री सारंगराम बंसानी (सांकेतिक कब्जा) सीमाएं- उत्तर- फ्लैट नं. 102, दक्षिण- आसमान की ओर खुला, पूर्व- आसमान के लिए खुला, पश्चिम- गलियारा। (सांकेतिक कब्जा)	₹ 16.43 ₹ 1.64	अ) 29.11.2025 ब) 02.02.2026	₹ 10.08 + ब्याज एवं अन्य खर्च
एशासी (रायपुर) शाखा:- उपचारकर्ता- मेसर्स सागर, प्रोप.- श्री सैफा कुमार रायपुरानी पति श्री लुधोमल सुबुवानी, श्रीमती सीमा सुबुवानी पति श्री सैफा सुबुवानी, श्री भीमसेन बंसानी पति श्री सारंगराम बंसानी	लीज होल्डर औद्योगिक भूमि एवं भवन - खसरा नं 824/2, 824/3, 824/5, प.ह.नं 27, तहसील कोलौ, जिला- बिलासपुर (छ.ग.) में कुल क्षेत्रफल- 0.28 हेक्टेयर पर स्थित संपत्ति। पट्टा देन वाला - महेंद्र कुमार साहू, पेटदार- मेसर्स प्रोसेसिंग फूड प्रोसेसिंग युनिट प्राइवेट लिमिटेड। सीमाएं- उत्तर- सड़क नंबर 818/1 धनकर की भूमि,दक्षिण - खसरा नं 825 बी.डी साहू की भूमि, पूर्व- उद्धवलुपुल्ले पट्टे, पश्चिम- महेंद्र साहू की भूमि। (सांकेतिक कब्जा)	₹ 82.08 ₹ 8.20 ₹ 0.25	अ) 30.07.2024 ब) 09.10.2024	₹ 53.15 + ब्याज एवं अन्य खर्च
ई-नीलामी द्वारा वाहन विक्रय सूचना (ई-नीलामी तिथि 11.08.2026)				
हमारी शाखा द्वारा जका किये गये वाहनों का "जहाँ है वहाँ है" आधार पर निम्नित द्वारा विक्रय किया जाना प्रस्तावित है:-				
1. शाखा का नाम एवं उपचारकर्ता का नाम	वाहन का विवरण	अधिकृत मूल्य		
एशासी (रायपुर) शाखा:- श्री घनेश सिंह पिता श्री जमुना सिंह	Vehicle No. CG10BVB2331, Make & Model - Ashok Leyland AVTRN5525 TT 3400 MM VBS Speed Gear Box With New Generation Eco Cabin fully trailer, BSE Diesel Engine. Chassis No. MB1T2VL3DRPKB0892, Engine No. RLPZS04067 * Vehicle Parked at Yard of Rohi Road	₹ 31,91,000 ₹ 3,19,100 ₹ 25,000		
ऑनकार की तारीख और समय-दिनांक: 11.08.2026, सुबुह 11.00 से सायं 05.00 तक, सीमा रीह 10 मिन्ट के अंतराल के रूपमेंदेखन के ब्या, प्रत्येक निरीक्षण की तारीख और समय - 18.07.2026 ह 11.08.2026 सुबुह 11.00 से सायं 03.00 बजे के बीच कार्यालयीन दिवस में है:-				
नोट- कोई भी बोलीकर्ता / इच्छुक पक्ष प्नाएं एवं मशीनी के लिये बोली लगाना है, परंतु भूमि एवं पवन के लिये बोली लगाने हेतु, बोलीकर्ता को प्लॉट नं 10 रीहमिनी के लिये अनिवार्य बोली लगानी ऐसी बोली किसी भी परिस्थिति में भूमि एवं पवन को स्वतंत्र रूप से बोली नहीं लगानी जा सकती।				
उपचारकर्ताओं (अधिकृत-कर्मताओं) को 15 दिन का बचका सूचना				
उपचारकर्ताओं को 15 दिनों के अंदर उपचारकर्ता को यह सूचित किया जावे है कि सूचना पर उपलब्ध राशि को मन ब्याज एवं खर्चों के नीलामी से पूर्व जमा करवा दें।				
उपचारकर्ता को 15 दिनों के अंदर उपचारकर्ता को यह सूचित किया जावे है कि सूचना पर उपलब्ध राशि को मन ब्याज एवं खर्चों के नीलामी से पूर्व जमा करवा दें।				
उपचारकर्ता को 15 दिनों के अंदर उपचारकर्ता को यह सूचित किया जावे है कि सूचना पर उपलब्ध राशि को मन ब्याज एवं खर्चों के नीलामी से पूर्व जमा करवा दें।				
उपचारकर्ता को 15 दिनों के अंदर उपचारकर्ता को यह सूचित किया जावे है कि सूचना पर उपलब्ध राशि को मन ब्याज एवं खर्चों के नीलामी से पूर्व जमा करवा दें।				
उपचारकर्ता को 15 दिनों के अंदर उपचारकर्ता को यह सूचित किया जावे है कि सूचना पर उपलब्ध राशि को मन ब्याज एवं खर्चों के नीलामी से पूर्व जमा करवा दें।				
उपचारकर्ता को 15 दिनों के अंदर उपचारकर्ता को यह सूचित किया जावे है कि सूचना पर उपलब्ध राशि को मन ब्याज एवं खर्चों के नीलामी से पूर्व जमा करवा दें।				
उपचारकर्ता को 15 दिनों के अंदर उपचारकर्ता को यह सूचित किया जावे है कि सूचना पर उपलब्ध राशि को मन ब्याज एवं खर्चों के नीलामी से पूर्व जमा करवा दें।				
उपचारकर्ता को 15 दिनों के अंदर उपचारकर्ता को यह सूचित किया जावे है कि सूचना पर उपलब्ध राशि को मन ब्याज एवं खर्चों के नीलामी से पूर्व जमा करवा दें।				
उपचारकर्ता को 15 दिनों के अंदर उपचारकर्ता को यह सूचित किया जावे है कि सूचना पर उपलब्ध राशि को मन ब्याज एवं खर्चों के नीलामी से पूर्व जमा करवा दें।				
उपचारकर्ता को 15 दिनों के अंदर उपचारकर्ता को यह सूचित किया जावे है कि सूचना पर उपलब्ध राशि को मन ब्याज एवं खर्चों के नीलामी से पूर्व जमा करवा दें।				
उपचारकर्ता को 15 दिनों के अंदर उपचारकर्ता को यह सूचित किया जावे है कि सूचना पर उपलब्ध राशि को मन ब्याज एवं खर्चों के नीलामी से पूर्व जमा करवा दें।				
उपचारकर्ता को 15 दिनों के अंदर उपचारकर्ता को यह सूचित किया जावे है कि सूचना पर उपलब्ध राशि को मन ब्याज एवं खर्चों के नीलामी से पूर्व जमा करवा दें।				
उपचारकर्ता को 15 दिनों के अंदर उपचारकर्ता को यह सूचित किया जावे है कि सूचना पर उपलब्ध राशि को मन ब्याज एवं खर्चों के नीलामी से पूर्व जमा करवा दें।				
उपचारकर्ता को 15 दिनों के अंदर उपचारकर्ता को यह सूचित किया जावे है कि सूचना पर उपलब्ध राशि को मन ब्याज एवं खर्चों के नीलामी से पूर्व जमा करवा दें।				
उपचारकर्ता को 15 दिनों के अंदर उपचारकर्ता को यह सूचित किया जावे है कि सूचना पर उपलब्ध राशि को मन ब्याज एवं खर्चों के नीलामी से पूर्व जमा करवा दें।				
उपचारकर्ता को 15 दिनों के अंदर उपचारकर्ता को यह सूचित किया जावे है कि सूचना पर उपलब्ध राशि को मन ब्याज एवं खर्चों के नीलामी से पूर्व जमा करवा दें।				
उपचारकर्ता को 15 दिनों के अंदर उपचारकर्ता को यह सूचित किया जावे है कि सूचना पर उपलब्ध राशि को मन ब्याज एवं खर्चों के नीलामी से पूर्व जमा करवा दें।				
उपचारकर्ता को 15 दिनों के अंदर उपचारकर्ता को यह सूचित किया जावे है कि सूचना पर उपलब्ध राशि को मन ब्याज एवं खर्चों के नीलामी से पूर्व जमा करवा दें।				
उपचारकर्ता को 15 दिनों के अंदर उपचारकर्ता को यह सूचित किया जावे है कि सूचना पर उपलब्ध राशि को मन ब्याज एवं खर्चों के नीलामी से पूर्व जमा करवा दें।				
उपचारकर्ता को 15 दिनों के अंदर उपचारकर्ता को यह सूचित किया जावे है कि सूचना पर उपलब्ध राशि को मन ब्याज एवं खर्चों के नीलामी से पूर्व जमा करवा दें।				
उपचारकर्ता को 15 दिनों के अंदर उपचारकर्ता को यह सूचित किया जावे है कि सूचना पर उपलब्ध राशि को मन ब्याज एवं खर्चों के नीलामी से पूर्व जमा करवा दें।				
उपचारकर्ता को 15 दिनों के अंदर उपचारकर्ता को यह सूचित किया जावे है कि सूचना पर उपलब्ध राशि को मन ब्याज एवं खर्चों के नीलामी से पूर्व जमा करवा दें।				
उपचारकर्ता को 15 दिनों के अंदर उपचारकर्ता को यह सूचित किया जावे है कि सूचना पर उपलब्ध राशि को मन ब्याज एवं खर्चों के नीलामी से पूर्व जमा करवा दें।				
उपचारकर्ता को 15 दिनों के अंदर उपचारकर्ता को यह सूचित किया जावे है कि सूचना पर उपलब्ध राशि को मन ब्याज एवं खर्चों के नीलामी से पूर्व जमा करवा दें।				
उपचारकर्ता को 15 दिनों के अंदर उपचारकर्ता को यह सूचित किया जावे है कि सूचना पर उपलब्ध राशि को मन ब्याज एवं खर्चों के नीलामी से पूर्व जमा करवा दें।				
उपचारकर्ता को 15 दिनों के अंदर उपचारकर्ता को यह सूचित किया जावे है कि सूचना पर उपलब्ध राशि को मन ब्याज एवं खर्चों के नीलामी से पूर्व जमा करवा दें।				
उपचारकर्ता को 15 दिनों के अंदर उपचारकर्ता को यह सूचित किया जावे है कि सूचना पर उपलब्ध राशि को मन ब्याज एवं खर्चों के नीलामी से पूर्व जमा करवा दें।				
उपचारकर्ता को 15 दिनों के अंदर उपचारकर्ता को यह सूचित किया जावे है कि सूचना पर उपलब्ध राशि को मन ब्याज एवं खर्चों के नीलामी से पूर्व जमा करवा दें।				
उपचारकर्ता को 15 दिनों के अंदर उपचारकर्ता को यह सूचित किया जावे है कि सूचना पर उपलब्ध राशि को मन ब्याज एवं खर्चों के नीलामी से पूर्व जमा करवा दें।				
उपचारकर्ता को 15 दिनों के अंदर उपचारकर्ता को यह सूचित किया जावे है कि सूचना पर उपलब्ध राशि को मन ब्याज एवं खर्चों के नीलामी से पूर्व जमा करवा दें।				
उपचारकर्ता को 15 दिनों के अंदर उपचारकर्ता को यह सूचित किया जावे है कि सूचना पर उपलब्ध राशि को मन ब्याज एवं खर्चों के नीलामी से पूर्व जमा करवा दें।				
उपचारकर्ता को 15 दिनों के अंदर उपचारकर्ता को यह सूचित किया जावे है कि सूचना पर उपलब्ध राशि को मन ब्याज एवं खर्चों के नीलामी से पूर्व जमा करवा दें।				
उपचारकर्ता को 15 दिनों के अंदर उपचारकर्ता को यह सूचित किया जावे है कि सूचना पर उपलब्ध राशि को मन ब्याज एवं खर्चों के नीलामी से पूर्व जमा करवा दें।				



दुनिया की इकलौती सड़क, जो बनी है 12 मंजिला अपार्टमेंट्स के ठीक ऊपर

बीजिंग। देश-दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में कई ऐसी इमारतें हैं, जिन्हें देखकर हैरानी होती है। इनमें से किसी बिल्डिंग के बीच से होकर ट्रेन गुजरती है, तो कोई जिद्दी इमारत सड़क के बीचों-बीच खड़ा होता है। ऐसे में आज हम आपको एक ऐसी सड़क के बारे में बताने जा रहे हैं, जो 12 मंजिले अपार्टमेंट्स के ठीक ऊपर बनी हुई है। जब इसके ऊपर से बड़ी-बड़ी गाड़ियां गुजरती हैं, तो नीचे बने घरों की दीवारें भी हिलने लग जाती हैं। इसके बावजूद भी इन घरों में रहने वाले लोग अपना मकान खाली नहीं करना चाहते। अब आप सोच रहे होंगे कि आखिर ये सड़क है कहां? ऐसे में बता दें कि यह सड़क चीन के गुड्यांग शहर में बना है।

गरीबों को सस्ते मकान देने जुगाड़

इस पुल का नाम शुइकोउसी बिज है, जो आज के समय में चीनी तकनीक का एक शानदार उदाहरण है। जहां दुनियाभर के लोग अपने घरों के ऊपर से गाड़ियों के गुजरने की कल्पना भी नहीं कर सकते, वहीं चीन के हजारों लोग इस हाईवे के नीचे मजे से अपनी जिंदगी जी रहे हैं। शुइकोउसी ओवरपास का निर्माण साल 1997 में ही पूरा हो गया था। लेकिन, इसके बनने के तुरंत बाद ही गुड्यांग शहर के प्रशासन के सामने एक मुसीबत खड़ी हो गई। 40 लाख से ज्यादा की आबादी वाले इस शहर के बीचों-बीच गरीब और जरूरतमंद लोगों को सस्ते मकान देने के लिए जमीन का एक छोटा सा टुकड़ा भी खाली नहीं बचा था। ऐसे में शहर की बाहर की तरफ फैलाने के बजाय प्रशासन ने इस जुगाड़ से उनके रहने की व्यवस्था कर दी।

रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन गया वाइब्रेशन



प्रशासन ने तय किया कि शहर के बीचों-बीच बने इस ऊंचे पुल के नीचे की खाली पड़ी जमीन का इस्तेमाल रिहायशी इमारतें बनाने के लिए किया जाएगा। पुल के पूरा होने के ठीक दो साल बाद, साल 1999 में इसके नीचे करीब 10 बहुमंजिला रिहायशी इमारतें खड़ी कर दी गईं, जिनमें से कुछ को बाद में बढ़ाकर एक दर्जन से अधिक कर दिया गया। इस प्रोजेक्ट का सबसे बड़ा फायदा यह था कि गरीब और विस्थापित लोगों को शहर के बिल्कुल बीचों-बीच सस्ते दाम पर रहने के लिए घर मिल गए, जहां से उनके लिए काम-धंधे पर जाना बेहद आसान था। इस फायदे के बदले इन मकानों में रहने वाले लोगों को एक समझौता भी करना पड़ा।

गाड़ियां गुजरती हैं तो हिलने लगती हैं दीवारें

शुरुआत में एक्सपर्ट्स को लगा था कि गाड़ियों की गड़गड़ाहट और हिलती दीवारों के कारण लोग यहां रहने से मना कर देंगे, लेकिन उलट हुआ। समय के साथ लोगों ने इस अनोखे माहौल में खुद को ढाल लिया और इस शोर-शराबे व कंपन को ही अपने घर की अनोखी पहचान मान लिया। प्रशासन ने इस पुल से गरी और बड़े ट्रकों के गुजरने पर पूरी तरह से पाबंदी लगा दी है।

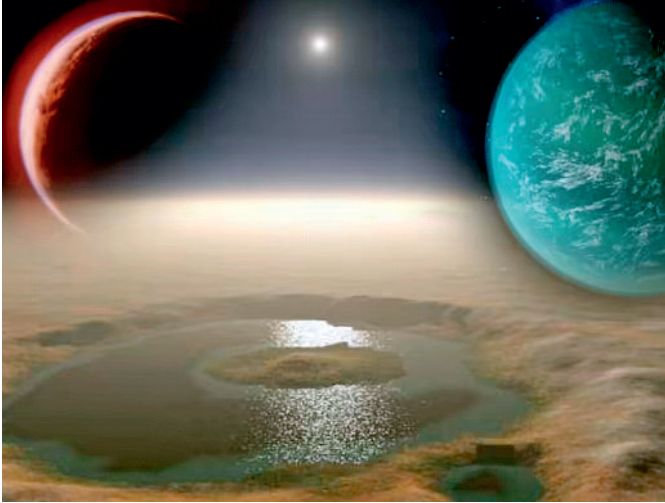
पृथ्वी के बाहर जीवन की तलाश पूरी? नासा को मिले पक्के वायुमंडल के सबूत

वॉशिंगटन। हमारे सौर मंडल के बाहर जीवन की खोज में एक नया मोड़ आया है। रिसर्चर्स ने 49 प्रकाश-वर्ष दूर पृथ्वी जैसे एक ग्रह के चारों ओर एक वायुमंडल का पता लगाया है, जिसकी सतह पर तरल पानी हो सकता है। पथरीले एक्सोप्लैनेट के चारों ओर भी ऐसे घेरे के संकेत मिले हैं, जो अपने तारे के रहने योग्य क्षेत्र (हेबिटेबल ज़ोन) के बाहर स्थित हैं। यह वह क्षेत्र है, जहां ग्रह की सतह पर तरल पानी मौजूद हो सकता है। इसलिए, वहां पृथ्वी की तरह जीवन की संभावना हो सकती है। इससे पहले गैस वाले बड़े एक्सोप्लैनेट और सब-नेपच्यून के चारों ओर वायुमंडल पाए गए हैं, लेकिन यह नई खोज अलग है।

कई मामलों में पृथ्वी के समान

जॉन्स हॉपकिंस विश्वविद्यालय के मुताबिक, यह वास्तव में एक रोमांचक खोज है। मुझे लगता है कि यह एलएचएस 1140बी को हमारे सौर मंडल के बाहर एस्ट्रोबायोलॉजी और रहने की क्षमता के अध्ययन के लिए यह सबसे आशाजनक और रोमांचक प्रयोगशाला के रूप में सबसे आगे रखती है। एलएचएस 1140बी वह का द्रव्यमान पृथ्वी से 5.6 गुना है और इसकी त्रिज्या 70% बड़ी है। चेरुबिम ने बताया कि यह कुछ मामलों में पृथ्वी के समान है। जैसे इसकी कुल बनावट और तापमान। कुछ मामलों में यह अलग है। जैसे- यह टाइडली लॉक्ड है, इसमें बहुत अधिक पानी हो सकता है। इसका वायुमंडल बहुत अलग है। नई स्टडी से अब हमें पता चला है कि एलएचएस 1140बी में रहने लायक माहौल के लिए जरूरी सभी चीजें मौजूद हैं। यह एक चट्टानी ग्रह है, यहां का तापमान ऐसा है कि तरल पानी रह सकता है और यहां एक ऐसा वायुमंडल है जो पानी को उड़ने से रोकता है। इसका तारा शांत है और उसमें बहुत कम फ्लेयर्स (ऊर्जा विस्फोट) होते हैं।

एक और ग्रह पर बसेगी दुनिया?



खो सकते हैं वायुमंडलीय गैसों

नौदरलैंड्स की लीडिंग ऑब्जर्वेटरी की डॉक्टर योमिला मिगुएल ने भी इन नतीजों का स्वागत किया और कहा कि यह पहले से ही पता था कि अपने होस्ट स्टार के करीब मौजूद ग्रह अंतरिक्ष में अपनी वायुमंडलीय गैसों खो सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह ग्रह इसलिए इतना दिलचस्प है, क्योंकि यह इतनी ज्यादा मात्रा में वायुमंडल खो रहा है। हम यहां से इसका पता लगा सकते हैं, जो कि एक छोटे और पथरीले ग्रह के मामले में आसान नहीं है।

यह एक शानदार खोज

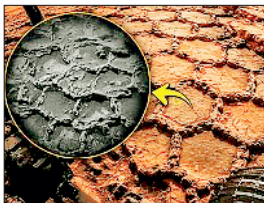
2017 में खोजा गया यह ग्रह अपेक्षाकृत पास है और सेट्स (समुद्री राक्षस) तारामंडल में एक छोटे लाल बौने तारे (रेड ड्वार्फ) की परिक्रमा करता है। यह तारा हमारे अपने सूर्य से छोटा और कम चमकदार है, लेकिन अपनी ऊर्जा का एक बड़ा हिस्सा आयनकारी विकिरण के रूप में छोड़ता है। चेरुबिम ने यह खोज जारी रखने के लिए, खासकर जीवन के संकेत खोजने के लिए, एक बहुत ही रोमांचक जगह है। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में एस्ट्रोफिजिक्स की प्रोफेसर जेन बर्कसी ने कहा कि यह शानदार खोज है। छोटे रेड ड्वार्फ तारे सबसे आम तरह के तारे होते हैं। इसलिए उनके रहने लायक ज़ोन में मौजूद चट्टानी एक्सोप्लैनेट का अध्ययन करने का हमारे पास सबसे अच्छा मौका होता है।



मंगल ग्रह पर मिला ‘मधुमक्खी का छत्ता’? 14 साल पुराने व्हीरियोसिटी रोवर ने भेजी तस्वीर

वैज्ञानिक अभी तक इस बात का कोई पुख्ता जवाब नहीं खोज पाए हैं कि यह अनोखा पैटर्न आखिर बना कैसे। इसके पीछे कई थ्योरीज दी जा रही हैं-

वैज्ञानिक भी हुए हैरान



वॉशिंगटन। अंतरिक्ष की दुनिया से एक बार फिर एक ऐसी सनसनीखेज तस्वीर सामने आई है, जिसने दुनियाभर के वैज्ञानिकों को हैरान कर दिया है। नासा के मंगल पर चक्कर लगाने वाले क्यूूरियोसिटी रोवर ने लाल ग्रह की बंजर सतह पर एक बहुत ही अनजाने-आकृति कैमरे में रिकार्ड की है, जो हूबहू मधुमक्खी के बड़े छत्ते जैसे दिखाई देती है। बीते 14 सालों से लाल ग्रह पर चक्कर लगा रहे इस रोवर से आई नई तस्वीर ने साइंस की दुनिया में नई बहस छेड़ दी है। आखिर करोड़ों मील दूर इस वीरान ग्रह पर यह जाड़ुई पैटर्न कैसे बना? लाल ग्रह यानी मंगल पर बीते

14 सालों से खोज कर रहे क्यूूरियोसिटी रोवर ने यह हैरान करने वाली तस्वीर गेल क्रेटर इलाके में खींची है। नासा के ब्लॉग के अनुसार, जब वैज्ञानिकों ने इस इलाके की तस्वीरें देखीं, तो वे हैरान हो गए। यहां की जमीन पर बड़े-बड़े पॉलीगोनल यानी कई कोण वाले स्ट्रक्चर बने हुए हैं, जो ऊपर से देखने पर हूबहू मधुमक्खी के छत्ते जैसे दिखते हैं।

काले पत्थरों ने बढ़ाया सस्पेंस

इस जगह पर सिर्फ छत्ते जैसा पैटर्न ही नहीं, बल्कि वहां बिखरे हुए गहरे काले रंग के पत्थर भी वैज्ञानिकों के लिए पहली बम गण हैं। रोवर ने यहां कोटिडोर नाम के एक काले पत्थर और इन आकृतियों की जांच अपने हाई-टेक कैमरों और लेजर टूल्स से की है। वैज्ञानिकों का मानना है कि ये पत्थर या तो ऊंचे पहाड़ों से टूटकर गिरे हैं, या फिर किसी प्राचीन उल्कापिंड का हिस्सा है, जो लाखों साल पहले अंतरिक्ष से यहां गिरे थे। इससे पहले भी मंगल पर ऐसे काले पत्थर मिले थे जिनमें निकल धातु मिली थी, जो ज्यादातर उल्कापिंडों में होती है।

इतिहास में पहली बार टाई हुआ मिस इंग्लैंड कंपटीशन

लंदन। मिस इंग्लैंड प्रतियोगिता के 98 साल के लंबे इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है, जब जजों ने किसी एक को नहीं, बल्कि एक साथ दो-दो लड़कियों

कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर फेस लिफ्ट



पद्मश्री नाका, उमराव रोड, धरमपुरा मॉल परिसर, रायपुर
फोन : 98271 43060/8871 003060

को विनर घोषित कर दिया है। यह पूरा मामला मिस इंग्लैंड ईस्ट मिडलैंड्स के खिताब का है। इस ब्यूटी पेजेंट में 19 साल की कैटलिन बेनेटी (इंग्लिश) नाम की दो सुंदरियां हिस्सा ले रही थीं। जब कैटर्वाक और टैलेंट राउंड खतम हुआ और नतीजे सामने आए, तो जज भी सिर पकड़कर बैठ गए। क्योंकि, दोनों ही कंटेस्टेंट्स के नंबर बिल्कुल बराबर आए थे।

बिना ऑक्सीजन के भी खा जाता है प्लास्टिक!



बिना ऑक्सीजन के काम करना क्यों है बेहद खास? ज्यादातर किसी चीज को सड़ने या गलने के लिए ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है। लेकिन, इस फंगस की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह बिना ऑक्सीजन के भी प्लास्टिक को नष्ट कर सकता है।

कचरे के मैदान के लिए बनेगा वरदान

जब हम कचरा फेंकते हैं, तो वह जमीन के नीचे दब जाता है। कचरे की गहरी परतों में ऑक्सीजन बिल्कुल नहीं होती, जिससे वहां प्लास्टिक सेकड़ों सालों तक वैसा ही पड़ा रहता है। लेकिन, यह जीव बिना ऑक्सीजन के भी काम कर सकता है, इसलिए इसे कचरे के ढेरों में नीचे दबाकर भी प्लास्टिक को गलने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

प्लास्टिक को ही बना लेता है अपना भोजन!

रिसर्च में खुलासा हुआ है कि यह फंगस प्लास्टिक को ही अपने भोजन बना लेता है। इसमें सेरीन हाइड्रोलेज नाम का एक खास एंजाइम पाया जाता है। यह एंजाइम प्लास्टिक के जटिल केमिकल बॉन्ड्स को तोड़कर उन्हें छोटे टुकड़ों में बदल देता है, जिससे फंगस उसे आसानी से पचा लेता है।

बैद्यनाथ
नागपुर
असली आयुर्वेद

**एहसास जगायें,
नवयौवन
जैसा जोश पाये**

**वीटा-एक्स
गोल्ड**

प्लस कैप्सूल

पुरुषों के स्वास्थ्य हेतु प्रमाणित शुद्ध स्वर्ण भस्म, सफेद मुखली व शिलाजित युक्त

100% आयुर्वेदिक

100 वर्षों से लोगों का पसंदीदा, भरोसेमंद, जांचा और परखा

वैद्यकिय सलाह 944 844 4935
www.baidyanath.com

PAINFUL KIDNEY STONES ?

WE OFFER PAINLESS & NON-INVASIVE TREATMENT

- URSL (Semirigid Ureteroscopy)
- Oral Medication
- ESWL (Extra corporeal Shock Wave Lithotripsy)
- Laser Kidney Stone Treatment
- PCNL (Per cutaneous Nephrolithotomy)

सुयश हॉस्पिटल

24 Hours Helpline 9926386660

कोटा-गुडियारी रोड, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर

Ajay 9827144371

बालको मेडिकल सेंटर

मध्यभारत का अत्याधुनिक व विश्वसनीय कैंसर हॉस्पिटल

NABH व NABL से मान्यता प्राप्त

आयुष्मान भारत योजना से निशुल्क ईलाज एवं सभी PSUs व बीमा कंपनियों से अनुबंधित

- सभी प्रकार की कैंसर सर्जरी (रोबोटिक/मिनी-इन्वैजिव)
- पेट, स्तन, स्किन, HGT, LGT थेरेपी
- कीमोथेरेपी, टारगेटेड थेरेपी, इम्यूनोथेरेपी
- रात-सबाना सभी बीमारियां एवं बोन मेरू ट्रांसप्लांट
- आधुनिक रेडियोलॉजी, लेबोरेटरी एवं ब्लड सेंटर
- अत्याधुनिक टू-बीम लिनक एवं हैल्सीआन मशीन द्वारा रेडिएशन थेरेपी व ब्रैकिथेरेपी की सुविधा

वीएमसी सिटी कैंसर डेकेयर - कलर्स मॉल के बाजू, धमतरी रोड, रायपुर (छ.ग.) ☎ 9201966330

मेन हॉस्पिटल: सेक्टर 36, नया रायपुर, (छ.ग.) ☎ 8282823333/4444

आयुर्वेद में तेल को वात दोष शांत करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण घटक माना जाता है। यह वात दोष के कारण पैदा होने वाली जोड़ों की तकलीफों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस पद्धति में डा. ऑर्थो आयुर्वेदिक तेल को अच्छी मात्रा में घुटनों पर स्थिर रखा जाता है और इस तुलना में यह घुटनों के ऊतकों में प्रवेश कर गतिशीलता बढ़ाने में सहायता करता है। बार-बार ऐसा करने पर जोड़ों के ऊतकों को बल मिलता है। यह प्रक्रिया हर सप्ताह एक से दो बार की जा सकती है।

Clinically Tested*

*For efficacy and safety.

24x7 Helpline: 78769 77777 | www.drorthool.com

Available at all medical & general stores